राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 65 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,05 सितम्बर 2021 , मूल्य रु. 1.50

‘सरकारी तोता’ सुप्रीम कोर्ट के पिंजरे में !

सीबीआई का रिपोर्ट कार्ड तैयार करेगा का सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई यानी सरकारी तोता की काबिलियत का रिपोर्ट कार्ड अब सुप्रीम कोर्ट तैयार करेगा। यानी ह्यसरकारी तोताज् अब सुप्रीम कोर्ट के पिंजरे में रहेगा। दरअसल, सीबीआई की लापरवाही से सुप्रीम कोर्ट नाराज है। अदालत ने सीबीआई का रिपोर्ट कार्ड तैयार करने का मन बनाया है। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एमएम सुंद्रेश की बेंच ने कहा कि केवल केस दर्ज कर लेना ही काफी नहीं है। सीबीआई को जांच करके यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अभियोजन पूरा हो। अदालत सीबीअकाई की परफारमेंस और जांच तथा मामलों को लॉजिकल एंड तक ले जाने में उसके सक्सेस रेट को भी देखेगी। अदालत ने सीबीआई निदेशक से उसके सामने उन मामलों की संख्या रखने को कहा जिनमें सीबीआई आरोपी को सजा दिलाने में सफल रही।

सुप्रीम कोर्ट सीबीआई की प्रॉसीक्यूटिंग विंग अपने काम में कितनी कुशल है, इसकी जांच कर रहा है। शीर्ष अदालत ने पहले पाया था कि सीबीआई अपने काम में बहुत लापरवाही कर रही है जिसके चलते अदालतों में मुकदमे दायर करने में बेवजह की देरी होती है। अदालत ने सीबीआई निदेशक से इसपर जवाब मांगा था।

इस वजह से नाराज है सुप्रीम कोर्ट

दरअसल, एक मामले में सीबीआई की ओर से 542 दिनों की देरी के बाद अपील दायर किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त जाहिर की है। यही नहीं सीबीआई की इस देरी के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय एजेंसी के कामकाज और उसके परफॉर्मेन्स का विश्लेषण करने का फैसला किया। सुप्रीम कोर्ट सीबीआई की परफॉर्मेंस और जांच मामलों को तर्कसंगत अंत तक ले जाने में उसके सक्सेस रेट को भी देखेगी।

सर्वोच्च अदालत ने सीबीआई निदेशक से उसके सामने उन मामलों की संख्या रखने को कहा जिनमें सीबीआई आरोपी को सजा दिलाने में सफल रही। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई निदेशक को निर्देश दिया है कि वह उन मामलों की संख्या को कोर्ट के सामने रखें, जिनमें एजेंसी ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्टों में अभियुक्तों को दोषी ठहराने में सफल रही।

इस सवाल का जवाब भी मांगा

अदालत ने यह भी पूछा है कि सीबीआई निदेशक कानूनी कार्यवाही के संबंध में विभाग को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठा रहे हैं? जस्टिस संजय किशन कौल और एमएम सुंदरेश की बेंच ने कहा कि सीबीआई की कुछ जवाबदेही होनी चाहिए।

लंबित मामलों की भी देनी होगी जानकारी

शीर्ष अदालत ने पहले पाया था कि सीबीआई अपने काम में बहुत लापरवाही कर रही है जिसके चलते अदालतों में मुकदमे दायर करने में बेवजह की देरी होती है। सीबीआई को यह भी ब्योरा देने के लिए कहा गया है कि अदालतों में कितने मामले लंबित हैं और कितने समय से हैं।

कोर्ट ने कहा-घर ठीक करना होगा

बेंच ने सीबीआई निदेशक से हलफनामा दायर कर उन कदमों की जानकारी मांगी है जो उन्होंने एजेंसी की कार्यप्रणाली को बेहतर करने के लिए उठाए। यह भी पूछा गया है कि कानूनी मामलों में अभियोजन को बेहतर करने के लिए कैसा सिस्टम होना चाहिए। एजेंसी की प्रॉसीक्यूटिंग विंग को मजबूत बनाने का रास्ता क्या है। कहां पेच फंसा है। हम जानना चाहते हैं कि आपने विंग को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए हैं। एक कमी पर्याप्त लोगों का न होना भी है। आपको अपना घर दुरुस्त करना होगा।

एडिशनल जनरल की सभी दलीलें खारिज

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल संजय जैन ने कहा कि भारत में मुकदमेबाजी की जैसी प्रणाली है, उसे देखते हुए मुकदमेबाजी के सक्सेस रेट को एजेंसी की दक्षता आंकते समय बस एक पहलू के रूप में देखा जाना चाहिए। इसपर बेंच ने कहा कि दुनियाभर में यही पैमाना चलता है और ऐसी कोई वजह नहीं है कि सीबीआई पर भी इसे लागू नहीं होना चाहिए।

हमें सीबीआई का सक्सेस रेट देखना है

कोर्ट ने कहा हम उन मामलों से जुड़ा डेटा देखना चाहेंगे जिन्हें सीबीआई हैंडल कर रही है। कितने मामलों में सीबीआई मुकदमा लड़ रही है, ट्रायल अदालत में कितने समय से मामले लंबित हैं और ट्रायल कोर्ट्स तथा हाई कोर्ट्स में सीबीआई का सक्सेस रेट क्या है।

गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में ऐतिहासिक कार्बी आंगलोंग समझौता हुआ

सीएम सरमा ने पीएम मोदी को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्र की मोदी सरकार ने शनिवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह , असम के मुख्यमंत्री डॉक्टर हिमंत बिस्वा सरमा और कार्बी संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में त्रिपक्षीय कार्बी शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।समझौते के बाद गृहमंत्री शाह ने कहा कि असम में कार्बी आंगलोंग समझौता हुआ है। यह ऐतिहासिक समझौता है।

ऐतिहासिक समझौते के बाद शाह ने ट्वीट कर कहा कि ऐतिहासिक कार्बी आंगलोंग समझौते पर हस्ताक्षर हुआ है। मोदी सरकार दशकों पुराने संकट को हल करने और असम की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्बी असम का एक प्रमुख जातीय समूह है, जो कई गुटों और टुकड़ों से घिरा हुआ है। कार्बी समूह का इतिहास 1980 के दशक के उत्तरार्ध से हत्याओं, जातीय हिंसा, अपहरण और कराधान से जुड़ा रहा है। इस मौके पर मौजूद असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने समझौते के बाद कहा कि कार्बी आंगलोंग समझौते पर हस्ताक्षर असम के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। नए समझौते के तहत, पहाड़ी जनजाति के लोग भारतीय संविधान की अनुसूची 6 के तहत आरक्षण के हकदार बने है।

वहीं असम के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल ने कहा, ह्यऐतिहासिक कार्बी आंगलोंग समझौते पर हस्ताक्षर पर मैं केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं जो दशकों पुराने संकट को हल करने, असम की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।मैं असम के मुख्यमंत्री को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। आज के इस समझौते में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साहसिक गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों का भी योगदान है।

उन्होंने कहा,मेरा मुंबई में तीन दिनों का कार्यक्रम था, लेकिन मुझे पता चला कि यहां एक महत्वपूर्म काम होने वाला है। इसकारण मैंने समझौते को लेकर यहां रहने के लिए वहां का अपना दौरा रद्द कर दिया।

इस साल फरवरी में, पांच संगठनों से जुड़े 1,040 कार्बी उग्रवादियों ने मुख्यधारा में लौटने के लिए असम के तत्कालीन मुख्यमंत्री सबानंद सोनोवाल के सामने हथियार डाल दिए थे।

खबर एक नजर

आईएनएस ऐरावत कोविड राहत आपूर्ति के साथ थाईलैंड पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी । इन दिनों जारी मिशन सागर के अंतर्गत आईएनएस ऐरावत दिनांक 3 सितंबर 2021 कोकोविड राहत सामग्री के साथ थाईलैंड के सट्टाहिप पहुंचा। जहाज थाईलैंडसरकार द्वारा चल रही कोविड-19 महामारी के खिलाफ अपनी लड़ाई में अनुमानित आवश्यकता के आधार पर 300 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर वितरित कर रहा है। आईएनएस ऐरावत को दक्षिण पूर्व एशिया में उन मित्र देशों को कोविड राहत देनेके लिए तैनात किया गया है जो भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए मिशन सागर (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन) के तत्वावधान में कोविड 19 महामारी से जूझ रहे हैं। वर्तमान तैनाती में जहाज ने थाईलैंड पहुंचने सेपहले इंडोनेशिया और वियतनाम को कोविड राहत सामग्री पहुंचाई है। एक लैंडिंग शिप टैंक (लार्ज) क्लास का जहाज आईएनएस ऐरावत पूर्वी नौसेनाकमान के तहत विशाखापत्तनम में पूर्वी नौसैनिक बेड़े का एक हिस्सा ह । जहाज को स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है और इसे प्रतिकूल तटों पर सैन्यवाहनों और कार्गो को शामिल करने के लिए बनाया गया है। उनकी अन्य भूमिकामें मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) शामिल है। इस प्रकार यह जहाजइस मिशन के लिए पसंदीदा रहा है। जहाज ने अप्रैल 2021 से कोविड-19 से लड़नेके लिए देश के प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

ईएनसी में स्वर्णिम विजय वर्ष ह्यविजय मशालह्ल को स्थापित हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी ।1971 के युद्ध में भारत की जीत की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर पूर्वी नौसेना कमान (ईएनसी) में स्वर्णिम विजय वर्ष की ह्यविजय ज्वाला’ को औपचारिक रूप से स्थापित किया गया। इसे आंध्र प्रदेश की गृहमंत्री मेकाथोती सुचरिता और ईएनसी के एवीएसएम व वीएसएम फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ वाइस एडमिरल अजेंद्र बहादुर सिंह ने 03 सितंबर 21 को विशाखापत्तनम के ह्यविक्टरी एट सीह्ल युद्ध स्मारक आर के समुद्री तट पर आयोजित एक शानदार समारोह में स्थापित किया। 1971 के युद्ध में हिस्सा लेने वाले कुशल नौसैनिकों की उपस्थिति में इस समारोह को आयोजित किया गया। इस स्मारक कार्यक्रम में नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों और आंध्र प्रदेश सरकार के अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। कमांडर-इन-चीफ और गृह मंत्री ने इस स्थापना समारोह का शुभारंभ पुष्पांजलि अर्पित करके किया। वहीं राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वालों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया। भारतीय नौसेना दल द्वारा एक प्रभावशाली समारोह के बीच औपचारिक ढंग से इस विजय मशाल को लाया गया। इसके बाद माननीय गृह मंत्री और कमांडर-इन-चीफ ने अनुभवी नौसैनिकों के साथ बातचीत की, जिन्होंने 1971 के युद्ध के दौरान अपने अनुभव साझा किए।

जी मेंस में गड़बड़ी: एफिनिटी एजुकेशन के दो निदेशकों समेत तीन सीबीआई हिरासत में

कांग्रेस ने की जांच की मांग, कहा- सिलिसला व्यापम से शुरू हुआ था, अब जेईई तक पहुंच गया है

नई दिल्ली, एजेंसी । संयुक्त प्रवेश परीक्षा मेंस की परीक्षा में कथित गड़बड़ी के आरोप में गिरफ्तार किये गये एफिनिटी एजुकेशन के निदेशकों सिद्धार्थ कृष्णा और विशंभर मणि त्रिपाटी के अलावा उसके एक कर्मचारी ऋतिक सिंह को 9 सितंबर तक सीबीआई की हिरासत में भेज दिया गया है। इसके पहले सिद्धार्थ कृष्णा और विशंभर मणि त्रिपाठी को शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया। दूसरी तरफ, कांग्रेस पार्टी ने पिछले सात सालों में हुई जेईई मेंस की परीक्षा की जांच कराने की मांग की है।

कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जज की अध्यक्षता में समिति बनाकर पिछले सात वर्षों के दौरान हुई प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं की जांच करायी जाये। पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने यह भी कहा कि ह्ययुवाओं के भविष्यह्न से खिलवाड़ के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी एनटीए और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय जवाबदेह हैं। उन्होंने कहा, ह्यभाजपा की सरकारों में पेपर लीक होना पुरानी बात है। यह सिलिसला व्यापम से शुरू हुआ था और अब जेईई तक पहुंच गया है।

वल्लभ के मुताबिक, ह्यहरियाणा के सोनीपत शहर से जेईई परीक्षा पेपर लीक किये जाने का मामला सामने आया है। वहां कंप्यूटर में रिमोट एक्सेस के जरिये सवालों को कोई दूसरा हल कर रहा था। यह कक्षा 12वीं के बाद सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा है। लेकिन, 70 साल में पहली बार इसमें भी धांधली हुई है ह्न उन्होंने जोर देकर कहा, ह्यएनटीए का गठन केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया गया था। हम शिक्षा मंत्री और एनटीए को सीधे जवाबदेह मानते हैं ह्न गौरव वल्लभ ने कहा, ह्यहमारी मांग है कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की अगुवाई में समिति बने और पिछले सात वर्षों में हुई प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं की जांच हो। यह पता लगाया जाये कि इन मामलों में कौन लोग शामिल थे।

सीबीआई ने जेईई मेन 2021 की परीक्षा कराने में कथित गड़बड़ी के आरोप में एफनिटी एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड और इसके निदेशकों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। गुरुवार को एजेंसी ने मध्यप्रदेश के इंदौर, झारखंड के जमशेदपुर और महाराष्ट्र के पुणे के अलावा दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर में 20 ठिकानों पर छापेमारी भी की। छापेमारी के बाद मामले में सीबीआई की जांच टीम ने शुक्रवार को संस्थान निदेशकों और सहयोगियों समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले, एक सितंबर को सीबीआई ने इंस्टीट्यूट, इसके तीन निदेशकों सिद्धार्थ कृष्णा, विशंभर मणि त्रिपाठी और गोविंद वार्ष्णेय, उनके दलालों, सहयोगियों और परीक्षा केंद्रों पर तैनात स्टाफ और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर, पुणे, जमशेदपुर, इंदौर और बेंगलुरु में 20 जगहों पर की गयी छापेमारी के दौरान 25 लैपटॉप, सात कम्प्यूटर, 30 पोस्ट डेटेड चेक के अलावा कुछ अहम दस्तावेज और उपकरण भी छापामारी दल के हाथ लगे।

एमओयू इन उपेक्षित फसलों के लिए निर्यात केंद्रित परितंत्र तथा मूल्य श्रृंखला का निर्माण करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी । गुणवत्तापूर्ण उत्पादन तथा प्रसंस्करण के जरिये निर्यात बढ़ाने के लिए, कृषि तथा प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने आज आईसीएआर-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईएमआर) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जिससे निर्यात की संभावनाओं तथा किसानों की आय को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एमओयू का प्रमुख फोकस निर्यात के लिए आईसीएआर-आईआईएमआर द्वारा विकसित कदन्न(बाजरा) की प्रसंस्करण योग्य किस्मों की वाणिज्यिक खेती को बढ़ावा देना होगा जिससे उच्च पोषक गुणों वाले अनाज, बाजरा के मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एमओयू में किसानों तथा किसान उत्पादक संगठनों के साथ मार्केट लिंकेज के सृजन की परिकल्पना भी की गई है।एमओयू के तहत परिकल्पित लक्ष्यों को अर्जित करने के लिए एपीडा तथा आईसीएआर-आईआईएमआर के प्रतिनिधियों के साथ एक संयुक्त समन्वयन समिति का गठन किया जाएगा।एमओयू का उद्वेश्य आवश्यक आपूर्ति श्रृंखला लिंकेज, तकनीकी भंडार, नैदानिक अध्ययनों, जागरूकता निर्माण, नीतिगत बदलावों तथा उद्यमियों की पाइपलाइन के साथ निर्यात केंद्रित परितंत्र का निर्माण करना है। एपीडा तथा आईसीएआर-आईआईएमआर दोनों ही बाजारों की समझ, उपभोक्ता वरीयताओं, उभरते क्षेत्रों के लिए ज्ञान विकसित करने, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता, बाजारों की कीमत अस्थिरता तथा मानदंडों, विनियमनों और व्यापार नीतियों पर बाजार की जानकारी का विश्लेषण करने के लिए कार्य करेंगे।

भारत और अमेरिका ने मानव रहित विमानों के सम्बंध में परियोजना-समझौते पर हस्ताक्षर किये

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत और अमेरिका के रक्षा मंत्रालयों ने मानव रहित विमानों (एयर-लॉन्च्ड अनमैन्ड एरियल व्हेकिल-एएलयूएवी) के सम्बंध में एक परियोजना-समझौते (पीए) पर हस्ताक्षर किये हैं। उल्लेखनीय है कि मानव रहित विमानों में ड्रोन आदि शामिल हैं। यह समझौता रक्षाप्रौद्योगिकी और व्यापार पहल (डीटीटीआई) के हवाले से संयुक्त वायु प्रणाली कार्य समूह के तहत 30 जुलाई, 2021 को किया गया।, भारत और अमेरिका के रक्षा मंत्रालयों के बीच हुये अनुसंधान, विकास, परीक्षण और मूल्यांकन (आरडीटी-एंड-ई) समझौता-ज्ञापन के दायरे में एएलयूएवी को रखा गया है।इस समझौता-ज्ञापन पर सबसे पहले जनवरी 2006 में हस्ताक्षर किये गये थे और जनवरी 2015 को उसका नवीनीकरण किया गया था। यह समझौता रक्षा उपकरणों को मिलकर विकसित करने की दिशा में दोनों देशों के बीच रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग को और गहन बनाने की एक महत्त्वपूर्ण पहल है। डीटीटीआई का मुख्य लक्ष्य है कि सहयोगात्मक प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान तथा भारत और अमेरिकी सेना के लिये भावी प्रौद्योगिकियों के सह-उत्पादन और सह-विकास पर लगातार जोर देना। डीटीटीआई के अंतर्गत थल, जल, वायु और विमान वाहक पोतों की प्रौद्योगिकियों के सम्बंध में एक संयुक्त कार्य समूह का गठन किया गया है, ताकि इन क्षेत्रो में आपसी चर्चा के बाद मंजूर होने वाली परियोजनाओं पर ध्यान दिया जा सके। एएलयूएवी के बारे में जो परियोजना-समझौता किया है, वह वायु प्रणालियों से जुड़े संयुक्त कार्य समूह के दायरे में आता है। यह डीटीटीआई की एक बड़ी उपलब्धि है।

उद्योग की सभी आवश्यकताओं पर विचार करने के लिए सरकार हमेशा तैयार है : मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, वस्त्र, उपभोक्ता मामले व सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने भारत में वस्त्र उद्योग के अग्रणी लोगों के साथ संवाद करते हुए कहा, ह्लहमें जल्द से जल्द भारत के वस्त्र निर्यात को तीन गुना करते हुए वर्तमान 33 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य पर काम करना चाहिए।ह्व उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर हस्तशिल्प सहित कपड़े और परिधान के लिए 2021-22 में 44 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य हासिल करने का संकल्प लेना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनका वस्त्र मंत्रालय निर्यातकों के लिए प्रोत्साहनों के पुराने बकाये के मुद्दे के समाधान के लिए एमओएफ के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग की सभी आवश्यकताओं पर विचार करने के लिए हमेशा से तैयार है। उन्होंने कहा कि वे उद्योग ज्यादा फलते-फूलते हैं, जो उद्योग सब्सिडी पर निर्भर नहीं है।

गोयल ने कहा कि वस्त्रों के लिए पीएलआई योजना और मित्र पार्क्स योजना मंजूरी के अग्रिम चरण में है। उन्होंने कहा कि हमेशा अच्छे लगने वाले फैब्रिक्स बनाने के लिए भारतीय कपड़ा उद्योग और हमारे बुनकर सदियों पुराने ज्ञान, शिल्प और तकनीक का उपयोग करते रहे हैं। इनमें कलाकारी और जटिलता का स्तर बेजोड़ है। अगर ये हमारे ह्यवस्त्र निर्यातकह्न नहीं होते तो दुनिया इन उत्पादों का अनुभव कभी नहीं ले पाती। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत ने दुनिया के भरोसेमंद भागीदारों के साथ की गईं अपनी सभी अंतर्राष्ट्रीय सेवा प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है। उन्होंने कहा, देखने की बात है कि 2021-22 की पहली तिमाही में भारत के जीडीपी में आर्थिक सुधार से मजबूती के संकेत दिख रहे हैं। 2021-22 की पहली तिमाही में एक साल पहले की समान तिमाही की तुलना में भारत की जीडीपी 20.1 प्रतिशत बढ़ी है और एफडीआई प्रवाह में 90 प्रतिशत बढ़ोतरी देखने को मिली है। अगस्त, 2021 में वाणिज्यिक निर्यात 33 बिलियन डॉलर रहा, जो 2020-21 की तुलना में 45 प्रतिशत और 2019-20 की तुलना में 27.5 प्रतिशत ज्यादा रहा और अप्रैल-अगस्त, 2021 के दौरान वाणिज्यिक निर्यात 164 बिलियन डॉलर रहा, जो 2020-21 की तुलना में 67 प्रतिशत और 2019-20 की तुलना 23 प्रतिशत ज्यादा रहा।

आज किसान महापंचायत में 5 लाख किसानों का हल्लाबोल

मुजफ्फरनगर में 500 जगह होंगे भंडारे, 5 हजार कारीगर खाना बनाने में जुटे

मुजफ्फरनगर, एजेंसी । केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में रविवार को किसान महापंचायत होगी। शहर के जीआईसी ग्राउंड में होने वाली इस महापंचायत का आयोजन संयुक्त किसान मोर्चा कर रहा है। दावा है कि इसमें देशभर से 5 लाख किसान पहुंचेंगे। यह महापंचायत किसान आंदोलन का भविष्य तय करने वाली है। यही वजह है कि किसान संगठन के लोग गांव-गांव जाकर पंचायत कर लोगों से महापंचायत में आने की अपील कर रहे हैं। इस किसान महापंचायत में तीन नए कृषि कानूनों और किसानों के मुद्दों पर चर्चा होगी। भारतीय किसान यूनियन का दावा है कि पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र और दक्षिण के राज्यों समेत पूरे देश से किसान इस महापंचायत में हिस्सा लेंगे।

जानकारी के देशभर से आने वाले किसानों के लिए अलग-अलग जगहों पर 500 भंडारे होंगे। किसानों के लिए खाना तैयार करने में 5 हजार कारीगर जुटे हैं। भंडारों के अलावा 110 गांवों से खाना बनकर आएगा।

छोटी छोटी टुकडियों में दिल्ली से निकलेंगे किसान

दिल्ली बॉर्डर से किसान मुजफ्फरनगर के लिए छोटी छोटी टुकडियों में निकलेंगे। किसानों का दल एक साथ नहीं जाएगा। टिकरी और गाजीपुर बॉर्डर से किसान बसों के द्वारा शिफ्टों में जा रहे हैं। दो बसें रात को रवाना हुई हैं। दो बसें 11 बजे के करीब और दो बसें शाम को जाएंगी। हर प्रदर्शनस्थल से 400-500 से ज्यादा किसान नहीं जाएंगे। करीब 500 बसें किराए पर की गई हैं। इनमें से कई के 12 बजे तक पहुंचने की उम्मीद है। सभी बसें मुजफ्फरनगर से थोड़ा पहले रोकी जाएंगी। वहीं, पंजाब से दो हजार किसानों के पहुंचने की उम्मीद है। ये किसान अमृतसर, जालंधर और लुधियाना से ट्रेनों से निकलेंगे। इस महापंचायत को ठीक ढंग से करने के लिए 5000 वालंटियर बनाए गए हैं।

पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट पर

इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट पर है। मुजफ्फरनगर और आसपास के जिलों में भारी सुरक्षा तैनात की गई है। शासन ने मुजफ्फरनगर और उसके आसपास के जिलों में आईपीएस भेजे हैं। एडीजी राजीव सभरवाल और आईजी प्रवीण कुमार पूरी व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरनगर में रह चुके अफसरों को भी बुलाया गया है। सहारनपुर, शामली और बागपत में विशेष आईपीएस तैनात किए गए हैं। आकाश कुल्हरी, अनुराग वत्स, कुंवर अनुपम, नरेन्द्र कुमार सिंह, सिद्धार्थ शंकर मीणा जैसे अफसरों की तैनाती की गई है।

कई जिलों की पुलिस बुलाई गई

अपर पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक रईस अख्तर भी पंचायत के दौरान मुजफ्फरनगर में मौजूद रहेंगे। इसके अलावा एसपी संजीव वाजपेई, एसपी शिवराम यादव की तैनाती की गई है। साथ ही सीओ चमन चावड़ा, अरुण कुमार, पीपी सिंह भी तैनात किए गए हैं। मुजफ्फरनगर में कोई अप्रिय घटना ना हो, इसके लिए कई जिलों की पुलिस बुलाई गई है।

टिकैत बोले- किसानों को रोका, तो हम तोड़कर जाएंगे

वहीं, किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा, महापंचायत में शामिल होने वाले किसानों की संख्या बता पाना मुश्किल है। लेकिन मैं लोगों से वादा करता हूं कि ये संख्या बहुत बड़ी होगी। उन्होंने कहा, किसानों को महापंचायत जाने से कोई नहीं रोक सकता। यह सरकारी कार्यक्रम नहीं है। अगर वे रोकेंगे तो हम तोड़कर जाएंगे। टिकैत ने बताया कि वालंटियर्स को जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने बताया कि इमरजेंसी नंबर शेयर किया गया है। इसके अलावा किसान शुक्रवार से ही वहां पहुंचना शुरू हो गए हैं, ऐसे में उनके लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।

वित्तमंत्री सीतारमण ने फाइनेंशियल स्टैबिलिटी एंड डेवलपमेंट काउंसिल की 24वीं बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट कार्यमंत्री निर्मला सीतारमण ने आज फाइनेंशियल स्टैबिलिटी (एफएसडीसी) की 24वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में एमओएस (वित्त) डॉ. भागवत किशनराव कराड; एमओएस (वित्त) पंकज चौधरी; भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास; व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय में वित्त सचिव व सचिव, डॉ. टी. वी. सोमनाथन; आर्थिक मामलों के विभाग, वित्त मंत्रालय में सचिव अजय सेठ; राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय में सचिव तरुण बजाज; वित्त सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय में सचिव देबाशिष पांडा; कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय में सचिव राजेश वर्मा; मुख्य आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय डॉ. कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यन; भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के चेयरपर्सन अजय त्यागी; पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण के चेयरपर्सन सुप्रतिम बंद्योपाध्याय; भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड के चेयरपर्सन डॉ. एम. एस. साहू; अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के चेयरमैन इंजेती श्रीनिवास; भारती बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के सदस्य (गैर जीवन) सुश्री टी. एल. अलामेलु; और एफएसडीसी, आर्थिक मामलों के विभाग, वित्त मंत्रालय में सचिव आदि मौजूद रहे। बैठक में एफएसडीसी के विभिन्न क्षेत्रों वित्तीय स्थायित्व, वित्तीय क्षेत्र विकास, अंतर नियामकीय समन्वय, वित्तीय साक्षरता, वित्तीय समावेशन और अर्थव्यवस्था के व्यापक विवेकपूर्ण पर्यवेक्षण सहित बड़े वित्तीय समूहों के कामकाज आदि पर विचार-विमर्श किया गया। गौरतलब है कि सरकार और सभी नियामकों द्वारा वित्तीय स्थितियों पर लगातार नजर रखने की आवश्यकता है।

भारत की चिंताओं को दूर करने व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने का तालिबान ने दिया संकेत: श्रृंगला

महिलाओं, अल्पसंख्यकों के प्रति संवेदनशील रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान के नए शासक तालिबान को लेकर भारत अभी पूरी तरह संतुष्ट नहीं है। भारतीय विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि भारत और अमेरिका, अफगानिस्तान में पाकिस्तान के कदमों पर करीबी नजर रख रहे हैं। श्रृंगला ने कहा कि भारत की तालिबान के साथ सीमित बातचीत रही है, अफगानिस्तान के नए शासकों ने संकेत दिया है कि वे भारत की चिंताओं को दूर करने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएंगे। विदेश सचिव ने वॉशिंगटन की अपनी तीन दिवसीय यात्रा समाप्त होने पर भारतीय पत्रकारों के एक समूह से कहा, 'जाहिर तौर पर हमारी तरह वे भी करीब से नजर रख रहे हैं और हमें बारीकी से पाकिस्तान के कदमों पर नजर रखनी होगी।' उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में किस प्रकार के हालात बनते हैं, इस संदर्भ में अमेरिका इंतजार करो और देखो की नीति अपनाएगा। भारत की भी यही नीति है। उन्होंने कहा, 'इसका यह मतलब नहीं है कि आप कुछ नहीं करो। इसका मतलब है कि आपको करना होगा। जमीन पर हालात बहुत नाजुक है और आपको देखना होगा कि यह कैसे बदलते हैं। आपको यह देखना होगा कि सार्वजनिक रूप से दिए गए आश्वासनों पर वाकई में अमल हुआ अथवा नहीं, और चीजें किस प्रकार से काम कर रही हैं।'

विदेश सचिव ने कहा, 'उनके साथ (तालिबान) हमारी बातचीत बहुत सीमित रही है। ऐसा नहीं है कि हमारी कोई ठोस बातचीत हुई है। लेकिन अभी तक जो भी बातचीत हुई है उसमें कम से कम तालिबान यह संकेत देते दिखाई दिया है कि वे इससे निपटने में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएंगे।' वह कतर में भारत के राजदूत की तालिबान के एक वरिष्ठ नेता के साथ हाल में हुई बैठक के बारे में एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, 'हमने उन्हें बताया कि हम चाहते हैं कि उनके क्षेत्र से हमारे या अन्य देशों के खिलाफ कोई आतंकवादी खतरा पैदा न हो, हम चाहते हैं कि वे महिलाओं, अल्पसंख्यकों के प्रति संवेदनशील रहे। मुझे लगता है कि उन्होंने अपनी तरफ से आश्वस्त किया है।' उन्होंने अफगानिस्तान में स्थिति के तेजी से बदलने का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका दोनों उस पर करीबी नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, '15 अगस्त को देखिए कि ऐसी स्थिति थी जिसमें अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी अचानक देश से चले गए। तालिबान आ गया। हालात इतनी तेजी से बदल रहे हैं कि इस समय किसी भी चीज पर टिप्पणी करना मुश्किल है।'

श्रृंगला ने कहा कि अफगानिस्तान में स्थिति पर अमेरिका करीबी नजर रख रहा है। उन्होंने कहा, 'वे जाहिर तौर पर देखेंगे कि अफगानिस्तान के हालात में अलग-अगल तत्व क्या भूमिका निभाते हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान का पड़ोसी है। उन्होंने तालिबान का समर्थन किया और उसे संरक्षण दिया। वहां कई ऐसे तत्व हैं जिनका पाकिस्तान समर्थन करता है।' साथ ही उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की भारत की अध्यक्षता के दौरान अफगानिस्तान पर पारित प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध सूची में शामिल जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा समेत प्रतिबंधित संगठनों का जिक्र किया गया। अफगानिस्तान में इन दो आतंकवादी समूहों के आसानी से घुसने, उनकी भूमिका के बारे में हमें चिंता है और हम सावधानीपूर्वक इस पर नजर रखेंगे। इस संदर्भ में पाकिस्तान की भूमिका देखनी होगी।'

पंजशीर पर कब्जे का जश्न मना रहे तालिबानी लड़ाकों की गोलीबारी में बच्चों समेत कई लोगों की मौत, अनेक घायल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में अब पंजशीर पर कब्जे को लेकर खूनी संघर्ष जारी है। अफगानिस्तान की सत्ता में 20 साल बाद वापसी करने वाले तालिबान ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने पंजशीर पर कब्जा कर लिया है। पंजशीर में कब्जे के बाद तालिबान ने शुक्रवार की रात हवाई फायरिंग कर जश्न मनाया। हालांकि, तालिबान का यह जश्न आम अफगानियों के लिए मुसीबत बन गया।

काबुल में तालिबान की हवाई गोलाबारी में बच्चों सहित कई लोग मारे गए, जबकि कई लोगों के घायल होने की खबर है।

उल्लेखनीय है कि नार्दर्न अलायंस ने तालिबान के इस दावे को पूरी तरह से खारिज किया है और कहा कि पंजशीर अब भी तालिबानियों के कब्जे में नहीं है। अलायंस ने दावा किया कि ऐसी खबरें पाक मीडिया द्वारा एक योजना के तहत फैलाई जा रही हैं। उधर, पंजशीर प्रांत पर नियंत्रण की खबरें आने के बाद तालिबान ने काबुल में जश्न मनाना शुरू कर दिया। तालिबान लड़ाकों ने खुशी के मारे हवाई फायरिंग की। इसी हवाई फायरिंग ने काबुल में कई लोगों की जानें ले लीं। तालिबान की गोलीबारी में घायल हुए लोगों को शुक्रवार देर रात लोग अस्पताल ले गए।

पंजशीर में तालिबान के कब्जे के बाद खबर है कि खुद को अफगान का राष्ट्रपति घोषित करने वाले अमरुल्ला सालेह भी पंजशीर से भाग गए हैं। हालांकि, इस बीच अफगानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति और पंजशीर से तालिबान को चुनौती दे रहे अमरुल्लाह सालेह खुद एक वीडियो के जरिए सामने आए हैं और उन्होंने कहा है कि वह देश छोड़कर भागे नहीं हैं। उन्होंने कहा पंजशीर घाटी में ही हैं और नार्दर्न अलायंस के कमांडरों के साथ मुकाबला कर रहे हैं। अमरुल्लाह सालेह ने तालिबान के कब्जे की बात को सिरे से खारिज कर दिया है और कहा कि पंजशीर घाटी पर पिछले चार से पांच दिनों से तालिबान और अन्य बलों द्वारा हमला किया जा रहा है, लेकिन विद्रोहियों द्वारा किसी भी क्षेत्र पर कब्जा नहीं किया गया है।

खबर एक नजर

18 माह के बाद यूरोपियन देशों में खुले स्कूल, बच्चे पहुंचे स्कूल

लंदन, एजेंसी। पूरे यूरोप में कोरोना महामारी के कारण बंद स्कूलों के खुलने से 18 महीने बाद बच्चे फिर से स्कूल जाने लगे हैं, लेकिन अनेक देशों में कोरोना के अत्यंत संक्रामक डेल्टा स्वरूप से संक्रमण के मामले बढ़ने को लेकर चिंताएं भी हैं। ब्रिटेन के उलट इटली और स्पेन में छात्रों और शिक्षकों के लिए सामाजिक दूरी रखना तथा मास्क पहनना अनिवार्य है। इटली, तुर्की और यूनान में शिक्षकों को टीकाकरण का सबूत दिखाना होगा या फिर कोरोना जांच की ताजा रिपोर्ट दिखानी होगी जिसमें उनके संक्रमित नहीं होने की पुष्टि हो। फ्रांस में, बच्चे बृहस्पतिवार से स्कूल जाने लगे। यहां छह वर्ष और अधिक आयु के बच्चों के लिए मास्क पहनना आवश्यक है। ब्रिटेन में जुलाई माह में व्यवसायों तथा सामाजिक मेल मिलाप पर लगी महामारी संबंधी पाबंदियों में से लगभग ज्यादातर को हटा दिया गया था और अब ब्रिटेन यूरोप में सर्वाधिक संक्रमण दर वाले क्षेत्रों में शामिल है जहां पर प्रतिदिन संक्रमण के 30,000 नए मामले सामने आ रहे हैं। पिछली लहरों के मुकाबले हालांकि अस्पताल में भर्ती होने की दर तथा मृत्यु दर कहीं कम है। इसकी वजह है टीकाकरण अभियान जिसमें 16 वर्ष से अधिक आयु के करीब 80 फीसदी लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है।

पुतिन बोले- सभ्य तरीके से पेश आए तालिबान ताकि दुनिया राजनयिक संबंध बनाए

मास्को, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान राज के बाद उसके चाल, चरित्र को लेकर पूरी दुनिया में जिज्ञासा है। ऐसे में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तालिबान सभ्य तरीके से पेश आएगा ताकि दुनिया के देश काबुल के साथ राजनयिक संबंध बनाए रख सकें। उन्होंने साथ ही कहा कि रूस की अफगानिस्तान के विघटन में कोई दिलचस्पी नहीं है क्योंकि अगर ऐसा होता है तो फिर कोई बात करने वाला नहीं रह जाएगा। पुतिन ने कहा कि तालिबान जितना अपने को बदलेगा और लोगों से जुड़ेगा, उतना ही बोलना, संवाद करना, संपर्क करना और सवाल पूछना आसान होगा। रूस तालिबान सरकार को मान्यता देने में कोई जल्दबाजी नहीं कर रहा है लेकिन काबुल में रूस के राजदूत ने कहा कि मास्को अफगानिस्तान में अपना दूतावास बनाए रखेगा।

तालिबान बोला- अफगानिस्तान में अपना कामकाज फिर शुरू करेगी वेस्टर्न यूनियन

काबुल, एजेंसी। तालिबान के अफगानिस्तान पर काबिज होने के बाद कहा कि वेस्टर्न यूनियन देश में अपना कामकाज फिर से शुरू करेगी। इससे नकदी की कमी का सामना कर रहे देश में विदेशी धन के प्रवाह का एक दुर्लभ माध्यम खुल जाएगा। समूह के सांस्कृतिक आयोग के प्रवक्ता अहमदुल्ला मुत्ताकी ने इस फैसले की घोषणा की। गौरतलब है कि 15 अगस्त को तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद अमेरिकी वित्तीय सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने अफगानिस्तान में अपना कामकाज बंद कर दिया था। इस फैसले से उन अफगानियों को खास राहत मिलेगी जिनके रिश्तेदार विदेशों में रहते हैं। संकटग्रस्ट देश में लोग रोजाना सैकड़ों की संख्या में बैंकों के बाहर नकदी निकालने के लिए लाइन लगा रहे हैं। यहां एक दिन की धन निकासी सीमा 200 डॉलर तय है और एटीएम निष्क्रिय पड़ी हैं।

गाजा के सुरंग से मिले तीन शव, हमास ने कहा मिस्र ने छोड़ी थी जहरीली गैस

गाजा सिटी, एजेंसी। गाजा में काबिज हमास समूह ने शुक्रवार को कहा कि उसे मिस्र की सीमा पर तस्करी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक सुरंग में से तीन शव बरामद किए हैं। हालांकि यह नहीं बताया गया कि इन लोगों की मौत किस वजह से हुई। एक दिन पहले ही समूह ने मिस्र पर सुरंग में जहरीली गैस प्रवाहित करने का आरोप लगाया था। इस तरह के आरोप, मिस्र के साथ तनाव को बढ़ा सकते हैं, जब मिस्रवासी हमास तथा इजराइल के बीच संघर्ष विराम समझौते के लिए प्रयास कर रहे हैं। मिस्र से इस बारे में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। गुरुवार को तस्करों के साथ संपर्क समाप्त हो गया था और बाद में हमास तथा अन्य आतंकवादी गुटों ने कहा कि जब व्यापार संबंधी एक सुरंग में जहरीली गैस प्रवाहित की गयी तो लोगों की मौत हो गई। उन्होंने इसे 'हत्या' बताते हुए कहा कि इसकी पूरी जिम्मेदारी मिस्र के अधिकारियों पर है। हमास ने 2007 में प्रतिद्वंद्वी फिलिस्तीनी बलों से सत्ता हासिल कर ली थी और उस पर काबिज हो गया था, जिसके बाद से इजराइल और मिस्र ने गाजा पर पाबंदी लगा रखी है।

विश्व समुदाय और अमेरिका को तालिबान से समावेशी सरकार बनाने की उम्मीद : ब्लिंकन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका और विश्व समुदाय को तालिबान से अफगानिस्तान में समावेशी सरकार बनाने की उम्मीद है। ब्लिंकन ने कहा हमने और दुनियाभर के देश चाहते हैं कि नई सरकार समावेशी हो और इसमें गैर तालिबानी भी हों जो अफगानिस्तान के विभिन्न समुदायों और विभिन्न हितों का प्रतिनिधित्व करते हों।

तालिबान के पिछले महीने अफगानिस्तान में कब्जा जमाने के बाद जल्द ही नई सरकार के गठन की घोषणा करने की संभावना है। ब्लिंकन ने कहा सरकार के समावेशी होने की उम्मीद की जाती है, लेकिन एक ऐसी सरकार देखने की उम्मीद है जो खासतौर से यात्रा करने की आजादी, अमेरिका या उसके किसी भी सहयोगी पर आतंकवादी हमले के लिए अपनी सरजमीं का इस्तेमाल न होने देने, महिलाओं और अल्पसंख्यकों समेत अफगान लोगों के मूल अधिकारों को बरकरार रखने और प्रतिशोध की कार्रवाई नहीं करने आदि वादों को पूरा करे।

उन्होंने कहा मुझे लगता है कि विदेश विभाग समेत सभी को युद्ध के दौरान के घटनाक्रम और अफगानिस्तान के साथ साझेदारी को समझने के लिए पूरे 20 वर्षों की ओर देखना पड़ेगा और उससे सही सवाल करना और सही सीख लेनी होगी। ब्लिंकन ने कहा कि सहयोगियों के साथ अमेरिका की कूटनीति तेज होगी। विदेश मंत्री अफगानिस्तान में तेजी से बदलते हालात के बीच अपने सहयोगियों के साथ कूटनीति तेज करने के लिए कतर और जर्मनी की यात्रा करेंगे। दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए कार्यवाहक सहायक मंत्री डीन थॉम्पसन ने पत्रकारों से कहा कि ब्लिंकन की दोहा में तालिबानी नेतृत्व से मुलाकात की कोई योजना नहीं है।

स्वीडान में भारी बारिश से सड़के पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं। पानी से भरी सड़कों को पार कर लोगों को आना-जाना पड़ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट में खुलासा, आंतकियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पाकिस्तान पर दबाव बना रहा अमेरिका

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका के प्रमुख मीडिया संस्था को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले हैं,जिसमें इसबात के संकेत मिलते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद पाकिस्तान पर इस्लामिक स्टेट-खुरासान (आईएसआईएस-के) और अलकायदा जैसे खतरनाक आतंकवादी संगठनों के निपटने में सहयोग करने का दबाव बना रहा है। पाकिस्तान के समाचार पत्र ने अमेरिकी मीडिया संस्था में प्रकाशित खबर के हवाले से अपनी रिपोर्ट में तालिबान के कब्जे के बाद अमेरिका और पाकिस्तान के बीच राजनयिक संदेशों के आदान प्रदान का जिक्र किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ये संदेश दिखाते हैं कि, बाइडन प्रशासन अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद पाकिस्तान पर इस्लामिक स्टेट-खुरासान (आईएसआईएस-के) और अलकायदा जैसे खतरनाक आतंकवादी संगठनों के निपटने में सहयोग करने का लगादार दबाव बना रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी मीडिया संस्थान ने संवेदनशील लेकिन गैर खुफिया संदेश तथा अन्य लिखित दस्तावेज प्राप्त किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, पाकिस्तान ने इसके जवाब में कहा है कि अफगानिस्तान छोड़कर आ रहे लोगों की मदद में भूमिका निभाने के लिए इस्लामाबाद सार्वजनिक तौर पर अधिक मान्यता दिए जाने का हकदार है, उसने उन खतरों को नजरअंदाज किया कि तालिबान के शासन से उनके देश पर क्या असर हो सकता है।' रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका पाकिस्तान को उस देश के तौर पर देखता है, जिसका अफगान तालिबान के साथ संबंध है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में जिसका सहयोग मददगार साबित हो सकता है। वह परमाणु हथियार संपन्न देश भी है और अमेरिकी अधिकारी उस पूरी तरह से चीनी प्रभाव में आने और गंवाने को स्वीकार नहीं करने वाले है। गौरतलब है कि चीन पाकिस्तान का करीबी सहयोगी देश है और अफगानिस्तान में बदल रहे हालात में वह पाकिस्तान के साथ समन्वय में काम कर रहा है।

बाइडन ने 11 सितंबर के हमले से संबंधित दस्तावेजों को गोपनीय सूची से हटाने का निर्देश दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने 11 सितंबर, 2001 को हुए आतंकवादी हमले से संबंधित कुछ दस्तावेजों को गोपनीय सूची से बाहर करने का निर्देश दिया है। सरकार का यह फैसला उन पीड़ितों के परिवारों के लिए मददगार साबित होगा जो सऊदी अरब की सरकार के खिलाफ अपने आरोपों के संबंध में लंबे समय से रिकॉर्ड की मांग कर रहे हैं।

यह आदेश 11 सितंबर के आतंकवादी हमले की घटना के 20 साल पूरा होने से महज एक सप्ताह पहले आया है और इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग को लेकर बरसों से पीड़ितों के परिवार और सरकार के बीच टकराव चल रहा था। बाइडन ने शुक्रवार को दस्तावेजों को गोपनीय सूची से हटाने का निर्देश दिया और उन्होंने वादा किया कि उनका प्रशासन इस समुदाय के सदस्यों के साथ सम्मानपूर्वक जुड़ना जारी रखेगा।

शासकीय आदेश में कहा गया है कि दो दशक पहले हुई यह दुखद घटना अमेरिकी इतिहास और अमेरिकियों की स्मृति में आज भी ताजा है। इसलिए यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि पारदर्शिता को और बढ़ाया जाए। आदेश में न्याय विभाग और अन्य कार्यकारी शाखा एजेंसियों को कुछ निश्चित रिकॉर्ड को गोपनीय सूची से हटाने की समीक्षा शुरू करने का निर्देश दिया गया और इसके लिए आवश्यक है कि अवर्गीकृत दस्तावेज अगले छह महीनों में जारी किए जाएं। न्यूयॉर्क में संघीय अदालत में एक मुकदमा काफी समय से लंबित है जिसमें सऊदी अरब की सरकार और उसके अधिकारियों पर घटना से पहले विमान के अपहरणकर्ताओं को मदद उपलब्ध कराने का आरोप लगाते हुए उन्हें जिम्मेदार ठहराने का अनुरोध किया गया है।

अमेरिका में कहर बरपा रहा कोरोना डेल्टा स्वरुप, आईसीयू पूरी तरह से भरे, ऑक्सीजन की कमी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में फिर से कोरोना संक्रमण ने अपना कहर बरपा रहा है। हालात हैं कि अस्पतालों में जगह नहीं है, आईसीयू पूरी तरह से भर चुके हैं, ऑक्सीजन की भी आपूर्ति नहीं हो रही है।इस बीच बता दें कि बीते 24 घंटे में जो आंकड़े सामने आए है,वहां बहुत ही डराने वाले हैं। कोरोना के 1 लाख 91 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए। जबकि 1500 से अधिक लोगों की मौत हो गई।अमेरिका में जुलाई और अगस्त में हालात बदतर होने लगे और धीरे-धीरे संक्रमण ने भी रफ्तार पकड़ी और सितंबर में तो कोरोना ने सभी को चौंका दिया।

अमेरिका में फैले डेल्टा स्वरूप ने बच्चों को अपनी जद में लेना शुरू कर दिया है।इस लेकर डॉक्टरों ने चेताया है कि इस वायरस से बच्चों को ज्यादा खतरा है।कैलिफोर्निया की सेंट्रल वैली के केंद्र में स्थित अस्पतालों में आईसीयू पूरी तरह से भर चुके हैं। अस्पतालों में तेजी से संक्रमित मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है और इलाज के लिए बिस्तर नहीं मिल रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन ने कोरोना के कहर को देखकर बूस्टर डोज लगाने की बात कही है।बता दें कि 20 सितंबर से कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज लगेगी। दरअसल, व्हाइट हाउस ने जल्द से जल्द 10 करोड़ लोगों को बूस्टर डोज लगाने की योजना बनाई है। ताकि डेल्टा स्वरूप के खिलाफ जारी जंग जीतने में मदद मिल सके।

भारत ने पड़ोसी देश श्रीलंका को 150 टन ऑक्सीजन भेज की मदद

कोलंबो, एजेंसी। भारत ने पड़ोसी धर्म निभाते हुए कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर से बचाव के लिए श्रीलंका की मदद के लिए करीब 150 टन और ऑक्सीजन भेजी है। श्रीलंका ने कोविड-19 से होने वाली मौतों में वृद्धि और स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था पर बढ़ते दबाव के बीच शुक्रवार को अपना राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन 13 सितंबर तक बढ़ा दिया। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने शनिवार को ट्वीट किया, 'विशाखापत्तनम तथा चेन्नई से करीब 150 टन ऑक्सीजन लेकर आ रहा जहाज कोलंबो तट पर पहुंचा।' उसने कहा कि श्रीलंकाई राष्ट्रपति राजपक्षे से मदद के निजी अनुरोध के बाद भारत पिछले महीने के मध्य से श्रीलंका को ऑक्सीजन की तत्काल आपूर्ति कर रहा है। भारतीय नौसेना के जहाज शक्ति ने श्रीलंका की मदद के लिए उसे अगस्त में 100 टन तरलीकृत मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति की थी। अप्रैल-मई 2020 में करीब 26 टन आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति भेंट स्वरूप दी गयी। भारतीय उच्चायोग ने बताया कि भारत द्वारा जनवरी 2021 में दान दिए गए टीकों की पहली खेप के कारण श्रीलंका अपना टीकाकरण अभियान शुरू कर पाया। श्रीलंका में अभी संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। गुरुवार तक कोरोना वायरस के कारण 9,600 से अधिक लोगों की मौत हो गई और संक्रमण के मामले बढ़कर 4,47,757 हो गए।

तीन दिवसीय यात्रा पर न्यूयार्क पहुंची विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी कोलंबिया और न्यूयॉर्क की अपनी आधिकारिक यात्रा पर न्यूयार्क पहुंच गई हैं। वह इस दौरान शांतिरक्षा पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में हिस्सा लेंगी और भारतीय समुदाय के लोगों से संवाद करेंगी। लेखी पहले कोलंबिया जाएंगी जहां वह चार से छह सितंबर तक रहेंगी और शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगी और देश की उपराष्ट्रपति एवं विदेश मंत्री मार्टा लुसिया रमीरेज से द्विपक्षीय चर्चा करेंगी तथा परस्पर हितों वाले क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान प्रदान करेंगी।

न्यूयॉर्क में सात से नौ सितंबर तक अपनी यात्रा के दौरान लेखी एजेंडा आइटम 'यूनाइटेड नेशंस पीसकीपिंग ऑपरेशंस' के तहत 'ट्रांज़िशन' पर सुरक्षा परिषद की मंत्री स्तरीय खुली बहस में भाग लेंगी। इस महीने सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता कर रहा आयरलैंड आठ सितंबर को इस बैठक को आयोजित करेगा। विदेश राज्य मंत्री के तौर पर कोलंबिया और न्यूयॉर्क से अपनी पहली विदेश यात्रा शुरू कर रहीं लेखी ने ट्वीट किया न्यूयॉर्क की यात्रा के दौरान मैं एजेंडा आइटम 'यूनाइटेड नेशंस पीसकीपिंग ऑपरेशंस' के तहत 'ट्रांजिशंस' पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की खुली बहस में हिस्सा लूंगी। मैं भारतीय समुदाय के लोगों से भी बातचीत करूंगी। उनके संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ मिलने और भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष में न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करने की उम्मीद है। शुक्रवार को यहां पहुंचने के बाद लेखी ने जयपुर फुट यूएसए और ग्रेसियस गिवर्स फाउंडेशन द्वारा शहर में आयोजित 'जन आशीर्वाद आभार' कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के कुछ सदस्यों को संबोधित किया। अपने संबोधन में लेखी ने कोविड-19 महामारी से दुनिया भर में हुई तबाही का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महामारी ने दुनिया के सबसे मजबूत देशों को भी तबाह कर दिया। उन्होंने जोर दिया कि भारतीयों का बहुत मजबूत चरित्र है, उन्होंने कहा कि भारत और उसके नागरिकों ने बहादुरी से चुनौतियों का सामना किया और उनसे उबरे। भारतवंशी अमेरिकी नागरिकों के योगदान की सराहना करते हुए लेखी ने कहा कि भारतीय समुदाय देश के लिए सद्भावना दूत की तरह काम करता है और उसने समाज की समस्याओं के निराकरण की दिशा में उल्लेखनीय काम किया है।

न्यूजीलैंड के सुपरमार्केट में डंडा लेकर आईएस के आतंकी से भिड़ गया था अमित नंद

आतंकवादी पर हमला कर जख्मियों को भी बचाया, प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने की तारीफ

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड सुपरमार्केट में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकी ने विगत दिवस छह लोगों को चाकू से घोंपकर जख्मी कर दिया था। हालांकि हमले के कुछ वक्त बाद ही उसे मार गिराया गया। इस बीच एक भारतीय व्यक्ति ने गजब का हौसला दिखाया, जिसकी कहानी आज चारो तरफ छाई हुई है। आतंकी ने सुपरमार्केट में चाकू लेकर 'अल्लाहू अकबर' का नारा लगाते हुए छह लोगों को जख्मी किया। हालांकि एक भारतीय व्यक्ति ने गजब का हौसला दिखाया और आतंकवादी को ही चौंका दिया। जानकारी के मुताबिक सुपरमार्केट में हुए हमले के बाद लोग वहां से भागने लगे, लेकिन जब अमित नंद नामक भारतीय ने लोगों को भागते देखा तो वह कुछ समझ ही नहीं पाया। फिर अचानक उसकी नजर बड़ा सा चाकू लिए एक हमलावर पर पड़ी। उस वक्त अमित को एक महिला के पुकारने की भी आवाज सुनाई दे रही थी, जिसके बाद उसने उसे बचाने का निर्णय लिया।

जब हर कोई अपनी जान बचाते हुए सुपरमार्केट से बाहर भाग रहा था तब अमित नंद ने वहां मौजूद एक अन्य व्यक्ति से डंडा मांगा और आईएस के आतंकी से भिड़ गया। हालांकि कुछ वक्त बाद पुलिसकर्मी ने आतंकवादी को ढेर कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकी के मारे जाने के बाद अमित नंद ने जख्मियों की मदद की और सुपरमार्केट में मौजूद सामान से जख्मियों का खून रोकने की कोशिश की। मरने वाले आतंकी की पहचान श्रीलंकाई नागरिक के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि श्रीलंकाई नागरिक इस्लामिक स्टेट से प्रभावित था। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने कहा, 'वहां मौजूद हर व्यक्ति और जिसने इस भयानक घटना को देखा, उनके बारे में मैं कल्पना भी नहीं कर सकती कि इसके बाद वह कैसा महसूस करेंगे, लेकिन जख्मियों की मदद के वास्ते आगे आने के लिए आपका शुक्रिया।' वहीं श्रीलंका ने इस हमले की निंदा की। श्रीलंकाई विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'श्रीलंका इस जघन्य हिंसा की निन्दा करता है और किसी भी तरह की मदद के लिए न्यूजीलैंड के अधिकारियों का सहयोग करने को तैयार है।'

दिल्ली दंगा मामले पर आप ने उठाए दिल्ली पुलिस की जांच पर सवाल, कहा

किसके दवाब में काम कर रही है दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली दंगों के मामलों में दिल्ली पुलिस की जांच पर कोर्ट द्वारा बार-बार सवाल उठाए जाने पर दिल्ली पुलिस के मंसूबे पर सवाल खड़ा किया है। 'आप' विधायक आतिशी ने कहा कि भाजपा की दिल्ली पुलिस, दिल्ली दंगा मामलों की सही से जांच नहीं कर रही है और पुलिस की जांच पर बार-बार कोर्ट द्वारा सवाल खड़े किए जा रहे हैं। दिल्ली दंगों में जब से कार्यवाही शुरू हुई है, तभी से हर स्तर के कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की जांच पर बार-बार सवाल उठाए हैं। दिल्ली पुलिस का, दिल्ली दंगों की सही जांच और चार्जशीट दाखिल कर हिंसा व आगजनी के असली अपराधियों को पकड़ने का कोई इरादा ही नहीं है। केजरीवाल सरकार ने जब अपने स्पेशल प्रॉसिक्यूटर नियुक्त किए, तब एलजी ने उस फैसले को पलट दिए। उन्होंने सवाल किया कि आखिर क्यों दिल्ली पुलिस ठीक से जांच और कार्रवाई नहीं कर रही है, क्या किसी को बचा रही है। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं विधायक आतिशी ने फरवरी-2020 में हुए दिल्ली दंगों की जांच में दिल्ली पुलिस द्वारा बरती जा रही लापरवाही को लेकर आज पार्टी मुख्यायल में प्रेस वार्ता को संबोधित किया। विधायक आतिशी ने कहा कि फरवरी-2020 में दिल्ली ने बहुत ही दर्दनाक दंगों का सामना किया। हम सबने देखा कि नार्थ-ईस्ट दिल्ली में किस प्रकार से दंगे हुए, किस तरह से उसमें आगजनी और हिंसा हुई। दिल्ली ने शायद अपने इतिहास में ऐसे दंगे नहीं देखे होंगे, लेकिन आज इन दंगों के डेढ़ साल होने के बाद भी दिल्ली पुलिस ने न कोई कार्रवाई की है और न तो ठीक से जांच की है। पुलिस की जांच पर खुद अलग-अलग कोर्ट्स ने बार-बार सवाल उठाए हैं। आज हम यह जानना चाह रहे हैं कि दिल्ली पुलिस इन दंगों को लेकर क्यों ठीक से जांच नहीं कर रही है, क्यों कार्यवाही नहीं कर रही है? दिल्ली पुलिस इन दंगों में क्या किसी को बचा रही है? जिस दिन से इन दंगों के बाद कार्यवाही शुरू हुई है, बार-बार हर स्तर के कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की जांच पर सवाल उठाए हैं। आतिशी ने कहा कि हम यह सवाल सिर्फ इसलिए नहीं उठा रहे कि हम एक राजनीतिक दल हैं।

पार्टी
आम आदमी पार्टी

अब तक 750 मामलों में से सिर्फ 35 में ही चार्जशीट दाखिल कर पाई है पुलिस : आतिशी

दिल्ली पुलिस का असली अपराधियों को पकड़ने का कोई इरादा नहीं : आतिशी

'आप' नेता आतिशी ने सवाल खड़े करते हुए कहा कि इस बात से यह स्पष्ट होता है कि दिल्ली सरकार ने जो स्पेशल प्रॉसिक्यूटर्स नियुक्त किए थे, उनको रखने के लिए एलजी साहब क्यों तैयार नहीं हुए थे। यह भी स्पष्ट हो जाता है कि भाजपा की दिल्ली पुलिस और भाजपा के एलजी साहब दिल्ली दंगों में जांच नहीं चाहते हैं। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली सरकार को एक लिस्ट भेजी थी कि हम यह स्पेशल प्रॉसिक्यूटर्स चाहते हैं, तो दिल्ली सरकार ने उन स्पेशल प्रॉसिक्यूटर्स को नियुक्त करने से मना कर दिया, क्योंकि अगर दिल्ली पुलिस खुद ही अपने स्पेशल प्रॉसिक्यूटर नियुक्त करेगी और दिल्ली पुलिस की मर्जी से स्पेशल प्रॉसिक्यूटर नियुक्त होंगे, तो फिर उनके बीच मिलीभगत हो सकती है। जब दिल्ली सरकार ने अपने स्पेशल प्रॉसिक्यूटर नियुक्त किए, तब एलजी साहब ने उस फैसले को पलट दिया। यहां तक कि दिल्ली सरकार इस मामले को लेकर कोर्ट भी गई है कि दिल्ली दंगों के मामले में और 26 जनवरी को किसानों के केस में, क्यों हमारे स्पेशल प्रॉसिक्यूटर्स को हटाया गया और क्यों दिल्ली सरकार के स्पेशल प्रॉसिक्यूटर्स को नहीं रखा गया? यह मामला आज भी कोर्ट में है। लेकिन जो हमारे एडिशनल सेशन जज विनोद यादव ने टिप्पणियां की हैं, उससे यह स्पष्ट हो रहा है कि क्यों दिल्ली सरकार के स्पेशल प्रॉसिक्यूटर्स को नहीं रखा गया? क्योंकि दिल्ली पुलिस का दिल्ली दंगों के मामले में कोई भी जांच करने का इरादा नहीं है। उनका ठीक चार्जशीट फाइल करने का कोई भी इरादा नहीं है। दिल्ली दंगों में जिन असली अपराधियों ने हिंसा और आगजनी की है, उन्हें पकड़ने का कोई भी इरादा नहीं है। आज हम दिल्ली पुलिस से यह पूछना चाहते हैं कि इन सारे मामलों में आप किन को छुपा रहे हैं? आप किस को बचा रहे हैं कि दिल्ली दंगों के डेढ़ साल होने के बावजूद कोर्ट के सामने न कोई सही जांच, न सही कार्रवाई, न सही गवाह और न ठोस साक्ष्य रखा जा रहा है।

122 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित करेगी केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली ,(रविशंकर तिवारी)। कोरोना काल में अद्वितीय काम करने वाले दिल्ली सरकार के स्कूलों के 122 शिक्षकों को केजरीवाल सरकार राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित करेगी। दिल्ली स्टेट टीचर अवार्ड 2021 इस बार कई मायनों में काफी खास है। इस बार 'फेस ऑफ डीओई' के साथ-साथ एससीईआरटी,डाइट के टीचर-एजुकेटरों को भी सम्मानित किया जाएगा।

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि कोरोना काल में हमारे टीचर्स ने न केवल अपने स्टूडेंट्स की शिक्षा सुनिश्चित की बल्कि कोविड ड्यूटी में सबसे आगे रहकर और आगे बढ़कर नेतृत्व किया। हमारे शिक्षकों ने कोरोना के दौरान दिल्ली से अन्य राज्यों में चले गए बच्चों को कड़ी मेहनत से न सिर्फ ढूंढा बल्कि अपने खर्चों पर दिल्ली बुलाया। ऐसे बच्चे जो ऑनलाइन क्लास नहीं कर सकते थे उन्हें डिवाइस दिए, डेटा रिचार्ज करवाया लेकिन उनकी पढ़ाई नहीं रुकने दी। ये साल बहुत चुनौतीपूर्ण रहा हऐ फिर भी हमारे टीचर्स ने न केवल अपने स्टूडेंट्स की शिक्षा सुनिश्चित की बल्कि कोविड ड्यूटी में सबसे आगे रहकर नेतृत्व किया। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर शिक्षकों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमें अपने शिक्षकों पर गर्व है। दिल्ली की स्कूली शिक्षा में क्रन्तिकारी बदलाव उनकी बदौलत ही आए है। इसे अब विश्व स्तर पर भी मान्यता मिल चुकी है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के शिक्षकों ने कोरोना के कठिन समय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने न केवल प्रशासन के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर चलने का काम किया है बल्कि वैक्सीनेशन, क्वॉरेंटीन सेंटर, खाना बांटने, मास्क इन्फोर्समेंट, एयरपोर्ट् ड्यूटी सभी में उल्लेखनीय काम किया। इन ड्यूटी के साथ-साथ अपना मूल कर्तव्य निभाते हुए ऑनलाइन टीचिंग का काम भी जारी रखा और बच्चों की पढ़ाई को रुकने नहीं दिया। कोरोना के दौरान बड़े स्तर पर लोगों का माइग्रेशन हुआ, बहुत से बच्चे दूसरे राज्यों में चले गए।

इसके बावजूद हमारे शिक्षकों ने न केवल इन बच्चों को ढूंढने का काम किया बल्कि अपने खर्चों पर बच्चों को दिल्ली बुलाया। ऐसे बच्चे जो ऑनलाइन क्लास नहीं कर सकते थे उन्हें डिवाइस दिए और डेटा रिचार्ज करवाया लेकिन उनकी पढ़ाई नहीं रुकने दी। इससे पता चलता है कि गुरु श्रेष्ठ है।

संक्षिप्त खबर

महापौर ने किया कोरोना योद्धाओं का सम्मान

कोरोना योद्धा
सम्मान 2021

नई दिल्ली। जम जम फाउन्डेशन के द्वारा शनिवार को मेयर हाऊस में आयोजित कोरोना योद्धा सम्मान समारोह में उत्तरी दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने पत्रकारों को कोरोना योद्धा सम्मान 2021 देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जम-जम फाउन्डेशन के प्रमुख संरक्षक योगेन्द्र सिंह मान पूर्व महापौर अवतार सिंह भाजपा उत्तर-पूर्वी दिल्ली जिला के अध्यक्ष मोहन गोयल उपाध्यक्ष सचिन मावी जम-जम फाउन्डेशन के संरक्षक बोर्ड के सदस्य उमेश माथुर अध्यक्ष शमीम अहमद खान उपाध्यक्ष अर्चना गिल महासचिव रेखा शर्मा सचिव रहीस त्यागी कोषाध्यक्ष जहीर आलम सलाहकार बोर्ड के सदस्य खालिद कुरैशी सदस्य मौहम्मद कामिल सहित गीता सक्सेना दीपमाला, पूजा ढुकराल, सुनीता वशिष्ट, प्रीति सक्सेना, सुचित्रा यादव, अनिल गुपता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित हुए महापौर राजा इकबाल सिंह ने राष्ट्रीय सहारा से आदर्श शर्मा दैनिक जागरण से निहाल सिंह पंजाब केसरी से राकेश कुमार शर्मा हिन्दुस्तान से दिनेश वत्स मिलाप उर्दू से तारा चन्द दैनिक वीर अर्जुन से कृष्ण देव पाठक सान्ध्य वीर अर्जुन से विजय शर्मा देशबन्धु से इकरार खान विराट वैभव से जयचंद्ररा मूकसत्ता से अशोक धवन दैनिक ओपन सर्च से विजय कुमार टोटाल टीवी से संजय वर्मा न्यूज वर्ल्ड 4 यू से गुलजार अहमद सफर आपके साथ न्यूज से इम्तियाज अहमद बजाते रहो न्यूज से श्रावणी मिश्रा भूपति हिन्दुस्तान समाचार न्यूज एजेन्सी से मौहम्मद ओवेस सहित हिन्दूराव अस्पताल की नर्सिंग ऑफिसर अर्चना गिल प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र मल्का गंज से दीपक चौपड़ा व भाजपा उत्तर-पूर्वी दिल्ली जिला अध्यक्ष मोहन गोयल को कोरोना योद्धा सम्मान 2021 देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि कोरोना काल मे पत्रकारों ने अहम भूमिका अदा की है जिसके लिए उनका सम्मान होना चाहिए।

टेक-बैक या एक्सचेंज कार्यक्रमों के संभावित योगदान पर कार्यशाला

नई दिल्ली। आरएलजी इंडिया और डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनेल जुसामेनरबीट (जीआईजेड) जीएमबीएच-जर्मन सरकार की ओर से संघीय स्वामित्व उपक्रम-संयुक्त रूप से 'ई-अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अभिनव मूल्य श्रृंखला की स्थापना' शीर्षक से तीन वर्षीय डेवलपमेंट पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप को कार्यान्वित कर रहे हैं, इस पहल को 'ई-सफाई' का नाम दिया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य भारत में ई -वेस्ट मैनेजमेंट के लिए टेक-बैक या एक्सचेंज प्रोग्राम को बढ़ावा देना है। आरएलजी इंडिया की प्रबंध निदेशक राधिका कालिया ने परियोजना और आयोजित कार्यशाला के बारे में बात करते हुए कहा, ई-सफाई ई-कचरा प्रबंधन के लिए अच्छा बुनियादी ढांचा बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। जीआईजेड इंडिया के निदेशक, जलवायु परिवर्तन, डॉ आशीष चतुर्वेदी ने कहा, औपचारिक ई-कचरा प्रबंधन क्षेत्र में ई-कचरे के स्थायी पुनर्चक्रण की काफी संभावनाएं हैं। आनंद कुमार, मंडल प्रमुख (डिविजनल हेड), सीपीसीबी, ने विशेष भाषण देते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि अनौपचारिक क्षेत्र के हितधारकों को शामिल करना ईपीआर के तहत लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

अंतरराष्ट्रीय संबंध के क्षेत्र में अब आया है बहुत बदलाव : डॉ.आमना

नई दिल्ली,(संजय कुमार)। सेंटर फॉर प्रोफेशनल एडवांसमेंट (आईएमआरएफ की एक इकाई, भारत सरकार के साथ पंजीकृत) द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पुरस्कार 2021 का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में अन्य पुरस्कार विजेताओं के साथ, प्रसिद्ध शिक्षाविद लेखक और सामाजिक उद्यमी डॉ आमना को अंतरराष्ट्रीय सम्मानित किया जाएगा। इस विषय पर बात करते हुए, डॉ.आमना ने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानती है कि शिक्षा व सेवा द्वारा सामाजिक विकास में योगदान देने का मौका मिलता है क्यूंकि हमारे हमारे जीवन में सुख और नैतिक कर्तव्य एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। डॉ.आमना ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंध के क्षेत्र में अब बहुत बदलाव आया है, इस

डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन बेस्ट फैकल्टी अवॉर्ड इन इंटरनेशनल रिलेशंस से डॉ.आमना सम्मानित

दिल्ली में 103 की जगह इस बार 122 शिक्षकों को मिलेगा शिक्षक अवार्ड

एक अध्यापक की बच्चों के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका : संत राजिन्दर सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षक दिवस के दिन हम अपने अध्यापकों और गुरुओं का सम्मान करते हैं। इस संसार में जब भी हमारे बच्चे यदि कोई विषय सीखना चाहते हैं तो वे एक ऐसे अध्यापक के पास जाते हैं जो उसमें निपुण हो। हम सभी यह अच्छी तरह जानते हैं कि एक अध्यापक की बच्चों के जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। उनके मार्गदर्शन में बच्चा न केवल पढ़ना-लिखना सीखता है बल्कि भविष्य में बढ़ा होकर उन्हें क्या बनना है? इसकी जानकारी भी उन्हें अध्यापक के द्वारा ही मिलती है। इसी प्रकार यदि हम अपने आपको आध्यात्मिक रूप से विकसित करना चाहते हैं तो उसके लिए हमें वक्त के किसी पूर्ण गुरु के चरण-कमलों में जाना होगा क्योंकि एक पूर्ण सत्गुरु अध्यात्म के विषय में निपुण होते हैं। इस धरती पर हर समय कोई न कोई पूर्ण सत्गुरु अवष्य मौजूद होते हैं, जो हमें ध्यान-अभ्यास के द्वारा अपने अंतर में मौजूद प्रभु-सत्ता के साथ जुड़ने में हमारी मदद करते हैं। जब हम उनके पास जाते हैं तभी हमें पता चलता है कि चौरासी लाख जियाजून में केवल मानव चोले में ही हम अपनी आत्मा का मिलाप पिता-परमेश्वर से करवा सकते हैं, जोकि मानव जीवन का मुख्य उद्देश्य है। वो हमें समझाते हैं कि पिता-परमेश्वर प्रेम के महासागर हैं, हमारी आत्मा उनका अंश होने के नाते प्रेम है और पिता-परमेश्वर को पाने का ज़रिया भी प्रेम ही है।

राम की आराधना में शामिल होना सौभाग्य की बात : पाण्डेय

रामलीला में शामिल होंगे केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, (विवेक राय)। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पाण्डेय से शनिवार को दिल्ली स्थित उनके आवास पर ओरछा के राजा राम की लीला समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान लीला समिति के चेयरमैन सत्य भूषण जैन व अध्यक्ष डॉ.वी पी टंडन ने केंद्रीय मंत्री को श्रीराम जी की स्मृति के साथ-साथ गदा भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. महेंद्र नाथ पाण्डेय से 6 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के बीच होने वाली भव्य वर्चुअल रामलीला आयोजन समिति ने लीला मंचन देखने का अनुरोध किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री पाण्डेय ने कहा कि भगवान राम की आराधना रामलीला में शामिल होना उनके लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है। उधर, मुलाकात के दौरान डॉ. वी पी टंडन ने केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री को बताया कि इस बार देश-विदेश में राम की लीला के भव्य मंचन वर्चुअल संचार माध्यमों के द्वारा करोड़ों लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इस भव्य रामलीला में कई प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियां भी भाग लेंगी।

भाजपा शासित एमसीडी करोड़ों की जमीन अपने लोगों को मुफ्त में देने जा रही है : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी ने निजी क्लिनिक और अपने लोगों को हजारों करोड रुपए की जमीन मुफ्त में देकर जाने का फैसला किया है। एनडीएमसी की स्टैंडिंग कमेटी में 1 सितंबर को लाया गया प्रस्ताव पास कर दिया गया है। जिसके जरिए एमसीडी की जमीनों को अपने लोगों को मुफ्त में देने जा रहे हैं।

प्रस्ताव में स्पष्ट लिखा है कि एनडीएमसी बिना किसी शुल्क के खाली भवन और जमीन का लाइसेंस देगी। यह दुनिया का पहला लाइसेंस होगा जिसके अंदर करोड़ों की जमीन अपने लोगों को बिना शुल्क के देंगे। उन्होंने कहा कि एमसीडी से बीजेपी भागने की तैयारी कर रही है। ऐसे में सभी संपत्ति और आय के स्त्रोतों को कौड़ियों के दाम में बांटने की तैयारी कर रही है। भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता बताएं कि आप किस वजह से इस तरह की घटिया पॉलिसी ला रहे हैं। अपने नेताओं को करोड़ों की जमीन मुफ्त में देने जा रहे हैं। विधायक सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

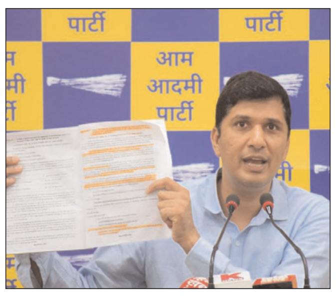

चाहने वालों को मुफ्त में देने जा रहे हैं जमीन

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा शासित एनडीएमसी की स्टैंडिंग कमेटी में 1 सितम्बर को प्रस्ताव लाया गया और प्रस्ताव पास कर दिया गया। भाजपा शासित एमसीडी के पास जितनी भी जमीन और इमारते हैं उन्हें अपने चाहने वालों को मुफ्त में देने जा रहे हैं। डिस्पेंसरी, मेडिकल सेंटर, मेटरनिटी सेंटर, चेस्ट क्लीनिक की कई हजार करोड़ की संपत्ति है। प्रस्ताव पास कर स्कीम निकाली है कि सारी संपत्ति अपने चाहने वालों को कम दामों में नहीं बल्कि मुफ्त में देने जा रहे हैं।

जल संरक्षण से ही जीवन का बचाव है : अंकिता चक्रवर्ती

(कुलदीप त्यागी)

नई दिल्ली। गर्मियों के समय में दिल्ली में पानी की भारी कमी होती है,वहीं दिल्ली को पीने के पानी के लिए हरियाणा पर निर्भर रहना पड़ता है। बरसाती पानी को संरक्षित कर दिल्ली को पानी के लिए आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। जल को संरक्षित करने, जल ही जीवन है के लिए दक्षिणी दिल्ली उपायुक्त अंकिता चक्रवर्ती आईएएस, के निर्देशानुसार एक साइकिल रैली का आयोजन चिराग दिल्ली से महरौली कुतुब मीनार तक निकली गई, जिसमें साइकिल सवारों ने जल के बिना जीवन नही ,जल बचाओ जीवन संरक्षित करो का नारा देते हुए नागरिकों को जागरूक किया। इस मौके पर मालवीय नगर से विधायक सोमनाथ भारती, महरौली से विधायक नरेश यादव मुख्यरूप से उपस्थित हुए।जल बोर्ड के अधिकारी सतीश कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जल शक्ति मिशन के तहत घर घर जल पहुचाने के ओर जल संरक्षित करने के लिए आपनी योजना पर प्रकाश डाला। उपस्थित दक्षिणी जिला उपायुक्त अंकिता चक्रवर्ती आईएएस ने सायकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया और साथ ही साइकिल चलाई उन्होंने बताया कि सायकिल रैली का मकसद बरसात में जल सरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना, वहीं बताया कि जिले में जोहड़ों ओर तालाबो को पुन: सुधिकरण किया जाएगा जिसमे बरसाती पानी को संरक्षित किया जा सकेगा। उपायुक्त का कहना है कि आज हम जल बचा सकेंगे तो आने वालीं पीढ़ी को इस समस्या से परेशान नही होना पड़ेगा, विधायक सोमनाथ भारती, व नरेश यादव ने सयुक्त बयान में बताया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के निर्देशन में दिल्ली की जनता के लिए बहुत काम किया जा रहा है।

आयोजन 'माइंड ऑन' संस्था द्वारा आयोजित माइंडफुल एजुकेशन अवार्ड कार्यक्रम में बोले सिसोदिया

माइंडफुलनेस विद्यार्थियों के जीवन में बना टर्निंग पॉइंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हम गर्व से कह सकते है कि हैप्पीनेस करिकुलम दिल्ली के लिए एक बड़ी सफलता है। हैप्पीनेस करिकुलम का आधार माइंडफुलनेस है और इसकी सबसे बड़ी खूबसूरती ये है की दिल्ली में रोजाना 16 लाख बच्चे स्कूल में अपनी पढ़ाई की शुरुआत माइंडफुलनेस के साथ करते है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को 'माइंड ऑन' संस्था द्वारा आयोजित माइंडफुल एजुकेशन अवार्ड कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा कि माइंडफुलनेस दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के जीवन में टर्निंग पॉइंट बना है।

माइंडफुलनेस ने बच्चों को तनाव से दूर कर पढ़ाई में उनका फोकस बढ़ाया है। कोरोना के मुश्किल समय में भी माइंडफुलनेस का अभ्यास कर बच्चों ने स्वयं के साथ अपने परिवारों को भी तनावमुक्त रखने का काम किया है। अब हमारा लक्ष्य माइंडफुलनेस को दिल्ली के लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना है। इस लखी को पूरा करने और माइंडफुलनेस को जनांदोलन बनाने में स्कूलों में पढ़ने वाले हमारे बच्चे माइंडफुलनेस के एम्बेसडर और मैसेंजर की भूमिका निभाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में हैप्पीनेस करिकुलम की सफलता की वजह बच्चों द्वारा रोजाना माइंडफुल मैडिटेशन करना है। उन्होंने साझा किया कि हैप्पीनेस करिकुलम के शुरुआती दौर के समय उन्होंने स्कूली बच्चों से हैप्पीनेस करिकुलम को लेकर उनकी प्रतिक्रिया मांगी तो ज्यादातर बच्चों ने कहा कि हैप्पीनेस करिकुलम को स्कूलों में जारी रखा जाए। जब बच्चों से हैप्पीनेस करिकुलम के सबसे पसंदीदा हिस्से की बात की जाती थी तो सभी एक स्वर में जबाव देते थे माइंडफुलनेस। उन्होंने कहा कि माइंडफुलनेस के कारण बच्चे बेहतर ढंग से अपनी पढ़ाई में ध्यान दे पा रहे है। माइंडफुलनेस दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के जीवन में एक टर्निंग पॉइंट बनकर आया है। माइंडफुलनेस ने बच्चों को तनाव से दूर किया है और पढ़ाई में उनका फोकस बढ़ा है। सिसोदिया ने कहा कि माइंडफुलनेस, इमोशनल साइंस के क्षेत्र में भारत द्वारा दुनिया को दिया गया एक उपहार है। भारत ने दुनिया को ध्यान की अपनी हजारों साल पुराणी परम्परा दी लेकिन समय के साथ इसमें विकार आया है। माइंडफुलनेस का असल लक्ष्य अपने जिंदगी पर ध्यान देना है लेकिन ये 15 मिनट के ध्यान तक सीमित रह गया है। लोगों ने ध्यान करना तो बहुत अच्छे से सीख लिया है लेकिन ये नहीं सीखा की जिन्दगी में ध्यान कैसे दिया जाए। यदि हम माइंडफुलनेस का अभ्यास उसका सही अर्थ समझ कर करे और अपने जिन्दगी में भी ध्यान देना शुरू कर दे तो कभी कोई गलत काम नहीं कर सकते है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमें माइंडफुलनेस को जनआंदोलन बनाने की जरूरत है। हर भारतीय को माइंडफुलनेस होकर जीवन जीने की जरूरत है। छोटी उम्र से ही बच्चों में माइंडफुलनेस का अभ्यास हो इसके लिए दिल्ली सरकार ने स्कूली की शुरुआत से ही हैप्पीनेस करिकुलम की शुरुआत की है। ताकि बच्चे रोजाना 5-10 मिनट के माइंडफुलनेस के साथ अपने दिन की शुरुआत करे और माइंडफुलनेस को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाए। सिसोदिया ने साझा किया कि माइंडफुलनेस से बच्चों में आत्म-विश्वास भी आया है। कोरोना के दौरान जब पूरी दुनिया तनावग्रस्त और भय के माहौल में जी रही थी। लोगों की दुनिया उनके घरों के कमरों तक सिमट गई थी उस दौर में हमारे बच्चे माइंडफुलनेस के साथ खुद को तनाव से दूर रखते थे। चूंकि बच्चों को माइंडफुलनेस का अभ्यास करना आता था तो उन्होंने अपने परिवार के बाकी सदस्यों से भी माइंडफुलनेस मैडिटेशन करवाया और कठिन समय में परिवारों को इससे फायदा हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे लक्ष्य माइंडफुलनेस को सभी नागरिकों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना है। इसके लिए हमारे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे माइंडफुलनेस के एम्बेसडर और मैसेंजर की भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि माइंडफुल एजुकेशन अवार्ड्स 2021 माइंड ऑन संस्था द्वारा बच्चों के ग्रोथ और डेवलपमेंट के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ वातावरण बनाने में स्कूलों और स्कूल लीडर्स के प्रयासों को पहचानने, मदद करने और उन्हें सम्मानित करने की एक पहल है।

बच्चों को तनाव से दूर कर पढ़ाई में बढ़ाया है उनका फोकस : मनीष सिसोदिया

समाज का प्रकाश स्तम्भ होता है शिक्षक

शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक निमार्ता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की और ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढ़ेर सारे प्रकाश स्तम्भों से रोशन हो रहा है। इसलिये देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है।

शिक्षक दिवस को स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक और विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थियों से शिक्षकों को ढ़ेर सारी बधाईयां मिलती है। भारत में शिक्षक दिवस शिक्षको के सम्मान में मनाया जाता है। शिक्षक पूरे वर्ष मेहनत करते है और चाहते है कि उनके छात्र विद्यालय और अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करें। शिक्षक दिवस पर पूरे देश के विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

दुनियां के एक सौ से अधिक देशों में अलग-अलग समय पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। भारत में भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पांच सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी।

देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

यह सर्वविदित है कि हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। इस दिन सभी को एक आज्ञाकारी विद्यार्थी के रुप में अपने शिक्षक का दिल से अभिनंदन करने के साथ ही जीवनभर अध्यापन के अपने निस्स्वार्थ सेवा कर अपने अनगिनत विद्याथीर्यों के जीवन को सही दिशा देने के लिये उन्हें धन्यवाद देना चाहिये।

कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया हैः-

‘गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट,
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट’

कबीर दास जी कहते है कि शिक्षक एक कुम्हार के तरह है और छात्र पानी के घड़े के तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है।

पुराने समय में शिक्षकों को चरण स्पर्श कर सम्मान दिया जाता था। परन्तु आज के समय में शिक्षक और छात्र दोनो ही बदल गये है। पहले शिक्षण एक पेशा ना होकर एक उत्साह और एक शौक का कार्य था। पर अब यह मात्र एक आजीविका चलाने का साधन बनकर रह गया है। यह सच है कि हमारे माता-पिता हमारे पहले शिक्षक है। वह हमें काफी कुछ सिखाते है। इस बात इन्कार नही किया जा सकता है। पर हमारी असली शिक्षा तब शुरू होती है जब हम स्कूल जाते है। जहां हम अपने शिक्षको द्वारा ज्ञान प्राप्त करना शुरू करते हैं। शिक्षक एक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। एक शिक्षक एक मार्गदर्शक, गुरु, मित्र होने के साथ ही और कई भूमिकाएं निभाते है। जिनके बारे में हम सोच भी नही सकते है। यह विद्यार्थी के उपर निर्भर करता है कि वह अपने शिक्षक को कैसे परिभाषित करता है। संत तुलसी दास के ने इसे नीचे के पंक्तियों में बहुत ही अच्छे तरीके से समझाया है।

‘जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन
तैसी’

संत तुलसी दास ने बताया है कि भगवान, गुरु एक व्यक्ति को वैसे ही नजर आयेंगे जैसा कि वह सोचेगा। उदहारण के लिए अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण को अपना मित्र मानते थे। वही मीरा बाई भगवान श्रीकृष्ण को अपना प्रेमी। ठीक इसी प्रकार से यह शिक्षक के उपर भी लागू होता है।

शिक्षक दिवस दुनिया के कई देशों में मनाया जाता है। जिसमें चीन से लेकर, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, अल्बानिया, इंडोनेशिया, ईरान, मलयेशिया, ब्राजील और पाकिस्तान तक शामिल हैं। हालांकि हर देश में इस दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितंबर तो अमेरिका में छह मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में पांच अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्त्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

आज के दौर में शिक्षकों के प्रति समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। आये दिन शिक्षकों की गलत हरकतों के बारे में जगह- जगह समाचार पत्रों में पढ़ने को मिलता है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा नीच हरकते करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है।

मौजूदा दौर में शिष्य भी कुछ कम नहीं हैं। आज के छात्रों के मन में गुरू के प्रति सम्मान का भाव कम ही देखने को मिलता है। छात्रों की अनुशासनहीना के चलते स्कूल, कालेजों में शिक्षा का वातावरण समाप्त होता जा रहा है। शिक्षक दिवस मनाने के साथ हमें शिक्षण कार्य की पवित्रता को फिर से बहाल करने की प्रतिज्ञा भी लेनी होगी। गुरू शिष्य को एक दूसरे की भावनाओं को समझ कर मिलजुल कर ज्ञान की ज्योति जलानी होगी। तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाना सार्थक हो पायेगा।

आज के दौर में शिक्षकों के प्रति समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। आये दिन शिक्षकों की गलत हरकतों के बारे में जगह- जगह समाचार पत्रों में पढ़ने को मिलता है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा नीच हरकते करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है। मौजूदा दौर में शिष्य भी कुछ कम नहीं हैं। आज के छात्रों के मन में गुरू के प्रति सम्मान का भाव कम ही देखने को मिलता है। छात्रों की अनुशासनहीना के चलते स्कूल, कालेजों में शिक्षा का वातावरण समाप्त होता जा रहा है। शिक्षक दिवस मनाने के साथ हमें शिक्षण कार्य की पवित्रता को फिर से बहाल करने की प्रतिज्ञा भी लेनी होगी।

संपादकीय

बनने प्रवृत्त हों शिक्षक

प्रायः कहा जाता है भारत विश्व गुरु रहा है। इसका तात्पर्य यही है कि भारत के पास विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान का भंडार था। सभी क्षेत्रों में भारत बहुत ही संपन्न था। जिस समय विश्व के पास केवल किताबी शिक्षा थी, उस समय भारत के पास ज्ञान का विपुल भंडार था। भारत के पास विश्व विख्यात विश्वविद्यालय थे। नालंदा, विक्रम और तक्षशिला विश्वविद्यालय का इतिहास पढ़ लीजिए, आपको यह पता चल जाएगा कि हमारा भारत ज्ञान के क्षेत्र में समुन्नत था। भारत के साहित्य में हर समस्या का समाधान था, बल्कि कहा जाए तो हमारी शिक्षा समाधान कारक ही थी। भारत में प्रति वर्ष डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन हम अगर यह नहीं जानते कि शिक्षक क्या है? तो हम केवल हम दिवस मनाने तक ही सीमित रह जाएंगे, इसके लिए शिक्षकों को भी यह भान रहना चाहिए कि राष्ट्र के भावी निर्माण के लिए उनके क्या कर्तव्य हैं? इसका बोध रहेगा तो ही शिक्षक दिवस की प्रासंगिकता है। वास्तव में शिक्षक क्या होता है? इसका आशय केवल विद्यालय तक सीमित नहीं है, शिक्षक अपनी कृति से, अपने व्यवहार से आजीवन शिक्षा देने वाला होता है। आज कई शिक्षक ऐसे भी दिखाई देते हैं जो विद्यालय के बाद अन्य उपक्रम करते हैं। क्या यह शिक्षक के कर्तव्य हैं? क्या यह देश की भावी पीढ़ी के उन्नयन की दिशा तय कर सकते है? कदाचित नहीं। हमारे देश के शिक्षकों को देश की भावी पीढ़ी को यह ज्ञान भी देना होगा कि उसके सामाजिक कर्तव्य क्या हैं? हम तब और केवल तब ही शिक्षक कहलाने के अधिकारी है, जब हमारी दी हुई शिक्षा के माध्यम से देश में समरसता का भाव निर्मित हो। लेकिन यह आज के समय में दिखाई नहीं दे रहा है। वर्तमान में हम देखते है कि हमारे पास किताबें तो हैं, लेकिन अनुभव की कमी है। जीवन का मार्ग क्या होना चाहिए इस दिशा का अभाव है। यह केवल विवेक जाग्रत करने से ही आ सकती है, विवेक जाग्रत करने के लिए ज्ञान का होना बहुत ही आवश्यक है। भारत की पुरातन शिक्षा प्रणाली का बेहतर माध्यम गुरुकुल होते थे। ध्यान रखने वाला तथ्य यह है कि गुरुकुल में अध्यापन कराने वाले अपने आपको केवल शिक्षक नहीं मानते थे, वे गुरु की भूमिका में थे। जो केवल शब्द ज्ञान नहीं कराते, बल्कि जीवन की हर आवश्यक शिक्षा का बोध कराते थे। जहां जीवन की मर्यादित संहिताओं के अंतर्गत ज्ञान दिया जाता था। जहां राष्ट्रीय कर्तव्यों का बोध कराया जाता था, जहां अध्यात्म की शिक्षा दी जाती थी। लेकिन वर्तमान में हम देखते हैं कि हमारे शिक्षालयों में केवल पुस्तकीय पाठ्यक्रम को ही मुख्य आधार बना लिया है, जो केवल डिग्री ही दिला सकता है अनुभव नहीं। ज्ञान और किताबी शिक्षा को एक उदाहरण से समझा जा सकता है। आज का बड़े से बड़ा चिकित्सक केवल तब ही उपचार करता है, जब वह मरीज की जांच करा लेता है, लेकिन पुरातन काल में जो वैद्य होते थे वह चेहरा देखकर बता देते थे कि मरीज को क्या बीमारी है। यह सब भारतीय ज्ञान के आधार पर ही संभव है। शिक्षा का भारतीयकरण किया जाना आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक भी है और भारत के बहुमुखी विकास के लिए आवश्यक भी है। आज जो व्यक्ति भारत की मूल शिक्षा की बढ़ते कदमों को रोकने का प्रयास करते दिखाई देते हैं, वह निसंदेह देश को आगे बढ़ने से रोकने का ही प्रयास कर रहे होते हैं। यह हमें भी तय करना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी शिक्षा दें। क्योंकि आज की शिक्षा के माध्यम से नैतिक जीवन मूल्यों का पतन हो रहा है। जो अभिभावक अपने बच्चों को अपने सुखद भविष्य के लिए शिक्षा ग्रहण कराते हैं, एक दिन वे ही छोड़कर चले जाते हैं। यह संस्कारों की कमी के चलते ही हो रहा है। यह संस्कार एक शिक्षक ही दे सकता है। जीवन की खुशियों को पैसों से तौलकर देखने की परिपाटी बनती जा रही है, इसके विपरीत पारिवारिकता और सामाजिकता का लगातार ह्रास हो रहा है। हमारे परिवार और समाज के प्रति क्या कर्तव्य हैं, यह ज्ञान हमारी शिक्षा से बहुत दूर होते जा रहे हैं। इस समय भारत को किताबी शिक्षा के साथ ही ज्ञान की भी बहुत आवश्यकता है, जिसे देश का शिक्षक समाज बहुत अच्छे से कर सकता है। हम जानते हैं कि लम्बे समय तक भारत परतंत्र रहा। इस कालखंड में मुगल और अंग्रेज शासकों भारत की व्यवस्था को पूरी तरह से बदल दिया। आशय यही है कि हमारे भारत का वह स्वरूप नहीं रहा, जो इनके पहले था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद वह भारत दिखना चाहिए था, वैसे ही गुरुकुल भी बनाए जाने चाहिए थे, लेकिन सरकारें वैसा नहीं कर सकीं। अब लगभग एक वर्ष पूर्व केंद्र की मोदी सरकार ने शिक्षा नीति में व्यापक परिवर्तन करके उस राह पर कदम बढ़ाने का प्रयास किया है।

प्रवीण कुमार सिंह

शिक्षक दिवस पर विशेष : परमात्म पाठशाला में मिलता है ईश्वरीय ज्ञान !

यूं तो पूरी कायनात ही ईश्वर की अनुपम रचना है।लेकिन इस कायनात में मौजूद मानव जाति को जीवन जीने की सुगम कला का जो ज्ञान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के राजयोग शिक्षकों व शिक्षिकाओ के माध्यम से परमात्मा द्वारा दैनिक मुरली जिसे ईश्वरीय वाणी कहते है,से दिया जा रहा है।वह अपने आप मे अनूठा ज्ञान है।इस विश्व विद्यालय के दुनिया भर में 140 से अधिक देशो में चल रहे साढ़े आठ हजार से अधिक सेवा केंद्रों पर जहां यह राजयोग शिक्षा ईश्वरीय पाठ्यक्रम ,मूल्यपरक शिक्षा पाठ्यक्रम व राजयोग साधना का प्रशिक्षण दिया जाता है ,उसे ही ईश्वरीय पाठशाला के रूप में हम सब जानते है।यहां परमात्मा स्वयं पढ़ाते है।वस्तुतः परमात्मा ही एक मात्र शिक्षक है।परमात्मा ही एक मात्र गुरु है और परमात्मा ही एक मात्र परमपिता है।जो हमे अंधकार से प्रकाश की दुनिया मे लेकर चलने का ज्ञान देता हैं।वास्तव में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय एक ऐसी आध्यात्म ज्ञान और चरित्र निर्माण की ईश्वरीय ज्ञान शिक्षण संस्था है जहां प्रतिदिन स्वयं परमात्मा ही पढ़ाते है और इस पढाई में राजयोग शिक्षक व शिक्षिकाएं केवल निमित्त बनती है। इस मुरली रूपी ज्ञान पाठ मे परमात्मा सीधे अपने बच्चो या फिर कहे विद्यार्थियों अर्थात इस संगम युगी आत्माओ से संवाद करते हैं ईश्वरीय ज्ञान की यह मुरली विभिन्न भाषाओ मे छपकर दुनिया के 140देशो से अधिक देशो मे एक साथ प्रसारित होती है।इस ज्ञान मुरली की भाषा कोई भी हो लेकिन सबमे विचार एक ही होता हैं यह मुरली प्राय दुनिया मे सब जगह स्थानीय समय के अनुसार सुबह, दोपहर, शाम एक ही समय पर पढ़ी व सुनाई जाती हैं यह मुरली जो कि चार पृष्ठों मे समाहित होती है, मे जीवन की हर समस्या का समाधान भी सहज ही मिल जाता हैं यदि आप रोज मुरली सुनते या पढ़ते है तो आपके मन मे कोई भी शंका, समस्या, प्रश्न पैदा होता है तो उसका उत्तर आपको हर हालत मे मुरली के अंदर ही मिल जाएगा इसके लिए अलग से किसी शिक्षक, गुरु, संत, महात्मा के पास जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती इस ज्ञान मुरली मे मनुष्य से जुड़े पांचो विकारो से मुक्ति के उपाय सुझाये जाते है तो इन विकारो को छोड़ने के लिए प्रेरित भी किया जाता हैं यह ज्ञान मुरली किसी धर्म विशेष का प्रचार प्रसार नहीं करती।ज्ञान मुरली मे हिन्दू . मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध आदि धर्मों की विशेषताओं और उनके प्रति सम्मान भी अभिव्यक्त किया जाता हैं तभी तो इस संस्था मे सभी धर्मों से जुड़े लोग श्रद्धा भाव से जुड़े हैं यह ज्ञान मुरली हमें गीता ज्ञान के सार का बोध कराती है, जो परमात्मा शिव के द्वारा रचित हैं इस ज्ञान मुरली मे हर रोज नए विषय पर ज्ञान चर्चा होती है और मनुष्य के आदि, मध्य, अंत के बारे मे अवगत कराया जाता हैं वास्तव मे मनुष्य है क्या ? वह कहा से आता है ?, कहा चला जाता है ?,परमात्मा कौन है ?, उसका क्या स्वरूप है ?परमात्मा का आत्मा से क्या संबंध है ?,

आत्मा हमारे शरीर मे कहा रहती है ?शरीर के बजाए आत्म स्वरूप मे रहने के क्या फायदे है ? परमात्मा को याद करना क्यों जरूरी है ?, परमात्मा को याद करने की उत्तम विधि क्या है ? हम हर समय सामान्य कामकाज करते हुए व गृहस्थ मे रहकर भी संत समान कैसे रह सकते है ?, इन सब जिज्ञासाओं का समाधान ज्ञान मुरली मे मिलता है ।जो व्यक्ति नियमित मुरली सुनता है या फिर पढ़ता है ,वह शंकाओ व आशंकाओ और दुविधाओ से दूर हो जाता हैं उसके मन मे व्यर्थ के विचार आने कम हो जाते है और उसकी अच्छा सोचने व अच्छा करने की शक्ति पढ़ जाती हैं मुरली से अंहकार से मुक्ति मिल जाती है। ज्ञान मुरली से व्यक्ति निरहंकार युक्त जीवन जीकर आनंद प्राप्त करता है यह ज्ञान मुरली केवल ब्रह्माकुमारीज सेवा केन्द्रो व ब्रह्माकुमारी पाठशालाओं में ही उपलब्ध नहीं है बल्कि जनसामान्य के लिए भी नेट ,पीस आफ माइंड चैनल , रेडियो मधुबन , वाहट्स ऐप , फेसबुक आदि माध्यम से पढ़ी व सुनी जा सकती हैं ज्ञान मुरली को सुनने व पढ़ने से पहले यदि ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा निशुल्क संचालित सात दिन का आध्यात्मिक ज्ञान पाठ्यक्रम पूरा कर लिया जाए तो मुरली सहजता से समझ आने लगेगी और जीवन को सफल बनाने मे मदद मिल जायेगी ज्ञान मुरली के अनुसार भी सबसे बड़ा गुरु परमपिता परमात्मा शिव हैं, जिन्हें हम अलग-अलग नामों के साथ याद करते हैं। आत्मा ,परमपिता परमात्मा की संतान है। हर एक आत्मा, परमात्मा को पहचान कर अपना तीसरा ज्ञान नेत्र खोले।

हर आत्मा को उसके कमार्नुसार फल की प्राप्ति होती है। अतः पापियों के पाप यदि कोई हर सकता है तो वह केवल एक सतगुरु परमात्मा ही हैं जो गुरुओं के भी गुरु हैं। जब ह्यसर्वोच्च सत्ता परमात्मा स्वयं मार्गदर्शक के रूप में हम सभी आत्माओं का मार्गदर्शन करने आते है और जीवन मुक्ति के पथ की ओर चलने की हमारी यात्रा का नेतृत्व करते है,तभी युग परिवर्तन होता है।लौकिक स्वरूप में गुरु-शिष्य परंपरा तो हमारी संस्कृति की पहचान है। हमारे देश में शिक्षक अर्थात गुरु को तो भगवान से भी बढ कर बताया गया है।

गुरुर्ब्रह्मा ग्रुरुर्विष्णुः गुरुदेवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अर्थातः गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही शंकर है; गुरु ही साक्षात परमब्रह्म अर्थात परमात्मा शिव हैं; ऐसे गुरु का मैं नमन करता हूँ। आज देश में बढती अराजकता के लिये कहीं न कहीं हमारी शैक्षणिक व्यवस्था की कमी भी जिम्मेदार है। बाल्यवस्था की शिक्षा वह नीव है जहाँ आध्यात्मिक शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का बीज भी यदि रोपित कर दिया जाए तो बचपन से ही बच्चे सामाजिक मूल्यों को समझने लगेंगे। परंतु प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की अनुपस्थिती तथा बुनियादी शैक्षणिक ढांचे व्याप्त कमी शिक्षा को प्रभावित कर रही है।

आज शिक्षा, सेवाभाव के दायरे से निकलकर आर्थिक दृष्टी से लाभ कमाने की ओर अग्रसर है। जो चिंताजनक है। छात्र/छात्राओं का शैक्षणिक विकास हो,साथ ही नैतिक विकास के पथ पर भी नई पीढ़ी चले तभी ज्ञान सार्थकता की ओर देश पल्लवित हो सकता है।

आत्मा हमारे शरीर मे कहा रहती है ?शरीर के बजाए आत्म स्वरूप मे रहने के क्या फायदे है ? परमात्मा को याद करना क्यों जरूरी है ?, परमात्मा को याद करने की उत्तम विधि क्या है ? हम हर समय सामान्य कामकाज करते हुए व गृहस्थ मे रहकर भी संत समान कैसे रह सकते है ?, इन सब जिज्ञासाओं का समाधान ज्ञान मुरली मे मिलता है ।जो व्यक्ति नियमित मुरली सुनता है या फिर पढ़ता है ,वह शंकाओ व आशंकाओ और दुविधाओ से दूर हो जाता है उसके मन मे व्यर्थ के विचार आने कम हो जाते है और उसकी अच्छा सोचने व अच्छा करने की शक्ति पढ़ जाती है मुरली से अंहकार से मुक्ति मिल जाती है। ज्ञान मुरली से व्यक्ति निरहंकार युक्त जीवन जीकर आनंद प्राप्त करता है यह ज्ञान मुरली केवल ब्रह्माकुमारीज सेवा केन्द्रो व ब्रह्माकुमारी पाठशालाओं में ही उपलब्ध नहीं है बल्कि जनसामान्य के लिए भी नेट ,पीस आफ माइंड चैनल , रेडियो मधुबन , वाहट्स ऐप , फेसबुक आदि माध्यम से पढ़ी व सुनी जा सकती है `ज्ञान मुरली को सुनने व पढ़ने से पहले यदि ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा निशुल्क संचालित सात दिन का आध्यात्मिक ज्ञान पाठ्यक्रम पूरा कर लिया जाए तो मुरली सहजता से समझ आने लगेगी और जीवन को सफल बनाने मे मदद मिल जायेगी`ज्ञान मुरली के अनुसार भी सबसे बड़ा गुरु परमपिता परमात्मा शिव हैं।

तालिबान को मान्यता या नहीं

अफनागिस्तान में तालिबानी सरकार बनाने की कवायद के बीच संगठन को मान्यता देने के मसले पर भी बहस छिड़ी हुई है। अगर सरकार की बात करें तो कमान मुल्ला बरादर को सौंपी जा सकती है। वहीं तालिबान के फाउंडर मुल्ला उमर के बेटे मुल्ला मोहम्मद याकूब और शेर मोहम्मद अब्बास को भी तालिबानी सरकार में अहम पद दिए जा सकते हैं। ये सभी काबुल पहुंच चुके हैं। वहीं

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे से दुनिया में एक बहस जारी है। ये बहस तालिबान सरकार को मान्यता देने को लेकर है। चीन, ईरान और पाकिस्तान जैसे देशों ने मान्यता देने की बात कही है। रूस जैसे कई देशों ने मान्यता देने को लेकर कहा है कि यह तालिबान के आचरण पर निर्भर करता है कि उसे मान्यता दी जाए या नहीं। कनाडा जैसे देश ने तालिबान को मान्यता देने का विरोध किया है। भारत का अब तक कोई साफ स्टैंड नहीं सामने आया है। लेकिन ये मान्यता देने की बात क्यों सामने आई ? मान्यता को लेकर तब तक सवाल नहीं उठते जब तक कि कानून के हिसाब से सत्ता परिवर्तन हो। लेकिन असंवैधानिक साधनों का इस्तेमाल कर मौजूदा सरकार को उखाड़ने के बाद नियंत्रण करना कानूनी तौर पर गलत है। और चूंकि तालिबान ने ऐसा [illegible] ऐसे में तालिबान सरकार को मान्यता देने पर बहस जारी है। तालिबान के हिंसक और क्रूर इतिहास, उसकी चरमपंथी विचारधारा और लोकतंत्र की भारी कमी को देखते हुए भारत को पूरा अधिकार है कि वह तालिबान शासन को मान्यता दे या ना दे। भारत के रवैये से ऐसा लगता है कि भारत तालिबान शासन को मान्यता नहीं देने के पक्ष में दिख रहा है। और अगर मान्यता देने की सोच भी रहा है तो भारत उसमें कोई जल्दबाजी नहीं करने के मूड में है। यह सच है कि भारत ने अफगानिस्तान में भारी निवेश किया हुआ है। मध्य एशिया में अपने हित को देखते हुए भारत अफगानिस्तान को छोडना नहीं चाहता है। ऐसे में भारत को तालिबान से जुडने का कोई न कोई रास्ता खोजना होगा। तालिबान को लेकर भारत को एक स्पष्ट नीति अपनानी चाहिए। भारत को ऐसा इसलिए करना चाहिए क्योंकि मौजूदा वक्त में सच यही है कि अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार है। क्योंकि बिना तालिबान से बात किए भी भारत का नुकसान ही दिखता है। ऐसे में भारत को तालिबान से बातचीत करने में परहेज नहीं करनी चाहिए। यह भी सही है कि तालिबान भारत द्वारा बनाए गए किसी भी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को नुकसान पहुंचाने की स्थिति में नहीं है। तालिबान की कोशिश यह होगी कि भारत अफगानिस्तान में निवेश करना जारी रखे और वहां की स्थिति को बेहतर बनाने की कोशिश करे। भारत को अपने हितों को देखते हुए और अपने नागरिकों की सुरक्षा को देखते हुए अब फैसले लेने की जरूरत है। भारत को तालिबान से यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि अगर वे निवेश एवं अन्य मसलों पर भारत की मदद चाहते हैं तो उन्हें भारत की शर्त माननी पड़ेगी। अफगानिस्तान में समावेशी सरकार बनाने की कवायद चल रही है। अफगानिस्तान में तख्तापलट के बाद से भारत की स्थिति को लेकर बने संशय के माहौल को खुद तालिबान ने दूर करने का प्रयास किया है। तालिबान के शीर्ष नेताओं में शामिल शेर मोहम्मद अब्बास स्तेनकजई ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि उनका संगठन भारत और अफगानिस्तान के बीच मौजूद राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को पहले की तरह ही जारी रखना चाहता है। स्तेनकजई ने पश्तो भाषा में एक वीडियो जारी कर कहा कि हम भारत के साथ अपने व्यापार, आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को बहुत महत्त्व देना चाहते हैं और उस संबंध को बनाए रखना चाहते हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त समाचार

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए पंजीयन आज से फिर शुरू

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में रिक्त स्थानों में प्रवेश के लिए पंजीयन पांच सितंबर 2021 से पुनः प्रारंभ किए गए हैं। जो विद्यार्थी प्रथम तथा द्वितीय सूची में स्थान पाकर प्रवेश शुल्क जमा नहीं कर सके हैं वे भी प्रवेश के अगले चरण हेतु पुनः पंजीयन के पात्र हैं। विस्तृत विवरण के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट बीयूभोपाल डॉटएसीडॉटइन पर जा सकते हैं।

खन्ना आई केयर लेकर आ रहा सर्वश्रेष्ठ ऑप्टोमेट्रिस्ट सेवाएं

भोपाल। 75 वर्षों के पूरा होने के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश का सबसे पुराना और सबसे भरोसेमंद ऑप्टिकल और आई क्लिनिक खन्ना आई केयर सेंटर अपने नए अनुभवी केंद्र के साथ भोपालवासियों के लिए सर्वश्रेष्ठ ऑप्टोमेट्रिस्ट सेवाएं लेकर आया है। इस अनुभवी केंद्र की स्थापना अपने पुराने आई केयर शोरूम के स्थान यानी हबीबगंज में अतिथियों की विशेष उपस्थिति में किया जाएगा। खन्ना आई केयर सेंटर ऑप्टिकल समाधानों की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करता है। इसमें पूरी तरह से उन्नत तकनीक और योग्य ऑप्टिशियंस, नेत्र रोग विशेषज्ञ और ऑप्टोमेट्रिस्ट सेवाएं हैं। यह माइग्रेन, मोतियाबिंद और डिप्लोपिया के लिए भी उपचार प्रदान करता है। डॉ खन्ना आई केयर सेंटर के संस्थापक और निदेशक, डॉ एमके खन्ना ने कहा कि खन्ना आई केयर सेंटर के 75 साल सफलतापूर्वक पूरे हो गए हैं। खन्ना आई केयर सेंटर मध्य प्रदेश का पहला और योग्य नेत्र क्लिनिक है, जिसे मेरे पिता डॉ केएन खन्ना ने 1937 में शुरू किया था। इंदौर में 20 साल की सेवा के साथ, हमने 1957 में भोपाल में अपना पहला क्लिनिक खोला। भोपाल के लोगों के प्यार से 1998 में हम हबीबगंज रेलवे स्टेशन के सामने अपना एक और क्लिनिक लेकर आए। मानवता की सेवा के इन वर्षों के दौरान, हमने 2000 से अधिक गैस पीड़ितों को मुफ्त सेवाएं दी हैं।

एसबीआई महिला क्लब ने दिए कम्प्यूटर चेयर्स

भोपाल। अपनी सामाजिक सेवा बैंकिंग गतिविधि के तहत भारतीय स्टेट बैंक समाज के जरूरतमन्द तथा कमजोर वर्गों के कल्याण एवं स्वावलंबन के लिए समय-समय पर पहल करता रहा है। इसी तरतम्य में एसबीआई महिला क्लब ने अध्यक्ष श्रीमती रामा पाण्डे के हाथों भोपाल के ब्लाईण्ड रिलीज एसोसिएशन को वहां आश्रित और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे दृष्टिबाधित व्यक्तियों के उपयोग हेतु 24 कम्प्यूटर चेयर्स प्रदान कीं। इस अवसर पर संस्था के छात्रों को कम्प्यूटर, संगीत और ब्रेललिपि में प्रशिक्षण करने वाले शिक्षकों को महिला क्लब की अध्यक्ष द्वारा शाल एवं श्रीफल द्वारा सम्मानित किया गया। अपने उद्बोधन में श्रीमती पाण्डे नें गुरु शिष्य परंपरा को भारत की संस्कृति का एक अहम एवं पवित्र रिश्ता बताते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन के वास्तविक निर्माता होते हैं। श्रीमती पाण्डे ने संतोष जाहिर किया कि ब्लाईण्ड रिलीज एसोसिएशन से संबन्धित व्यक्ति अपनी शारीरिक कमजोरी के बावजूद प्रशिक्षण प्राप्त कर एक स्वावलंबी और स्वाभिमानी जीवन बिताने के लिए प्रयासरत है। इस अवसर पर एसबीआई महिला क्लब की उपाध्यक्ष श्रीमती सोमा दत्ता एवं श्रीमती भुवनेश्वरी गिरिधर, सचिव श्रीमती सुची भार्गव सहित क्लब की अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य भी उपस्थित रहे।

आरएनटीयू ने स्टार्टअप को सीड फंड प्रदान किया

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, आरएनटीयू के शारदा सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में एआईसी-आरएनटीयू के स्टार्टअप गाड़ी रिपेयर और इलेक्ट्रोफोर्ज को सीड मनी के रूप में एक-एक लाख रुपए का चेक प्रदान किया। यह चेक कुलाधिपति संतोष चौबे और प्रो चांसलर आरएनटीयू सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने गाड़ी रिपेयर के संस्थापक गणेश गायकवाड और इलेक्ट्रोफोर्ज के संस्थापक अभिषेक शर्मा व सुभी दीक्षित को प्रदान किया गया। इस अवसर पर एआईसी-आरएनटीयू के निदेशक नितिन वत्स और सीईओ रोनाल्ड फर्नांडिस विशेष रूप से उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने बताया कि एआईसी-आरएनटीयू में इन्क्यूबेट हो रहे स्टार्टप्स के लिये एआईसी-आरएनटीयू ने भी सीड्स फंड बनाया है। नए स्टार्टअप्स के पास एक बेहतर आईडिया तो होता है लेकिन कई बार फंड न मिलने की वजह से ये आईडिया बेकार भी चला जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ब्रम्हप्रकाश पेठिया, कुलसचिव डॉ. विजय सिंह ने भी इस अवसर पर बधाई व शुभकामनाएं दीं।

विश्वास सारंग ने किए विकास कार्यों के भूमिपूजन

नरेला के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

भोपाल (एजेंसी)। मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शनिवार को नरेला क्षेत्र के वार्ड 58, 71 और 37 में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। श्री सारंग ने वार्ड 58 के गौतम नगर में नाले का निर्माण और वार्ड 71 के ए-सेकटर व वार्ड 37 के खुशीपुरा में सीसी रोड के निर्माण का भूमिपूजन किया। श्री सारंग ने भूमिपूजन के अवसर पर कार्यकर्ताओं और नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि नरेला के समग्र के विकास के लिए वे कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

उन्होंने नरेला के समग्र विकास के लिए विभिन्न निर्माण एजेंसियों के माध्यम से पूरी कार्य योजना तैयार करा ली है। उसी योजना के तहत चरणबद्ध तरीके से क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। चूंकि विकास कार्य एक सतत प्रक्रिया है इसलिए विकास कार्य लोगों की जरूरत के हिसाब चलता रहता है। श्री सारंग ने कहा कि सड़क, बिजली, पानी और जल निकास को लेकर क्षेत्र में बहुत कार्य हुए हैं। पार्कों का उन्नयन, व्यायाम शालाएं, सामुदायिक भवनों और खेल मैदानों का भी विकास किया गया है। उन्होंने कहा कि भोपाल के नरेला क्षेत्र में ही थीम आधारित पार्कों का निर्माण उन्होंने कराया है। उनमें नर्मदा पार्क और स्वामी विवेकानंद पार्क प्रमुख हैं।

श्री सारंग ने कहा कि बढ़ते यातायात के दबाव को देखते हुए क्षेत्र में फ्लाई ओवर्स का निर्माण कराया जा रहा है दो फ्लाई ओवर्स पर यातायात शुरू हो चुका है। सुभाषनगर फ्लाई ओवर भी बनकर तैयार है जल्दी ही उसका लोकार्पण होगा और यातायात शुरू हो जाएगा। देवकी नगर करोंद में फ्लाई ओवर का निर्माण कार्य चल रहा है जल्दी ही बनकर तैयार होगा। इस मौके पर वरिष्ठ कार्यकर्ता मालती राय, सूर्यकांत गुप्ता, दिलीप अहिरवार सुभाष मंडल अध्यक्ष अशोक वाणी, स्टेशन मंडल अध्यक्ष नितिन पाठक, पार्षदगण गीता उपेन्द्र तोमर, प्रकांत तिवारी, मनोज चौबे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सीएम ने स्मार्ट उद्यान में रोपा नीम का पौधा

भोपाल, एजेंसी । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संकल्प के परिपालन में प्रतिदिन पौधरोपण करते हैं। उन्होंने शनिवार को यहां स्मार्ट उद्यान में नीम का पौधा लगाया। उनके साथ अलीराजपुर के पूर्व विधायक नागर सिंह चौहान भी उपस्थित थे। इस अवसर उन्होंने नीम के पौधे का महत्व बताते हुए कहा कि एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर नीम को सर्वोच्च औषधि के रूप में जाना जाता है। नीम स्वाद में भले ही कड़वा हो, लेकिन इससे होने वाले लाभ अमृत के समान होते हैं।

अप्रवासीय भारतीयों की मदद से हो पाया सफल आपरेशन

सेवासदन में मासूम माहिरा का सफल रेटिना लेजर प्रोसीजर

संत हिरदाराम नगर ,(एजेंसी)।

संत हिरदाराम नगर भोपाल स्थित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में शिशु रेटिना विशेषज्ञ डॉ. सोनल पालीवाल ने शनिवार को 45 दिन की बालिका माहिरा की रेटिना का सफल लेज़र प्रोसीजर किया। सीहोर जिले के रेहटी के पास ग्राम चकल्दी निवासी अनिकिता और सोनू सोनी के यहां 45 दिन पहले दो जुड़वा बहनों ने आठ महीने की अवधि में ही जन्म ले लिया। बालिकाओं की डिलेवरी राजधानी के एक प्रायवेट अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन से हुई थी । जन्म के समय उनका वजन 1600 ग्राम था । बालिकाओं की कमजोर हालत को देखते हुए इनको एसएनसीयू में भर्ती करवाकर इलाज करवाने की सलाह दी गई । माता-पिता ने इन बालिकाओं का नाम मीशा और माहिरा रखा । पिता सोनू, बढ़ई गिरी का काम करते हैं तथा उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है । इसलिए माता पिता ने बाद में बालिकाओं को शासकीय जय प्रकाश अस्पताल के एसएनसीयू में एक माह तक भर्ती रखकर इलाज करवाया । एसएनसीयू से डिस्चार्ज मिलने पर शिशु रोग विशेषज्ञ ने समय गवांये बगैर बालिकाओं की आंखों का परीक्षण किसी शिशु रेटिना विशेषज्ञ से करवाने की सलाह दी। पिता सोनू ने पैसे की कमी के कारण जिला अस्पताल सीहोर से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को रैफर करवाकर बच्चियों के रेटिना का परीक्षण करवाया । सेवा सदन की शिशु रेटिना विशेषज्ञ डॉ. सोनल पालीवाल और वरिष्ठ रेटिना ऑप्टोमेट्रिस्ट अजय नरवरिया ने दोनों बालिकाओं की रेटिना की जांच की जिसमें पाया कि बड़ी मीशा की रेटिना सामान्य स्थिति में हैं जबकि डॉक्टर ने छोटी माहिरा के रेटिना का लेज़र प्रोसीज़र आज ही करने की आवश्यकता महसूस की । डॉ. सोनल ने बिना समय गवाये इस बालिका का सफल लेज़र प्रोसीजर किया । श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊजी ने समय पूर्व जन्में बच्चों के रेटिना का उपचार करने पर प्रसन्नता व्यक्त की है । उन्होंने कहा कि यह पीड़ित मानवता की बहुत बड़ी सेवा है ।

दानदाताओं ने की मदद

सेवा सदन में आरओपी प्रोजेक्ट बैंगलुरू के एक दानदाता मनू छतलानी के प्रयासों से शुरू हो पाया है । बालकृष्ण उद्योग के बी के टी फाउंडेशन, मुम्बई ने विगत दिवस सेवा सदन को 27 लाख रुपए कीमत मूल्य की लेज़र मशीन और एक इमेजिंग कैमरा दान में दिया था ।

जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी के प्रयासों से हांगकांग के एक दान दाता कान एच लखानी ने निर्धन परिवारों में समय से पूर्व जन्म लेने वाले ऐसे शिशुओं जिनका संभावित रेटिना प्रभावित हो सकता है उनके इलाज पर होने वाला पूरा खर्च वहन करने की बात कही है ।

बरसात की वजह से खराब हुए कोलार मुख्य मार्ग का निर्माण कार्य बारिश बाद होगा : शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। बारिश की वजह से खराब हुए कोलार मुख्य मार्ग का निर्माण बारिश बाद किया जाएगा, यह जानकारी विधायक रामेश्वर शर्मा ने दी । कोलार तिराहे से गोल जोड़ तक कुल 11 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा । ज्ञात हो कि शनिवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री अवनेंद्र सिंह के साथ कोलार मुख्य मार्ग का अवलोकन किया । इस दौरान नगर निगम के उप नगर यंत्री प्रमोद मालवीयए तहसीलदार संतोष मुद्गल, अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग श्री त्रिपाठी सहित विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे । विधायक रामेश्वर शर्मा ने दौरे के दौरान सर्वधर्म पुल, मंदाकनी चौराहे, सीआई चौराहा सहित गेहूंखेड़ा डी मार्ट चौराहे के चौड़ीकरण एवं मार्ग के बीच में आने वाली विभिन्न पुलियों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण आदि के निर्देश दिए । विधायक रामेश्वर शर्मा ने सर्वधर्म पुल से मंदाकनी चौराहे तक बिजली के खंबों एवं ट्रांसफॉर्मर शिफ्टिंग के निर्देश भी संबंधितों को दिए ।

मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति सदस्य ने की डीआरएम से मुलाकात

भोपाल,एजेंसी। मण्डल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति विदिशा के सदस्य संजय सिंह रघुवंशी नें शनिवार को मंडल कार्यालय में मण्डल रेल प्रबंधक सौरभ बंदोपाध्याय से मुलाकात की। समिति के सदस्य ने मुलाकात के दौरान मण्डल रेल प्रबंधक विदिशा स्टेशन क्षेत्र में यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर चर्चा की। डीआरएम ने भी सदस्य को यथा संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

टीचर्स डे पर जी टीवी के एक्टर्स ने साझा की अपने मेंटर्स से जुड़ीं खास यादें

भोपाल । हमारे समाज को बेहतर बनाने और लोगों की जिंदगियां संवारने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले टीचर्स को याद करते हुए जी टीवी के कलाकारों ने जिंदगी के वो सबक याद किए, जो उन्होंने अपने टीचर्स से सीखे, साथ ही अपने मार्गदर्शक से जुड़ीं कुछ अच्छी यादें भी ताजा कीं। इन कलाकारों में कुंडली भाग्य के संजय गगनानी, कुमकुम भाग्य की पूजा बनर्जी, क्यों रिश्तों में कट्टी बट्टी के यश सिन्हा और भाग्य लक्ष्मी की ऐश्वर्या खरे शामिल हैं। जी टीवी के कुंडली भाग्य में पृथ्वी मल्होत्रा का नेगेटिव लीड रोल निभा रहे संजय गगनानी कहते हैं, स्कूल में हम बड़े खास तरीके से टीचर्स डे मनाते थे। हम जल्दी स्कूल चले जाते थे और टीचर के क्लास में आने से पहले ब्लैक बोर्ड पर टीचर्स डे लिखकर टीचर्स के नाम को बहुत अच्छी तरह सजाते थे। मेरी ओर से उन सभी को और मेरे हर टीचर को हैप्पी टीचर्स डे।

बिजली कर्मचारी और अधिकारी घर घर जाकर करेंगे बकाया राशि की वसूली

भोपाल । मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बकाया राशि वसूली के लिए नई पहल शुरू की है। नई पहल के अगतर्गत बिजली कर्मचारी और अधिकारी बकाया राशि वसूली के लिए घर-घर जाकर राजस्व वसूली कर रहे हैं। कंपनी द्वारा सभी मैदानी अधिकारियों को बकाया राशि वसूली करने, भू राजस्व संहिता के अंतर्गत सी फार्म एवं कुर्की करने की कार्यवाही करने के भी निर्देश दिये गये हैं।

शिक्षक परिश्रम, धैर्य, विवेक व संयम की अखंड ज्योत के समान हैं : सिद्धभाऊ

संत हिरदाराम नगर (एजेंसी)। शिक्षक परिश्रम, धैर्य, विवेक व संयम की अखंड ज्योत के समान हैं जो चारों ओर अपने प्रकाश से उजियारा फैलाते हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण शिक्षकों ने वर्तमान परिस्थितियों में अपनी उत्तम कार्य शैली के रूप में प्रस्तुत किया है । उन्होंने शासन के कक्षा छठी से 12वीं तक के लिए विद्यार्थियों के लिए स्कूल खोलने के निर्णय का स्वागत किया और आशा व्यक्त की कि नीचे की कक्षाएं भी शीघ्र प्रारंभ होंगी।

यह बात अपने संदेश में ब्रह्मलीन संत हिरदाराम जी के शिष्य सिद्धभाऊ ने शिक्षक दिवस पर आयोजित ऑन लाइन कार्यक्रम में बच्चों और शिक्षक शिक्षिकाओं से कहीं। यहां कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी एवं सचिव एसी साधवानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक उस माली के समान है जो विद्यार्थियों में संस्कार रूपी पुष्प खिलाकर सद्गुणों की महक पैदा करते हैं। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कांत शर्मा एवं उप. प्राचार्या रीटा गुरबानी ने कहा कि शिक्षक के बिना बेहतर समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि विश्व महामारी के चलते छात्रों का जो शैक्षणिक हास हुआ है। कार्यक्रम में कक्षा दसवीं के छात्र वैभव अमूलानी ने भारत डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के आदर्शमय जीवन पर अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही शिक्षका निशा थापा के निर्देशन में कक्षा आठवीं के छात्र तुषार साधवानी ने गुरु के प्रति निष्ठा, विश्वास व समर्पण के भाव अपने लघुभाषण के रूप में प्रस्तुत किए। संत नगर के नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक विद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन पूर्ण उत्साह एवं जोश के साथ किया गया। यहां संस्था के सभी शिक्षकगण एवं स्टाफ के सदस्य उपस्थित थे। वर्तमान परिप्रेक्ष्य कोरोना महामारी को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन माध्यम से विद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति देते हुए अपने गुरुजनों के प्रति स्नेह, श्रद्धा, सम्मान एवं निष्ठा व्यक्त करते हुए गुरु- शिष्य की परंपरा का निर्वहन किया।

गुरु पूजन के साथ किया गुरुजनों का सम्मान

संत हिरदाराम नगर (एजेंसी)। महान शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन 5 सितंबर को प्रतिवर्ष भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मानता है। इस अवसर पर गुरुनानक मण्डल द्वारा दीनदयाल परिसर स्थित सरस्वती विधा मंदिर में 31 गुरुजनों-शिक्षकों का शॉल श्रीफल, और तुसली का पौधा देकर सम्मानित कर मंत्रोचार , फूलों की वर्षा कर शिक्षक-गुरुओं का पूजन किया। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों ने महान शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का चित्र बनाकर उनको याद करते हुए उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राकेश कुकरेजा ने कहा एक शिक्षक देश में शिक्षा प्रणाली को समृद्ध करने और उसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निरतंर बिना थकावट के कार्य करता है। जहां हमारे माता-पिता हमें जन्म देते हैं, वहीं शिक्षक स्कूल में पढ़ाई के साथ हमें सही और गलत का फर्क बता कर हमारे चरित्र का निर्माण करते हैं।

नर सेवा नारायण समिति ने कैंसर अस्पताल में किया भोजन वितरण

भोपाल (एजेंसी)। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से इलाज कराने के लिए देश -प्रदेश से आए मरीजों के परिजनों के लिए गत 4 वर्षों से बगैर नागा किए कैंसर अस्पताल में निरंतर चल रही भोजन सेवा में शहर के प्रबुद्ध जन और आमजन अपने जन्मदिन या स्वजनों की स्मृति में नाम मात्र शुल्क देकर सेवा भारती नानक मंडल द्वारा जारी निःशुल्क भोजन वितरण में उत्साह से सहयोग कर रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को नर सेवा नारायण समिति के अध्यक्ष धीरज सोनी ने अपनी माताजी सीता देवी की पुण्यतिथि पर सुपुत्री मेघा सोनी और योगेंद्र मुखरेया संग भोजन वितरण किया।

मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने बताया कि भोजन सेवा लोकप्रिय हो रही है और लोग उत्साह के साथ सहयोग करते हैं। सेवा कार्य में प्रमुख सेवा धारी नवनीत अग्रवाल, अमित जैन टडेया, चेतन पटेल, मुकेश शर्मा, अजय अग्रवाल, पदम जैन, मीरा कांटे वाला, नेहा गुप्ता, अशोक सांकले, मनोज शर्मा, हिमांशु गुप्ता, रुकमणी मालवीय, विजय गुप्ता, श्याम धनवानी, हनीश माधवानी, मनोज सोनी आदि निरंतर सेवा सहयोग करते हैं।

विधायक पीसी शर्मा ने किया सौंदर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन

भोपाल । पूर्व मंत्री एवं स्थानीय विधायक पीसी शर्मा ने शनिवार को दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 28 स्थित चित्रगुप्त नगर में माधवराव सिंधिया पार्क के सौंदर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। इस मौके पर रहवासी समिति के अध्यक्ष जौहरी,क्षेत्रीय रहवासी एवं बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं पूर्व मंत्री एवं स्थानीय विधायक पीसी शर्मा ने वार्ड 28 स्थित आराधना नगर मे सीवेज कार्य का भूमिपूजन किया। इस मौके पर अध्यक्ष साहू, दीपा शर्मा एवं क्षेत्रीय रहवासी उपस्थित रहे। शर्मा ने इस मौके पर कहा कि विकास कार्यों से क्षेत्रवासियों की सुविधाओं में इजाफा होगा।

संत कॉलेज में शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

संत हिरदाराम नगर (एजेंसी)। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय, भोपाल में शिक्षक दिवस मनाया गया। यहां पर मौजूद अतिथियों ने शिक्षक दिवस क्यों मनाया जाता है इस प विस्तार से प्रकाश डाला। स्वागतीय उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि प्राचीन भारत में गुरुजन एक योग्य विद्यार्थी की खोज में रहते थे। परन्तु वर्तमान समय में शिष्य उपयुक्त गुरू तथा प्रतिष्ठित षिक्षा संस्थान को ढूँढ़ता है। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष श्री हीरो ज्ञानचंदानी ने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज उत्थान के लिए सभी शिक्षकों का कार्य सराहनीय है। नारी शिक्षा स्वस्थ एवं संस्कारित समाज की नींव है। आगामी समय में छात्राओं को शिक्षा के साथ संस्कार प्रदान करना एवं सोशल मीडिया के खतरे से अवगत कराना आवश्यक है। मुख्य अतिथि एसी साधवानी ने इस अवसर पर कहा कि सभी शिक्षकों का दायित्व है कि सुसंस्कारित छात्रों के रूप में देष को आदर्ष नागरिक प्रदान करें, संस्कार एवं शिक्षा व्यक्तित्व निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं।

SANT HIRDARAM GIRLS COLLEGE

कोरोनाकाल में रहन सहन में बदलाव, अब बड़े घर में चाहिए ज्यादा जगह

भोपाल (एजेंसी)। शहर के प्रोफेशनल आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजाइनर्स के ग्रुप इंस्टिट्यूट ऑफ इंडियन इंटीरियर डिजाइनर्स आईआईआईडी की नयी कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 4 सितंबर को संपन्न हुआ। होटल जहांनुमा पैलेस में आयोजित समारोह में भोपाल के प्रोफेशनल आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजाइनर्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आईआईआईडी इंडिया की हाल ही में चयनित प्रेसीडेंट आर्किटेक्ट तनूजा बीके रहीं, जिन्होंने नए सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का अंत ध्रुपद केंद्र के कलाकारों द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं डिनर के साथ हुआ। गौरतलब है कि आईआईआईडी की शुरुआत 1972 में हुई थी देशभर में 8500 से ज्यादा प्रोफेशनल आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजाइनर्स इसके मेंबर्स हैं, देशभर में इसके 53 चैप्टर के अतिरिक्त दुबई में भी अब इनकी मौजूदगी है। कार्यकाल 2021-23 के लिए नई कार्यकारिणी समिति के सदस्य इंटीरियर डिजाइनर रविशा मर्चेंट की अध्यक्षता में कार्य करेंगे। आईआईआईडी भोपाल केंद्र नवीनता और नविन विचारों के लिए जाना जाता है जिसकी स्थापना 2012 में हुई थी। भोपाल के पेशेवर डिजाइनर्स के विकास और तकरीबन 125 आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिज़ाइनर्स को एक साझा मंच पर लाकर समकालीन और भविष्य के सामाजिक जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। नई प्रबंध समिति के सदस्यों में इंटीरियर डिजाइनर रविशा मर्चेंट चेयरपर्सन 2021-23 आर्किटेक्ट अंकुश पाठे. सेक्रेटरी, आर्किटेक्ट मनीष गुप्ता. कोषाध्यक्ष, आर्किटेक्ट ऋषि साहू. चेयरपर्सन इलेक्टए आर्किटेक्ट मनोज चौबे तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष एवं आर्किटेक्ट कमलरूप सिंह मान, आर्किटेक्ट मयूरी सक्सेना, आर्किटेक्ट अक्षय सेलुकर, मैनेजिंग कमिटी सदस्य नियुक्त हुए हैं व चेतन पटेल वाइस चेयरमैन ट्रेड, जीतू मोटवानी ट्रेड, राकेश जैन ट्रेड फ्रेटर्निटी से नियुक्त किए गए हैं।

गत दो साल से लोग ज्यादा से ज्यादा समय घर में रहे

भोपाल। आईआईआईडी की नेशनल प्रेसिडेंट इलेक्ट आर्किटेक्ट तनुजा बीके ने बताया कि कोरोना काल के बाद हमारे रहन. सहन में बदलाव आया है। गत दो साल से लोग ज्यादा से ज्यादा समय घर में रहे। इससे उन्हें रहवास की उपयोगिता ज्यादा पता चली। यह समझ में आया कि घर में बहुत सी चीजें अनुपयोगी हैं। उन्हें हटाकर जगह बनाई जा सकती है। घर में ऑफिस का काम करने लायक महौल के लिए खुलापन और हरियाली भी जरूरी है। अब घर बड़े बन रहे हैं और उनमें खाली जगह भी ज्यादा छोड़ी जा रही है। तनुजा ने बताया कि पहले लोगों का सोचना था कि आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजाइनर की सलाह लेना एलीट वर्ग के ही बस की बात है, लेकिन ऐसा नहीं है। मकान और ऑफिस कुछ दिन या सालों के लिए नहीं बनाए जाते हैं। आर्किटेक्ट थोड़ी सी फीस में ऐसा डिजाइन तैयार करवाते हैं, जिससे मटेरियल और स्पेस में आपके पैसों की बचत तो होती ही है और घर और ऑफिस भी आरामदायक हो जाता है। इसीलिए लोग अब छोटे-मोट निर्माण में भी अर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजाइनर की मदद लेने लगे हैं।

सितंबर माह में सभी लोगों को लग जाए वैक्सीन का प्रथम डोज

मुख्यमंत्री ने की कोरोना नियंत्रण एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा

पीएम मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को प्रदेश में चलेगा वैक्सीनेशन महाअभियान

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वैक्सीन के प्रथम डोज से वंचित रहें नागरिकों को सितम्बर माह अंत तक शत-प्रतिशत वैक्सीनेट किया जाए।

श्री चौहान शनिवार को मंत्रालय में प्रदेश में कोरोना की स्थिति और व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर प्रदेश में वैक्सीनेशन का महाअभियान भी चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन कार्य में लगातार गति बनाएं रखें, जिससे नागरिकों को प्रथम डोज के साथ वैक्सीन का दूसरी डोज भी समय पर लग जाए। बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी, स्वास्थ आयुक्त आकाश त्रिपाठी, जनसंपर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाडे और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में विभिन्न जिलों से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मंत्रीगण भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेश के कुछ जिलों में आए कोरोना के पॉजिटिव प्रकरण यह संकेत है कि हम सावधान हो जाएँ। जन-जागरूकता की गतिविधियाँ लगातार चलाई जाए और नागरिकों को कोरोना संक्रमण के प्रति सजग और सतर्क किया जाए। जिस भी व्यक्ति को स्वास्थ्य संबंधी कोई दिक्कत है, अस्पताल जाकर परामर्श लेना चाहिए। प्रतिदिन कुछ पॉजिटिव केस जिन जिलों में आ रहे हैं, ऐसे प्रकरणों पर निगाह रखी जाए। उन्होंने कहा कि क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्य और प्रभारी मंत्री परस्पर संवाद कर संक्रमण के स्थिति का जायजा लेते रहें। इसे खतरे की घंटी माने और सभी सावधान हों। मुख्यमंत्री ने सागर और जबलपुर कलेक्टर से भी चर्चा की और उनके जिलों में आए पॉजिटिव प्रकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा प्रतिदिन मॉनिटरिंग के साथ कांटेक्ट ट्रेसिंग भी की जाए जिससे आवश्यक उपायों को लागू कर संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

वैक्सीनेशन के कार्य में तेजी लाएं: सीएम श्री चौहान ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रभारी अधिकारियों से भी चर्चा की। धार, भिंड, सतना और श्योपुर जिले में 50 प्रतिशत वैक्सीनेशन कार्य हुआ है। मुख्यमंत्री ने इन जिलों में वैक्सीनेशन कार्य को तेज गति से किए जाने के निर्देश दिए हैं। इंदौर और भोपाल वैक्सीनेशन में सबसे आगे हैं। आगर मालवा और सीहोर जिले भी 85 से 90 प्रतिशत पात्र नागरिकों का वैक्सीनेशन करवाकर अग्रणी जिलों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य का 85 से 90 प्रतिशत वैक्सीनेशन कार्य पूर्ण कर चुके जिले शीघ्र ही शत-प्रतिशत लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं और इसके लिए पूरे प्रयास किए जाएं।

आधुनिक तकनीक का उपयोग कर अधिक आय प्राप्त करें किसान

गृहमंत्री ने दतिया में 150 किसानों को दिए 10 लाख रुपए के कृषि यंत्र

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के अनुरूप समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा शनिवार को रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा वृंदावन धाम दतिया में आयोजित कृषि यंत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषकों को आधुनिक एवं उन्नत तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे कि उन्हें अधिकतम आय प्राप्त हो सके। समारोह में अनुसूचित-जाति एवं जनजाति के 150 किसानों को 10 लाख रुपए की राशि के कृषि यंत्र वितरित किए गए।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह से अधिकतम आय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि परंपरागत कृषि के साथ ही उन्नत एवं आधुनिक तकनीक के संयोजन और नकदी फसलों की खेती से कृषक अधिक लाभान्वित हो सकते हैं। कृषक वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार उन्नत तकनीकी, गुणवत्तापूर्ण बीज, आधुनिक सिंचाई पद्धति को अपनाएं। सफेद मूसली और अंजीर जैसी अधिक आय देने वाली फसलों को लगाएं। कृषि के परंपरागत तरीकों में बदलाव लाएं। दो फसलों के स्थान पर तीन फसल लेने का प्रयास करें। इससे किसानों को अधिकतम आय प्राप्त होगी और आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी।

विक्रम विवि में उद्यानिकी विषय भी शुरू करने के प्रयास

उच्च शिक्षा मंत्री यादव ने कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम को किया संबोधित

भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने कहा कि किसानों की खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए सरकार पुरजोर कोशिश कर रही है। विक्रम विश्वविद्यालय में अनेक नए विषयों के साथ-साथ कृषि विषय भी प्रारंभ किया गया है। किसानों की फसलों को और अच्छे ढंग से किए जाने के लिए और उन्हें बेहतर आय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उद्यानिकी विषय भी आरंभ करने का प्रयास किया जाएगा।

श्री यादव उज्जैन में 95.65 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले संभागीय उद्यानिकी कृषक प्रशिक्षण केंद्र का भूमिपूजन तथा जिला स्तरीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री यादव ने कहा कि संभागीय उद्यानिकी कृषक प्रशिक्षण केंद्र खुल जाने से संभाग के किसानों को और अधिक फायदा होगा। उन्होंने किसान कम पानी में कैसे फसल उत्पादन कर सकें, इस पर इजराईल पद्धति अपनाई जाने की बात कही। श्री यादव ने कहा की संभागीय उद्यानिकी कृषक प्रशिक्षण केन्द्र खुल जाने से संभाग के किसानों को और अधिक फायदा होगा। उन्होंने किसान कम पानी में कैसे फसल उत्पादन कर सकें, इस पर इजराईल पद्धति अपनाई जाने की बात कही।

मप्र नगरपालिक विधि संशोधन अधिनियम -2021 को राज्यपाल की मंजूरी

नियमों के उल्लंघन पर 10 लाख रु. का जुर्माना, संपत्ति भी कुर्क होगी

भोपाल (एजेंसी)।

राज्य सरकार ने जारी की अधिसूचना, अब कानून पूरे प्रदेश में लागू

एक तरफ राज्य सरकार प्रदेश में अवैध कॉलोनियों को वैध कर रही है, वहीं दूसरी तरफ अब अवैध कॉलोनियों के निर्माण को बर्दाश्त करने के मूड में भी नहीं है। अब आवासीय कॉलोनियों के निर्माण में तय नियमों का उल्लंघन करना भारी पड़ेगा। ऐसे मामलों में कॉलोनाइजरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है। ऐसे मामलों में नियमों का उल्लंघन करने पर अधिकतम 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जा सकेगा। इतना ही नहीं संपत्ति को कुर्क भी किया जा सकता है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मप्र नगरपालिका विधि संशोधन अधिनियम-2021 को मंजूरी दे दी है। इस संबंध में विधेयक विधानसभा के पिछले सत्र के दौरान पेश किया गया था। विधानसभा में पारित होने के बाद इसे राज्यपाल को मंजूरी के लिए भेजा गया था। राज्यपाल ने भी अधिनियम को हरी झंडी दे दी है। राज्यपाल की अनुमति के बाद राज्य सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इसी के साथ यह अधिनियम प्रदेश में लागू हो गया है। राज्य सरकार ने अधिनियम में कॉलोनाइजर के रूप में रजिस्टर्ड करने के लिए भी नियम तय किए हैं। कॉलोनियों को विकसित करने के लिए अनुज्ञा लेने के लिए भी नियमों को संशोधित किया गया है। अनुज्ञा लेने के लिए यह जरूरी होगा कि कॉलोनाइजर द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तथा निम्न आय समूह के व्यक्तियों को पूर्ण विकसित भूखंड या बने हुए आवास उपलब्ध कराए जाएं। यह भी ध्यान रखा जाएगा कि ऐसे भूखंडों या निवास इकाइयों का आकार एवं संख्या या स्थिति ऐसी ही होगी, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा तय किया जाएगा। कमजोर वर्ग के लोगों के लिए बनाए गए आवासों का मूल्य तथा ऐसे व्यक्ति जिनको यह आवास विक्रय किए जाएंगे, उसके चयन की प्रक्रिया राज्य सरकार द्वारा तय किए गए व्यवस्था के हिसाब से ही हो सकेगी। कॉलोनाइजर के लिए यह जरूरी होगा कि वह कॉलोनी के संबंध में सही जानकारी बड़े पैमाने पर प्रदर्शित करेगा। विकास पूर्ण होने पर आयुक्त से समापन प्रमाण पत्र भी लेना होगा।

निरीक्षण और जांच में लापरवाही पर अफसरों को भी मिलेगी सजा

अधिनियम के हिसाब से आयुक्त के अधीन कोई अधिकारी या सेवक जिसे उसके द्वारा किसी अनाधिकृत कॉलोनी निर्माण में किसी संनिर्माण का या तो निरीक्षण करने, रिपोर्ट देने, रोकने या हटाने के लिए प्राधिकृत किया गया है। वह अधिकारी जानबूझकर ऐसी अनाधिकृत कालोनी के विकास या उसमें संनिर्माण के विरुद्ध कार्रवाई करने से चूक करता है या अनाधिकृत कालोनी निर्माण या उसमें अनाधिकृत संनिर्माण को हटाने के लिए पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के दायित्व के तहत कोई पुलिस अधिकारी, पर्याप्त संरक्षण और सहायता उपलब्ध नहीं कराता है। तो ऐसे मामलों में अधिकतम तीन वर्ष तक की सजा हो सकेगी, वहीं 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया जा सकेगा।

दोषी होने पर मिल सकती है सात वर्ष की सजा

यदि कोई भूमि स्वामी या व्यक्ति बगैर अनुमति लिए कॉलोनी का विकास करता है, तो ऐसे कॉलोनी को अवैध की श्रेणी में माना जाएगा। इस तरह के अपराध संज्ञेय होंगे यानी गैर जमानती होंगे, लेकिन कोई पूछताछ या जांच आयुक्त या उसके द्वारा तय इस संबंध में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिखित शिकायत के सिवाय नहीं की जाएगी। यदि कोई भूमि स्वामी या व्यक्ति इस मामले में कोई अपराध करता है तो ऐसे मामलों में कम से कम तीन वर्ष और अधिकतम सात वर्ष की सजा हो सकेगी। ऐसे मामलों में 10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया जा सकेगा।

आवासों में 30 फीसदी अवैध निर्माण भी हो सकेगा वैध

अधिनियम में राज्य सरकार ने तय सीमा से अधिक निर्माण करने वाले भू स्वामियों को बड़ी राहत दी है। अब अधिकतम 30 फीसदी तक अवैध निर्माण करने वालों के अतिरिक्त निर्माण को वैध किया जा सकेगा। इसके लिए निकाय शुल्क वसूलेगा। इससे निकायों की आमदनी में भी बढ़ोतरी होगी।

आवास खरीदने वालों को नहीं मिली सुविधाएं तो फिर जिम्मेदार की संपत्ति होगी कुर्क

यदि कालोनी का निर्माण अवैध तरीके से किया गया है। सक्षम प्राधिकारी से अनुज्ञा नहीं ली गई है। या फिर निर्माण सरकारी जमीन, किसी निकाय या फिर सार्वजनिक प्रयोजन के लिए चिन्हित जमीन पर किया गया है। इसी तरह यदि मास्टर प्लान में जमीन किसी पार्क, सड़क, नाला, खेल के मैदान सहित अन्य किसी सार्वजनिक प्रयोग के लिए आरक्षित है। ऐसे स्थान पर निर्माण किया गया है। या फिर राज्य मार्ग या फिर राष्ट्रीय राजमार्ग या फिर ऐसे ही किसी वर्जित स्थान पर विकसित की गई है। ऐसे मामलों में कालोनी में आवास खरीदने वालों की सुनवाई होगी। सुनवाई के बाद जिम्मेदारी तय होगी। ऐसे मामलों में सक्षम प्राधिकारी, जो उस व्यक्ति की संपत्तियों को जिसने तय नियमों का उल्लंघन कर अपराध किया है। तो ऐसे व्यक्ति की संपत्ति को कुर्क किया जा सकेगा। भले ही कुर्क की गई संपत्ति कालोनी में हो या फिर कालोनी के बाहर हो। हालांकि ऐसे मामलों की भी सुनवाई हो सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय संस्कृति में सदैव सबसे ऊंचा रहा है गुरु का स्थान: राज्यपाल

भोपाल । राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री पटेल ने कोविड संक्रमण के दौरान शिक्षकों द्वारा शिक्षा व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए किए गए प्रयासों और सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति उनके समर्पण की सराहना की है। राज्यपाल ने शुभकामना संदेश में कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सदैव सबसे ऊंचा रहा है। भारतीय संस्कृति की यह गौरवमयी पहचान है। हमारे शिक्षकों की इस राष्ट्र के नागरिकों को पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान और दक्षता प्रदान करने में प्रमुख भूमिका है। राष्ट्र की खुशहाली में शिक्षकों के योगदान को देखते हुए ही पूरे देश में शिक्षक दिवस को शिक्षकों के सम्मान के रूप में मनाया जाता है।

शिक्षक करते हैं समाज को गढ़ने का कार्य: शिवराज सिंह

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शिक्षक दिवस पर समस्त शिक्षकों को बधाई दी है। श्री चौहान ने संदेश में कहा है कि समाज को गढ़ने का कार्य शिक्षक ही करते हैं। शिक्षण कार्य पावन कार्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी शिक्षकों ने वर्चुअल कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षित, प्रशिक्षित करने का कार्य किया। इस अवधि में शिक्षकों की भूमिका सराहनीय रही। श्री चौहान ने कहा कि वर्ष 2020 और 2021 में कोरोना काल में भी शिक्षकों ने विपरीत परिस्थितियों में विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षण का लाभ प्रदान किया। इसके फलस्वरूप विद्यार्थियों का अध्ययन का क्रम नहीं टूटा और वे शिक्षा में निरंतरता का अनुभव कर सके। यही राष्ट्र निर्माण के लिए किए जाने वाले प्रयास माने जाते हैं। उन्होंने शिक्षक समुदाय से अपेक्षा की कि वे समाज को गढ़ने के कार्य में पूर्व की तरह समर्पित भाव से अपनी सेवाएँ देते रहेंगे। श्री चौहान ने विद्यार्थी वर्ग से भी शिक्षक समुदाय के प्रति पूर्ण सम्मान भाव के साथ आचरण सुनिश्चित करने की अपेक्षा की है।

मुख्यमंत्री कल बाढ़ करेंगे प्रभावितों को राहत राशि का वितरण

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान छह सितंबर को वीडियो ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों और विदिशा जिले में बाढ़ प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करेंगे। श्री चौहान कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बाढ़ प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करेंगे। ग्वालियर-चंबल संभाग एवं विदिशा जिले में गत माह हुई अतिवृष्टि से बाढ़ की स्थिति बनी थी, जिसमें बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी तरीके से संचालित कर नागरिकों की जान बचाई। मुख्यमंत्री स्वयं भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गए और प्रभावितों के लिए बनाए गए राहत शिविरों का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावितों से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा भी दिलाया। केंद्र सरकार से मिली सहायता से बाढ़ में फंसे हजारों लोगों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू भी किया गया। श्री चौहान बाढ़ से पूर्ण क्षतिग्रस्त मकानों के पुर्ननिर्माण और अन्य क्षतियों के लिए राहत राशि का वितरण वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से करेंगे।

सीएम ने दी खिलाड़ियों को बधाई

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पैरा ओलिंपिक में शनिवार को भारत के लिए पदक जीतने वाले होनहार खिलाड़ियों को बधाई दी है। श्री चौहान ने कहा कि खिलाड़ियों के श्रेष्ठ प्रदर्शन से भारत के गौरव में वृद्धि हुई है। पैरा ओलिंपिक में श्री चौहान ने शनिवार को पिस्टल निशानेबाजी मिक्स्ड 50 मीटर में भारत के लिए स्वर्ण पदक अर्जित करने वाले मनीष नरवाल और रजत पदक अर्जित करने वाले सिंहराज अधाना, बैडमिंटन पुरूष सिंगल्स में एसएल-3 में स्वर्ण पदक विजेता प्रमोद भगत और कांस्य पदक विजेता मनोज सरकार को बधाई दी है।

केंद्र सरकार ने सेंट्रल अकादमी फॉर पुलिस ट्रेनिंग को किया सम्मानित

भोपाल । केंद्र सरकार ने भोपाल स्थित सेंट्रल अकादमी फॉर पुलिस ट्रेनिंग (सीएपीटी) को वर्ष 2019-20 के लिए देश के सर्वश्रेष्ठ पुलिस प्रशिक्षण संस्थान के रूप में सम्मानित किया है। संस्थान की ओर से यहां जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। जानकारी के अनुसार शनिवार को नई दिल्ली में पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) के 51वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीएपीटी, भोपाल के निदेशक पवन श्रीवास्तव को ट्राफी प्रदान की। केंद्र सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में सीएपीटी भोपाल के उप निदेशक चंद्रप्रकाश सक्सेना को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक 2021 से सम्मानित किया गया। समारोह में इसके अलावा सीएपीटी भोपाल के दो प्रधान आरक्षकों प्रदीप शुक्ला और विवेक जादौन को इनडोर और आउटडोर श्रेणियों के लिए पदक से सम्मानित किया गया। अकादमी के सहायक उप निरीक्षक जीपी मिश्रा को 'मैरिटोरियस सर्विस मेडल' प्रदान किया गया।

मप्र युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष अजीत बौरासी को मिली उत्तर प्रदेश में अहम भूमिका

भोपाल । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की अध्यक्षा सोनिया गांधी द्वारा मप्र युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष अजीत बौरासी को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति विभाग में राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त करते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई है, अजीत के साथ ही विक्रम वाल्मीकि (राजिस्थान)को यूपी वेस्ट की जिम्मेदारी दी गई है, जिसकी घोषणा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा की गई। मप्र युवा कांग्रेस मीडिया विभाग अध्यक्ष विवेक त्रिपाठी ने बताया की उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए ये अहम जिम्मेदारी मप्र को मिलने पर समस्त युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में उत्साहवर्धन हुआ है। राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश प्रभारी इशिता सेडा ने शीर्ष नेतृत्व को आभर व्यक्त करते हुए अजीत बौरासी को बधाई दी है।

ओबीसी आरक्षण को लेकर भाजपा फैला रही भ्रम : पटेल

महाधिवक्ता को हाईकोर्ट का जज बना कर क्या संदेश देना चाहती है बीजेपी

भोपाल (एजेंसी)। ओबीसी आरक्षण को लेकर भाजपा सिर्फभ्रम फैलाने और श्रेय लेने की कोशिश कर रही है, आज भी मध्यप्रदेश में जो 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू किया गया है, वह मार्च 2019 के उसी आदेश के आधार पर किया गया है जो कमलनाथ ने मुख्यमंत्री की हैसियत से जारी किया था। यह बात कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने शनिवार को पत्रकार वार्ता के दौरान कही।

श्री पटेल ने कहा कि आज श्रेय लेने की कोशिश कर रही बीजेपी जनता के सामने स्पष्ट करे कि 19 महीने पहले कमलनाथ ने जो आरक्षण प्रदेश के ओबीसी वर्ग को दिया था, उसको 19 महीने तक शिवराज सिंह चौहान सरकार ने क्यों लागू नहीं होने दिया। श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार के महाधिवक्ता पुरुषेंद्र कौरव ने जानबूझकर हाईकोर्ट में यह कहा कि सिर्फ14 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर भर्तियां की जाएं। जबकि उच्च न्यायालय ने सिर्फ तीन विभागों में ही भर्ती पर रोक लगाई थी। ऐसा करके महाधिवक्ता पुरुषेंद्र कौरव ने 19 महीने तक अन्य पिछड़ा वर्ग के हितों के साथ खिलवाड़ किया। उसी व्यक्ति को अब मध्यप्रदेश हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया जा रहा है। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि इस फैसले से वह अन्य पिछड़ा वर्ग के नागरिकों को क्या संदेश देना चाहते हैं। शिवराज सरकार के मंत्री भूपेंद्र सिंह के इस आरोप के जवाब में कि कांग्रेस पार्टी ने ओबीसी जनसंख्या का गलत आंकड़ा अदालत में पेश किया। श्री पटेल ने कहा कि हमने अदालत को स्पष्ट बताया था कि 2011 की जनगणना के आधार पर मध्यप्रदेश में ओबीसी की जनसंख्या 50.9 प्रतिशत है। मुझे शक है कि भाजपा के लोग कूटरचित दस्तावेज के आधार पर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

पटेल ने कहा कि यह कमलनाथ का लाया हुआ ही कानून है और भाजपा आगे भी कोई षड्यंत्र करेगी तो कमलनाथ और कांग्रेस ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। कांग्रेस पार्टी सभी वर्गों की हितेषी पार्टी है। कमलनाथ की सरकार ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण और सामान्य वर्ग के गरीब लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया था। इन दोनों आरक्षण की संरक्षण के लिए पार्टी प्रतिबद्ध है।

यदि बिजली महंगी की तो सदन से सड़क तक संघर्ष करेगी कांग्रेस

कमलनाथ ने दी प्रदेश सरकार को चेतावनी

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश सरकार को चेतावनी दी है कि यदि बिजली को महंगा किया गया तो कांग्रेस सदन से सड़क तक सघंर्ष करेगी। कमलनाथ ने अपने ट्वीट में कहा है कि हमारी 15 माह की सरकार में हमने आम उपभोक्ताओं और किसानों को भरपूर बिजली प्रदान की और वह भी सस्ती दरों पर। हमने 100 रुपए में 100 यूनिट बिजली प्रदान की और 150 यूनिट तक हमारी इंदिरा गृह ज्योति योजना का लाभ उपभोक्ताओं को प्रदान किया। वहीं वर्तमान शिवराज सरकार प्रदेश को अंधकार की ओर ले गई है, कई-कई घंटों की अघोषित कटौती जारी है, मनमाने बिजली बिलों की मार जनता पर थोपी जा रही है और वहीं अब दूसरी और गुपचुप तरीके से बिजली महंगी करने की तैयारी की जा रही है। इन योजनाओं में बदलाव करने की भी तैयारी की जा रही है। इसको लेकर प्रस्ताव तैयार हो रहे हैं, किसानों की सब्सिडी घटाकर उनकी बिजली भी महंगी करने की भी तैयारी की जा रही है। शिवराज सरकार यह समझ ले यदि उपभोक्ता और किसानों पर महंगी बिजली का भार डाला गया तो कांग्रेस चुप बैठने वाली नहीं है, सड़क से सदन तक हम संघर्ष करेंगे और ऐसे प्रस्तावों व निर्णयों का जमकर विरोध करेंगे।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चा एवं प्रकोष्ठों की बैठक आयोजित

संगठन विस्तार और चुनावी मोड में रहने का दिया मंत्र

भोपाल (एजेंसी)। भाजपा के सभी मोर्चा एवं प्रकोष्ठों को आगामी उपचुनावों में टीम भावना के साथ पूरी ताकत से काम करने का मंत्र देते हुए चुनावी मोड में रहने और संगठन का विस्तार पंचायत स्तर तक करने की नसीहत शनिवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी, प्रकोष्ठ के संयोजकों की संयुक्त बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत ने दी है। बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने संगठन पर्व एवं आगामी कार्यक्रमों में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। बैठक में प्रदेश सह संगठन महामंत्री हितानंद उपस्थित थे।

मोर्चा, प्रकोष्ठ पार्टी के फ्रंट फुट पर जाकर जवाब दें: भगत

प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत ने कहा कि मोर्चा, प्रकोष्ठ पार्टी के फ्रंटल आर्गेनाइजेशन है। जिन क्षेत्रों की जिम्मेदारी पार्टी ने तय की है वहां जाकर नए लोगों को जोड़ें। महिला मोर्चा मंडल और नगरीय निकाय तक, किसान, युवा और पिछड़ा मोर्चा पंचायत स्तर तक गठन करें। अजा और अजजा मोर्चा का गठन मंडल एवं पंचायत स्तर तक हो। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर उपचुनाव होना है वहां सर्वप्रथम मंडल और पंचायत स्तर तक गठन में सभी मोर्चा जुट जाए। श्री भगत ने कहा कि विरोधियों को फ्रंट फुट पर जाकर जवाब दें। सरकार की योजना नीचे स्तर तक व्यक्ति तक पहुंच, इसकी जिम्मेदारी हमारी है। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री सरतेंदु तिवारी एवं आभार प्रदेश प्रवक्ता राम डांगोरे ने व्यक्त किया।

जहां हम कमजोर हैं, वहां करें फोकस : वीडी शर्मा

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पार्टी को सर्वस्पर्शी और सर्वव्यापी बनाने में मोर्चा प्रकोष्ठों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की बात कहते हैं, तो वह हमारे संगठन विस्तार में भी प्रदर्शित होती है। उन्होंने कहा कि सभी मोर्चा, प्रकोष्ठ पितृ पुरुष स्व कुशाभाऊ ठाकरे की जन्मशताब्दी वर्ष, संगठन पर्व के दौरान अपने कार्य विस्तार को सुदृढ़ीकरण की दिशा में काम करें। जहां हम कमजोर हैं, वहां पूरी ताकत के साथ काम करें। श्री शर्मा ने कहा कि तकनीकी युग में अपडेट होकर सभी मोर्चे बूथ से लेकर पंचायत स्तर तक समिति बनाकर अपने संगठन को मजबूती प्रदान करें। युवा मोर्चा एक बूथ 10 यूथ का अभियान जमीनी स्तर तक ले जाएं। उन्होंने कहा कि सभी मोर्चा पार्टी के निर्धारित कार्यक्रमों के साथ ही अलग से योजना बनाकर कार्य में जुटें। हम सभी मिलकर प्रत्येक बूथ पर मजबूती के लिए और संगठन को यशस्वी संगठन बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

जिन्होंने आज तक कुछ नहीं किया वह भ्रम फैला रहे : शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अनुसूचित, जनजाति और अल्पसंख्यकों का भाजपा से बड़ा हितैषी कोई नहीं है। इन वर्गों के लिए जितने कल्याणकारी काम भाजपा ने किए हैं कोई और दल नहीं कर सकता। जिन्होंने आज तक इन वर्गों के लिए कुछ किया नहीं वह भाजपा के बारे में सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से भ्रम फैला रहे हैं। क्योंकि वह जानते है कि 2023-24 निर्णायक है। भाजपा विजयी हो गई तो देश की सारी विरोधी ताकतें जो देश को आगे बढ़ता नहीं देखना चाहती वह समाप्त हो जाएंगी और भारतीय जनता पार्टी का झंडा 50 सालों तक लहराएगा।

सरकार के साथ मिलकर काम करें सभी मोर्चा-प्रकोष्ठ

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओबीसी आरक्षण को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने नाटक किया और कोर्ट में एडवोकेट जनरल तक को खड़ा नहीं किया। लेकिन भाजपा की सरकार ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण के लिए बड़ा फैसला किया। यह बात पिछड़ा मोर्चा को गांव-गांव जाकर बतानी होगी। उन्होंने कहा कि टैलेंट सर्च कार्यक्रम में 70 हजार बच्चों ने भाग लिया है उनसे युवा मोर्चा संपर्क करें। प्रदेश में 40 लाख लाड़ली लक्ष्मियां हैं उन परिवारों से महिला मोर्चा संपर्क करें। 14 सितंबर को मुख्यमंत्री निवास पर सेल्फहेल्प ग्रुप की बहनों की पंचायत होगी। 18 सितंबर को शहीद शंकर शाह, रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आगमन होगा। इस कार्यक्रम की तैयारियों में अजजा मोर्चा जुटें। सभी मोर्चा, प्रकोष्ठ पूरी ताकत से सक्रिय हो जाएं और सरकार के साथ मिलकर काम करें। पूरे महीने के कार्यक्रम तय करें और उनमें बूथ स्तर तक के लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

क्या थलाइवी की हीरोइन बचा पाएगी
फिल्म इंडस्ट्री ?

जब अक्षय कुमार ने अपनी स्पाई थ्रिलर फिल्म बेलबॉटम के ओटीटी प्लेटफार्म के बजाय सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की घोषणा की थी, तब इसे साहसिक निर्णय बताया गया था। कोरोना महामारी के दौर में तमाम राज्यों में सिनेमाघरों के या तो बंद रहने या पचास प्रतिशत क्षमता में खुलने के कारण, बॉलीवुड का कोई भी बड़ा अभिनेता अपनी फिल्में प्रदर्शित करने में हिचक रहा था। ऐसे में अक्षय कुमार का कोरोना के विषाद की आंखों में आंखे डाल कर देखना साहसिक निर्णय ही था। उस समय फिल्म उद्योग और ट्रेड पंडितों को पूरा भरोसा था कि अक्षय कुमार इंडस्ट्री को मंदी के दौर से उबार लेंगे और बंद होती प्रदर्शन शाखा में उत्साह का संचार होगा। परन्तु, ...!

■ **अल्पना कांडपाल**

VIBRI MOTION PICTURES & KARMA MEDIA AND ENTERTAINMENT PRESENTS
THALAIVI

बेलबॉटम के 2.75 करोड़

बेलबॉटम, 19 अगस्त 2021 को प्रदर्शित हुई थी। उस समय तक यह तय हो गया था कि महाराष्ट्र के सिनेमाघर नहीं खुलेंगे। ऐसे में एक समय तो बेलबॉटम की रिलीज के टाले जाने की आशंका हो रही थी। परन्तु, फिल्म प्रदर्शित हुई। ट्रेड पंडितों का अनुमान था कि अक्षय कुमार की फिल्म सीमित केंद्रों में सीमित दर्शक क्षमता के बावजूद 5 करोड़ के आस-पास का कारोबार कर पाएगी। क्योंकि बेलबॉटम जिन केंद्रों में प्रदर्शित हो रही थी, वह अक्षय कुमार के गढ़ है। परन्तु, फिल्म ने पहले दिन 2.75 करोड़ का कारोबार किया। फिल्म का पहला वीकेंड 12.75 करोड़ का रहा। बेलबॉटम ने आठ दिन के वीकेंड में 18.55 करोड़ का कारोबार किया। यह कलेक्शन इंडस्ट्री को उत्साहित नहीं कर सका। निगाहें दूसरे वीकेंड पर हैं। लेकिन, तब तक इंडस्ट्री का उत्साह हल्का पड़ चुका होगा।

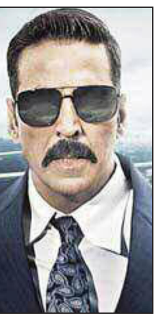

हॉलीवुड के दो सुपर हीरो

हालांकि, 3 सितम्बर को हॉलीवुड की तीन फिल्मों ब्लैक विडो, शांग ची द लीजेंड ऑफ द टेन रिंग्स और फास्ट एंड फ्यूरिअस 9 प्रदर्शित हो रही है। पूरी पूरी आशा है कि यह फिल्में फिल्म प्रदर्शकों के चेहरे पर चमक ले आएंगी। परन्तु, बॉलीवुड के दूसरे सेक्टरों का क्या होगा? पहले 3 सितम्बर को दो हिंदी फिल्में प्रदर्शित होने जा रही थी। लेकिन, अब शर्मा जी नमकीन पलायन कर गई है। फैक्ट्री की फैक्ट्री में कितने दर्शक घुसेंगे, इसका अंदाजा लगाना ज्यादा मुश्किल नहीं। जब अमिताभ बच्चन और इमरान हाश्मी जैसी स्टार कास्ट वाली चेहरे दर्शकों के चेहरे देखने को तरस गई तो फैक्ट्री के फैसल खान और राजकुमार कनोजिया जैसे गुमनाम चेहरे क्या खाक दर्शकों को खींच पाएंगे?

बॉक्स ऑफिस पर थलाइवी की पकड़

तब फिल्म निर्माण सेक्टर का क्या होगा? उसकी आस कैसे जागेगी? हालांकि, तमाम फिल्मों की शूटिंग लगातार जारी है। लेकिन, प्रश्न कठिन कि कौन सी फिल्म फिल्म उद्योग में आशा का संचार कर पाएगी। ऐसे में थलाइवी पर निगाहें आ टिकती हैं। क्या तमिल फिल्म अभिनेत्री से तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बनी जयललिता पर फिल्म थलाइवी कुछ आस बंधाती है? फिल्म में कंगना रनौत जे जयललिता की भूमिका में हैं। ट्रेलर से उनके अभिनय की प्रशंसा हो रही है। कंगना चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुकी है। उनकी बॉक्स ऑफिस पर पकड़ भी है। निर्देशक एएल विजय के द्वारा फिल्माए गए दृश्य प्रभावित करते हैं। इस फिल्म को केवी विजयेंद्र प्रसाद ने लिखा है, जिनकी लिखी बाहुबली और बजरंगी भाईजान जैसी फिल्मों ने दर्शकों को प्रभावित किया था। आमतौर पर नारी प्रधान फिल्में काफी दर्शक बटोर लेती है। इस साल की सबसे ज्यादा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन करने वाली फिल्म नारी प्रधान रूही है। इसलिए अगर फिल्म उद्योग थलाइवी से उम्मीदें लगाए तो कुछ गलत नहीं।

अखिल भारतीय अपील

थालेवी के साथ खास बात यह है कि यह फिल्म अखिल भारतीय आपील वाली है। इसे हिंदी, तमिल और तेलुगु में प्रदर्शित किया जा रहा है। जयललिता लोकप्रिय राजनेता थी। तमिलनाडु की जनता उन्हें अम्मा कह के सम्बोधित करती थी। दक्षिण की कोरोना काल में प्रदर्शित फिल्मों ने काफी अच्छा कारोबार किया है। एएल विजय के प्रशंसक दर्शक दक्षिण में काफी हैं। इसलिए थालेवी के खासतौर पर दक्षिण के सिनेमाघरों में क्लिक कर जाने में शक की गुंजाईश नजर नहीं आती। थालेवी को मिली बढ़िया ओपनिंग फिल्म उद्योग को उत्साहित करेगी।

क्या निराशा बनेगी आशा

इस निराशा के दौर में यह आशा की किरण है? क्या थालेवी फिल्म उद्योग को नेतृत्व दे पाएगी? क्या कोई महिला प्रधान फिल्म दर्शकों की सिनेमाघरों में वापसी कर पाएगी? कंगना रनौत की फिल्म थालेवी इसका जवाब बन सकती है। थालेवी का अर्थ नेता होता है। थालेवी तमिल फिल्मों की सुपरस्टार से तमिलनाडु की मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठी जयललिता जयराम के जीवन पर फिल्म है। क्या उनके जीवन पर फिल्म अखिल भारतीय जोश जगा पाने में कामयाब होगी?

पचास लाख भी नहीं

स्वाभाविक था कि बेलबॉटम के बाद निर्देशक रूमी जाफरी की फिल्म चेहरे के प्रति उत्साह देखने को नहीं मिला। थ्रिलर फिल्म चेहरे 27 अगस्त को प्रदर्शित हुई। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और इमरान हाश्मी की जोड़ी पहली बार बन रही थी। फिल्म ने निर्माता आनंद पंडित को आशा थी कि बहु एश्वर्या राय बच्चन के तगड़े विरोध के बावजूद इमरान हाश्मी के साथ जोड़ी बनाने वाले अमिताभ बच्चन काफी दर्शकों को सिनेमाघरों में ले आएंगे। सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु के बाद, फिल्म प्रेमियों के निशाने पर रही रिया चक्रवर्ती को प्रचार में शामिल न करने के बावजूद चेहरे दर्शकों का सकारात्मक प्रत्युत्तर पाने में असफल रही। ट्रेड के अनुसार चेहरे का पहले दिन का कारोबार कठिनाई से 50 लाख तक पहुंच पाने में कामयाब हो सका। ■

बॉलीवुड

बॉबी देओल की छवि सुधारेंगी एषा गुप्ता

एमएक्स प्लेयर की हिट सीरीज आश्रम के दूसरे सीजन की शुरुआत होने जा रही है। इस सीरीज में, बॉबी देओल एक बार फिर काशीपुर वाले बाबा निराला की भूमिका करेंगे। दूसरे सीजन में चन्दन रॉय सान्याल, अदिति पोहनकर, दर्शन कुमार, अनुप्रिया गोयनका, विक्रम कोछर और राजीव सिद्धार्थ भी अपनी-अपनी भूमिकाओं में नजर आएंगे। आश्रम के दूसरे सीजन का कथानक क्या होगा, इसमे बाबा के कारनामे किस प्रकार के होंगे, इसका खुलासा तो अभी नहीं हुआ है। लेकिन यह पता चला है कि इस सीरीज में बाबा अपनी इमेज सुधारने का काम करेगा। बाबा निराला की इमेज सुधारने के लिए एक प्रोफेशनल पब्लिसिस्ट की नियुक्ति की जाएगी। आश्रम में इस पब्लिसिस्ट की भूमिका जन्नत 2, राज 3, रुस्तम और कमांडो 2 की अभिनेत्री एषा गुप्ता करेंगी। अपनी ग्लैमर से भरपूर छवि के लिए विख्यात एषा गुप्ता बाबा की छवि कितनी अच्छी तरह से सुधार पाएगी, इसे जानने के लिए आश्रम 2 के प्रसारण की प्रतीक्षा करनी होगी।

पोस्टर देखकर आया माता-पिता को विश्वास

चीनी मूल के कनाडा की राष्ट्रीयता वाले अभिनेता सिमु लिउ भाग्यवान है कि टीवी शो के बाद, उनका हॉलीवुड में प्रवेश मार्वेल सिनेमैटिक यूनिवर्स की सुपरहीरो फिल्म शांग ची द लीजेंड ऑफ टेन रिंग्स में शांग ची की भूमिका से हो रहा है। पैसिफिक रिम एंड वुमन इज लूजरस में छोटी भूमिकाएं करने वाले सिमु लिउ का हॉलीवुड के बड़े बैनर की बड़ी फिल्म में नायक की भूमिका करने की खबर किसी को भी अविश्वसनीय लग सकती है। सिमु लिउ के मां-पिता को भी विश्वास नहीं हुआ था कि उनका बेटा 3 सितम्बर को अपने सुपरहीरो चरित्र द्वारा पूरी दुनिया में छाने जा रहा है। उन्हें विश्वास दिलाने के लिए सिमु लिउ को शांग ची द लीजेंड ऑफ टेन रिंग्स के चीनी भाषा में बनाए गए पोस्टर को दिखाना पड़ा।

सारा और विक्रांत की फिल्म

अभिनेता विक्रांत मैसी को हसीन दिलरुबा का फायदा मिल रहा लगता है। हालांकि इस फिल्म के बाद ही ओटीटी पर स्ट्रीम दूसरी फिल्म 14 फेरे को बहुत पसंद नहीं किया गया। लेकिन, हसीन दिलरु बा में अपने अभिनय से विक्रांत ने टिप्स के रमेश तौरानी को प्रभावित कर लिया लगता है। वह इस बैनर की आगामी अनाम फिल्म में सारा अली खान के साथ रोमांस और ड्रामा करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन जयंत कृपलानी कर रहे हैं। जयंत निर्देशित फिल्म भूत पुलिस ओटीटी प्लेटफार्म से स्ट्रीम होने जा रही है। इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर या नवंबर में शुरू हो सकती है।

द इम्मॉर्टल ऑफ अश्वत्थामा बंद

क्या विक्की कौशल को सुपरहीरो बनाने वाली पहली फिल्म द इम्मॉर्टल ऑफ अश्वत्थामा बंद कर दी गई है? बॉलीवुड के गलियारों से पहले खबर यह थी कि फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म की शूटिंग को कोरोना की वजह से टाल दिया है। जिस समय फिल्म की घोषणा की गई थी, तब इस प्रोजेक्ट को बहुत चर्चा मिली थी। उरी द सर्जिकल स्ट्राइक जैसी बड़ी हिट फिल्म की निर्देशक-अभिनेता जोड़ी की फिल्म को चर्चा मिलना स्वाभाविक भी था। अश्वत्थामा के पौराणिक चरित्र को समकालीन सन्दर्भ में देखने वाली इस फिल्म का निर्देशन आदित्य धर करने वाले थे। विक्की कौशल सुपर पावर रखने वाले अश्वत्थामा की भूमिका कर रहे थे। फिल्म के लिए सारा अली खान को भी लिया गया था। विक्की कौशल और सारा अली खान अपने चरित्रों के लिए गंभीरता से तैयारी भी कर रहे थे। तब फिल्म को यकायक क्यों बंद कर दिया गया? इसे लेकर अभी किसी ने कोई बयान नहीं जारी किया है।

अमिताभ बच्चन के साथ सूरज बड़जात्या की ऊंचाई

सूरज बड़जात्या, अपने फिल्म करियर मे पहली बार, अमिताभ बच्चन के साथ कोई फिल्म बनाने जा रहे हैं। चार दोस्तों की इस कहानी में अमिताभ बच्चन के साथ बोमन ईरानी, अनुपम खेर और नीना गुप्ता दोस्ती निभाते दिखाई देंगे। इस फिल्म का शीर्षक ऊंचाई रखा गया है। ऊंचाई, सूरज गुप्ता की निर्देशक के रूप में सातवी फिल्म होगी। सलमान खान के साथ फिल्म मैंने प्यार किया से अपने निर्देशक की यात्रा शुरू करने वाले सूरज बड़जात्या की यह पहली फिल्म होगी, जो परिवार की भीड़-भाड़ वाली नहीं होगी, लेकिन इसमें मानवीय संवेदनाएं भरपूर होंगी। नीना गुप्ता की अमिताभ बच्चन के साथ गुडबाय के बाद, ऊंचाई दूसरी फिल्म होगी। इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर अभी काम किया जा रहा है। इसके बाद, फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू हो जाएगी। सूरज बड़जात्या अपनी ऊंचाई को अगले साल के दूसरे भाग में प्रदर्शित करना चाहते हैं। इसके बाद, 2023 में वह सलमान खान के साथ अपनी पांचवी फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। यह फिल्म आधुनिक छोटे परिवार की प्रेम कथानक वाली होगी।

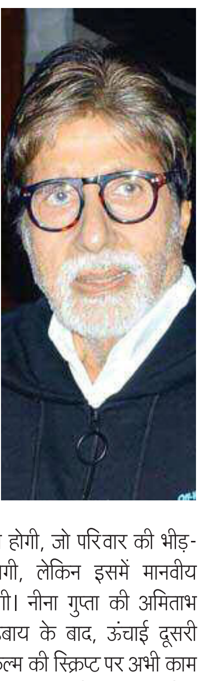

■ **अ. कां.**

सिनेमाघरों में सुनील शेट्टी के बेटे की तड़प

निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने, अभिनेता सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की अभिनेता के रूप में पहली फिल्म तड़प के प्रदर्शन की तिथि की घोषणा कर दी है। यह रोमांस ड्रामा एक्शन फिल्म 3 दिसम्बर 2021को प्रदर्शित की जाएगी। तेलुगु फिल्म अभिनेता कार्तिकेय गुम्माकोंडा की 2018 में प्रदर्शित तेलुगु फिल्म आरएक्स 100 की इस रीमेक फिल्म में अहान शेट्टी कार्तिकेय वाली भूमिका कर रहे हैं। उनका रोमांटिक जोड़ा तारा सूतारिया से बनाया गया है। मूल फिल्म में कार्तिकेय बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं कर पाते थे। अलबत्ता यह फिल्म पायल राजपूत के कामुक अभिनय के कारण हिट साबित हुई थी। हिंदी संस्करण में पायल वाली कामुकता तारा सुतारिया को दिखानी होगी। इसमें कोई शक नहीं कि वह इस काम में सक्षम हैं। फिल्म का निर्देशन मिलन लुथरिया कर रहे हैं। फिल्म को रजत अरोरा ने लिखा है। संगीतकार प्रीतम हैं।

टीचर्स डे पर विशेष ||

टीवी

कलाकारों ने किया याद

टीवी कलाकारों ने अपने टीचर्स से मिली सीख के बारे में बात की।

अमन वर्मा-
मैं बहुत होशियार स्टूडेंट नहीं रहा इस वजह से बहुत सी टीचर्स मुझे जानते नहीं थे। लोग कहते थे कि मुझमें कुछ करने की काबिलियत नहीं है, तो मैं उसे चुनौती के रूप में लेता था और उससे बाहर निकलने की कोशिश करता था। पूर्वाभास ही हमेशा मेरे बेस्ट टीचर रहे हैं। दिलीप साहब के अलावा मेरा कोई गुरु नहीं रहा।

फरहाना फातिमा-
मैं अपने एकेडमिक और नॉन-एकेडमिक दोनों ही टीचर्स को शुक्रिया कहना चाहती हूं, जिन्होंने मेरी जिंदगी और करियर को संवारने में मेरी मदद की। डॉ. वीना सिंह और सुरेंद्र सैकिया ने मुझे कथक के खूबसूरत डांस मूल्स सिखाएं और साथ ही हर स्टेप या मुद्राओं के अर्थ को समझाया।

श्रेणु पारीख टीचर्स ने काफी अच्छी बातें सिखायी लेकिन सबसे अहम सीख की वजह से मुझे अपनी कला को पहचानने में मदद मिली। मैं अपने म्यूजिक टीचर और प्रिंसिपल को शुक्रिया कहना चाहूंगी, जिन्होंने प्रेरित किया। मेरी मदद करने वाले अहम गुरु हैं, दिवंगत डायरेक्टर वसीम शब्बीर सर।

अक्षय म्हात्रे-
मैं अपने सभी शो डायरेक्टर्स, क्रिएटिव डायरेक्टर्स, साथी कलाकारों को 'हैप्पी टीचर्स डे' कहना चाहता हूं। सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती। मैं समीर खांडेकर और रंजीत पाटिल को शुक्रिया कहना चाहता हूं। पवन सिंह, स्कूल में मैं शरारती बच्चा हुआ करता था और हमेशा ही प्रैंक करता था। टीचर्स ने मुझे डांटा है और सजा दी है, लेकिन स्पोर्ट्स सर ने प्यार से समझाया था। गौरव खन्ना कई सारे अनुभवी टीचर्स ने ढेर सारी नई चीजें सिखाई, लेकिन मां हमेशा ही आपकी टीचर होती है। मां मेरी बेस्ट टीचर थी और रहेंगी, वे मेरी गाइड, आलोचक और दोस्त हैं। वह मुझे सबसे अच्छी तरह समझती हैं। ■

प्यार कर बैठेंगे गौरव खन्ना

स्टार प्लस के शो अनुपमा में अनुज कपाड़िया की एंट्री है। गौरव खन्ना इस किरदार को निभाने वाले हैं जो बिजनेस टाइकून और अनुपमा के कॉलेज के दोस्त के रूप में नजर आएंगे। उनके बातचीत के अंश -

रूपाली के साथ काम- मैंने पहले रुपाली के साथ काम नहीं किया है जो अभिनय की पावरहाउस हैं। मैंने उनके साथ मॉक शूट किया और मुझे ऐसा बिलकुल भी महसूस नहीं हुआ कि मैं इस शो का नया हिस्सा हूं। सुधांशु के एल्बम्स, उनकी फिल्में, म्युजिक वीडियो और शो पर भी काम देखा है। वह बहुत अच्छे और खुशमिजाज व्यक्ति हैं।

धमाकेदार वापसी- मैं पूरे धमाके के साथ दोबारा टीवी पर लौटा हूं। मैं इस थियरी को मानने वाला व्यक्ति हूं जो बहुत ज्यादा सोशली एक्टिव व्यक्ति नहीं है, पर जब मैं काम करता हूं तो जमकर काम करता हूं। काम करते हुए मुझे तकरीबन 15 साल हो गए। बहुत अच्छे किरदार करने का मौका मिला।

खुद को फिट रखता हूं- मैंने काम करना जारी रखा। काम करते रहने से आपका पूरा शरीर और मन लगा रहता है, आप खुद को फीट रख पाते हैं और यही मेरा फिटनेस मंत्रा है। मैं जो कर रहा हूं उससे मुझे प्यार है और मैं उसे जारी रखना चाहता हूं। मैं लोगों से भी यही कहूंगा आप वो चीजें निरंतर करते रहे, जिसे आप पाना चाहते हैं।

काम और निजी जीवन- हमेशा पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को बैलेंस कर पाना कई बार बहुत कठिन होता है। अक्सर 14 से 15 घंटे काम करते हैं, 12 घंटे की शिफ्ट होती है और बाकी समय घर से सेट और सेट से घर पहुंचने में लग जाता है। मैं लकी रहा हूं क्योंकि मैंने बैलेंस बनाया है। मैं ज्यादा सोशल रहने वाला बंदा नहीं हूं। मुझे अपने लोगों के बीच रहना बहुत पसंद है, अपनी पत्नी और बहन के साथ समय बीताना पसंद है। घर का खाना पसंद है।

प्रेरणा- मुझे अपने किसी भी किरदार को निभाने से पहले उस पर होमवर्क करना बहुत पसंद है। जैसा की मेरा किरदार न सिर्फ स्टाइलिश है, अपने काम को लेकर बहुत परफेक्ट है बल्कि उसके स्वभाव में बहुत ज्यादा विनम्रता है। मैंने अपने अभिनय में कई अच्छे बदलाव देखें हैं कई चीजें सीखी हैं और मैं अपने किरदार अनुज को सौ प्रतिशत देने की कोशिश कर रहा हूं।

■ **विमला**

मेहमान बनी नीतू कपूर व रिद्धिमा

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के द कपिल शर्मा शो में बॉलीवुड की स्वीटहार्ट नीतू कपूर और बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी का स्वागत किया। नीतू कपूर पूरा समय अपनी बेटी रिद्धिमा के साथ हंसती नजर आएंगी। उन्होंने कुछ पुरानी यादें और अनमोल पल भी ताजा किए। नीतू कपूर अपने साथ रिद्धिमा की मौजूदगी को लेकर बहुत खुश नजर आ रही थी।

घुटने की चोट से लड़ते राजवीर

जी टीवी का कुर्बान हुआ, चाहत (प्रतिभा रांटा) और नील (राजवीर सिंह) की प्रेम कहानी है। राजवीर को पेड़ पर चढ़ना था, अचानक गिर गए और उनके घुटने में चोट आ गई। राजवीर ने कहा, मेरे घुटने में चोट लग गई। मुझे पेन किलर दी और घाव की ड्रेसिंग की। इस समय मैं दवाइयां और फिजियोथेरेपी ले रहा हूं। इस घाव को पूरी तरह भरने में करीब एक महीना लग जाएगा। यदि ये ठीक नहीं हुआ, तो मेरी एक छोटी-सी सर्जरी करनी पड़ेगी। मेरा घुटना अब भी दुखता है, लेकिन मैं पहले से बेहतर हूं ।

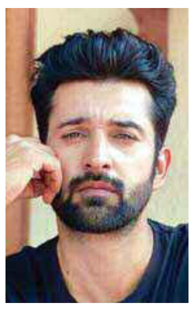

अर्शिया ने दिया ट्रिब्यूट

सुपर डांसर - चैप्टर 4 में रवीना स्पेशल एपिसोड में रवीना टंडन और गुरु शिष्य स्पेशल एपिसोड में कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान टीचर्स डे मनाएगी। फराह खान ने कहा, मुझे माफ करना, मैं भावुक हो गई हूं लेकिन गीता और मुझे तारीफ पाने की आदत नहीं है, लेकिन मुझे महसूस हुआ कि मैंने अपनी जिंदगी में कुछ किया है। गीता कपूर ने कहा, फराह सबसे मजबूत महिला हैं, जिन्हें मैं अपनी मां के बाद जानती हूं। उन्होंने अपने गानों में वेरायटी दिखाई है। फराह, शिल्पा और गीता ने देसी गर्ल गाने पर परफॉर्म किया।

'शुभ लाभ-आपके घर में' के कलाकार

सोनी सब की नई प्रस्तुति शुभ लाभ-आपके घर में खुद अपना चमत्कार बन सकते हैं। कहानी गीतांजलि टिकेकर द्वारा अभिनीत सविता और उनके रतलाम स्थित परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। नासिर खान उनके पति हैं। देवी लक्ष्मी की भूमिका में होंगी छवि पांडे। तनिशा मेहता श्रेया के रूप में, मितिल जैन सविता के बड़े बेटे रोहित, मनन जोशी सविता के छोटे बेटे वैभव और माही शर्मा सविता की बेटी रूही के रूप में आएंगी। कहानी अनोखा ट्विस्ट लेती है, जब आत्म-विश्वास और रूपांतरण के सफर में सविता का मार्ग प्रशस्त करने के लिए देवी लक्ष्मी खुद धरती पर आती हैं। प्रीमियर 13 सितंबर को होगा।

ऑनलाइन स्ट्रीम होगी 'हाथी मेरे साथी'

फिल्म हाथी मेरे साथी डायरेक्ट-टू-टीवी रिलीज कर रहा है। प्रभु सोलोमन द्वारा लिखी और निर्देशित की गई इस फिल्म में बाहुबली सुपरस्टार राणा दग्गुबाती, हाथियों और प्रकृति के रखवाले बने हैं, पुलकित सम्राट, श्रिया पिलगांवकर, जोया हुसैन और अनंत महादेवन ने भूमिकाएं निभाई हैं। यह 18 सितंबर को जी सिनेमा पर रिलीज हो रही है, जिसके बाद यह इरॉस नाओ पर स्ट्रीम होगी। राणा दग्गुबाती ने कहा, हाथी मेरे साथी ऐसे आदमी का सफर है, जिसका प्रकृति से बड़ा करीबी लगाव है, वो हाथियों का पक्का दोस्त है।

थोड़ा सा बादल थोड़ा सा पानी

कलर्स के नए शो थोड़ा सा बादल, थोड़ा सा पानी में मुख्य नायिका काजोल (इशिता दत्ता) का सफर है। अनुराग बसु का भी प्रवेश हो रहा है। उन्होंने बताया, महामारी के कारण मुझे 500 दिनों से ज्यादा समय लग गया वापिस आने में हालांकि मेरे पास ऑफर आ रहे थे लेकिन जरूरी था कि मैं सही जगह पर खुद को प्रस्तुत करूं और सही काम करूं। मैं थोड़ा सा बादल थोड़ा सा पानी में अनुराग बसु का किरदार निभाने के लिए उत्साहित हूं।

किंशुक वैद्य जुर्म का चेहरा

सपने के पूरे होने जैसा और रोमांचित कर देने वाला अनुभव है। हालांकि, बदलते दौर के साथ अपराध का चेहरा भी बदल गया है। यही वजह है कि तानाबाना आधुनिक दौर में होने वाले अपराधों के आस-पास ही बुना गया है।

द क्यू, मनोरंजन चैनल ने क्राइम फिक्शन शो जुर्म का चेहरा लॉन्च किया। बदलते वक्त के साथ आज सायबर क्राइम, ऑनलाइन फ्रॉड जैसे कई अपराध हैं जो चौंकाते रहते हैं। किंशुक वैद्य ने कहा, मैं क्राइम थ्रिलर्स और इन्वेस्टिगेटिव शो देखकर बड़ा हुआ हूं। ऐसे में शो

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता- अदा खान

अदा खान ने बताया अपने और अपने अभिनय के बारे में-

राजकुमारी अमृत के बारे में बताएं?
राजकुमारी अमृत के कई ग्रे शेड्स हैं। ये राजकुमारी अमृत की कहानी है। लोग समझते हैं कि राजा और रानी बहुत अमीर हैं लेकिन असल में उनके पास कुछ भी नहीं है, वे दुनिया को सिर्फ दिखावा कर रहे हैं। राजकुमारी अलग-अलग लोगों से शादी करके कई बुरे काम करके अपने परिवार की इज्जत बचाने की कोशिश कर रही है।

शो में अमृत का बहुत प्रभावशाली लुक है?
हां, जब वो किसी पर जीत हासिल करती है तो उसके कपड़े, साड़ी और उसके काम देखने लायक होते हैं। इससे सभी किरदार और भी प्रभावशाली बन गए। मैं अलग इंसान हूं।

आपका स्टाइल मंत्र क्या है?
मैं मानती हूं कि हर एक्टर की व्यक्तिगत स्टाइल होनी चाहिए क्योंकि किसी की तरह अभिनय करना या किसी की नकल करना ज्यादा मदद नहीं करता है। आपका अपना स्टाइल ही आपको सबसे अलग बनाता है और लोग आपके व्यक्तित्व के लिए पसंद करते हैं।

अभी कौन-से प्रोजेक्ट तैयार हैं?
मेरा पहला ब्रेक प्रिंट ऐड था। मैंने मॉडलिंग शुरू की और फिर टेलीविजन शो करने के लिए कदम बढ़ाया। मैं डायरेक्टर की एक्टर हूं मैं स्वाभाविक रूप से ऐसी ही हूं। मैं स्क्रिप्ट पढ़ने और काम में व्यस्त हूं और सभी प्रकार की भूमिकाओं के लिए तैयार हूं। अच्छे ऑफर मिल रहे हैं और रेंज है। मेरा अगला शो कॉमेडी जॉनर में होगा।

■ **माया**

ओली पोप बोले- सही लोगों पर विश्वास कर निराशाजनक चीजों को नजरअंदाज करना सीखा

लंदन, एजेंसी। विश्वास की सकारात्मक अवधारणा को लेकर अंग्रेज टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज ओली पोप ने घरेलू मैदान पर अर्धशतक के साथ टेस्ट में वापसी का जश्न मनाने के बाद अहम बात कही कि उन्होंने सही लोगों पर भरोसा करके ह्यनिराशाजनक चीजोंह्ण को नजरअंदाज करना सीख लिया है। जनवरी 2020 में दक्षिण अफ्रीका में अपना पहला शतक बनाने वाले 23 वर्षीय यह बल्लेबाज इस साल अपनी शुरूआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहा है। इस मैच में 81 रन (159 गेंद में) की पारी से पहले इस साल का उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर फरवरी में भारत के खिलाफ चेन्नई में 34 रन था। श्रृंखला के शुरूआती तीन टेस्ट के दौरान ड्रेसिंग रूम में समय बिताने वाले पोप को विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर के स्थान पर अंतिम 11 में शामिल किया गया है। बटलर ने अपने दूसरे बच्चे के जन्म के समय परिवार के साथ समय बिताने के लिए ब्रेक लिया है।

पोप ने इस मौके का फायदा उठाते हुए उस समय दो अर्धशतकीय साझेदारियां की जब टीम 62 रन पर पांच विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी। उन्होंने जॉनी बेयरस्टॉ और फिर मोईन अली के साथ शानदार साझेदारी की जिससे इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 290 रन का स्कोर खड़ा करने में सफल रही। पोप ने दूसरे दिन के खेल के बाद कहा, ह्ययह कठिन (टीम से अंदर-बाहर होना) है, मुझे लगा कि यह कभी-कभी निराशाजनक होता है। ईमानदारी से कहूं तो यह सीखने का मौका है। मैंने सीखा है कि निराशाजनक बातों से कैसे निपटना है। मैं दूसरी बातों को नजरअंदाज कर के अपने खेल को लेकर जितना हो सके उतना आश्वस्त होना चाहता हूं।ह्ण उन्होंने कहा, ह्यआपको उन लोगों की बात सुननी होगी जिन पर आप भरोसा करते हैं और जिन से आपको सबसे अच्छी सलाह मिल रही है। खिलाड़ियों के रूप में बहुत तरह की बातें सुननी होती है, इंग्लैंड के लिए खेलने के दौरान हमेशा ऐसा होगा। इसलिए यह सही लोगों और उन लोगों को सुनने की कोशिश करने के बारे में है जिन पर आप सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं।'

अगस्त 2020 में पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान अपने कंधे की चोट को याद करते हुए उन्होंने कहा, ह्ययह अब तक एक ह्यस्टॉप-स्टार्ट (रुकावट से भरा)ह्ण करियर रहा है। मैंने लगभग चार साल पहले अपनी शुरूआत की थी। इस दौरान कई बार टीम से अंदर-बाहर होता रहा हूं और कंधे के ऑपरेशन भी हुए हैं।ह्ण कंधे की इस चोट के कारण उन्हें लगभग चार महीने तक खेल से दूर रहना पड़ा था। ओवल के मैदान पर पोप की बल्लेबाजी औसत 19 पारियों में 101.8 की है और वह भारत के खिलाफ शतक पूरा करने से चुकने के कारण निराश है। उन्होंने कहा, ह्ययह मेरे घरेलू मैदान पर पहला टेस्ट है और मेरे लिए वास्तव में एक खास मौका है। आप अपने घरेलू मैदान पर खचाखच भरे दर्शकों के सामने शतक लगाने का सपना देखते हैं। उम्मीद है कि मुझे भविष्य में कुछ और मौके मिलेंगे लेकिन अभी के लिए मुझे टीम को अच्छी स्थिति में लाने में योगदान देने में खुशी हो रही है।'

रोहित शर्मा ने हासिल किया बड़ा मुकाम, सचिन-द्रविड़ जैसे दिग्गजों की सूची में दर्ज कराया नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के प्रतिभा संपन्न खिलाड़ी ओपनर रोहित शर्मा का बल्ला इन दिनों रनों की बारिश कर रहा है। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में भी रोहित का बल्ला रन उगल रहा है। रोहित शर्मा अब भारत के टॉप टेस्ट रैंकिंग वाले बल्लेबाज भी बन चुके हैं। वैसे ओवल टेस्ट के दूसरे दिन रोहित शर्मा ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया।

रोहित शर्मा ने शुक्रवार को अपने 15 हजार इंटरनेशनल रन पूरे कर लिए। रोहित शर्मा ये कारनामा करने वाले 8वें भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले सचिन, द्रविड़, विराट कोहली, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी, वीरेंद्र सहवाग और मोहम्मद अजहरुद्दीन 15 हजार से ज्यादा इंटरनेशनल रन बना चुके हैं। रोहित शर्मा ने 397वीं पारी में 15 हजार इंटरनेशनल रन पूरे किए। वो इस सूची में 5वें नंबर पर हैं। विराट कोहली ने महज 333 पारियों में 15 हजार रन पूरे किए थे। वहीं सचिन को कुल 356 पारियां लगी थी।

रोहित शर्मा का टेस्ट करियर भी उनके वनडे करियर की तरह बदल चुका है। साल 2013 में जब रोहित शर्मा ओपनर बने थे तो उन्होंने धमाकेदार प्रदर्शन कर 3 दोहरे शतक ठोके। वर्ल्ड कप 2019 में भी रोहित शर्मा का बल्ला शतक पर शतक लगाता चला गया। अब रोहित शर्मा जब से टेस्ट ओपनर बने हैं उन्होंने इस फॉर्मेट में भी अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया है। रोहित शर्मा आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में अब विराट कोहली को भी पछाड़ चुके हैं। रोहित शर्मा फिलहाल टेस्ट रैंकिंग में पांचवें नंबर पर हैं। जबकि साल 1 सितंबर, 2019 को उनकी टेस्ट रैंकिंग 53 थी। मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर भी रोहित शर्मा ने अबतक 8 पारियों में 43.60 की औसत से 261 रन बना लिए हैं। रोहित शर्मा से ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में बड़े स्कोर की दरकार है। तभी ओवल में भारतीय टीम जीत के बारे में सोच पाएगी।

खबर एक नजर

रिंग में घायल होने के पांच दिन बाद 18 वर्षीय की मुक्केबाज जेनेट ने अस्पताल में तोड़ा दम

लंदन, एजेंसी। मैक्सिको की 18 साल की महिला मुक्केबाज जेनेट जकारियास जापता जिंदगी की जंग हार गई हैं। दरअसल मॉन्ट्रियल रिंग में मुकाबले के दौरान जेनेट चोटिल हो गई थीं, जिसके 5 दिन बाद वह जिंदगी की जंग हार गईं। इवेंट के आयोजकों ने कहा कि आईजीए स्टेडियम में एक मुकाबले के दौरान लगी चोट के बाद जेनेट का निधन हो गया है। मुकाबले के दौरान जेनेट पर रिंग के कॉर्नर में विपक्षी मुक्केबाज ने मुक्कों की बारिश कर दी थी। चौथे राउंड खत्म होने से पहले एक अपरकट ने इस खिलाड़ी को हिला दिया। इसके कुछ सेकंड तक तो उन्होंने खुद को संभाले रखा, मगर फिर रिंग में ही गिर गई। एक दाएं हुक के कारण जेनेट का माउथ गार्ड बाहर तक आ गया था। उनकी हालत इस कदर हो गई थी कि घंटी बजने के बाद वह अपने कोने पर जा भी नहीं पाई। इसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर बाहर ले जाया गया और फिर वहां से एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। जहां 5 दिन तक जंग लड़ने के बाद उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

18 साल की खिलाड़ी से हारने के बाद नोओमी ओसाका ने तोड़ा रैकेट, कहा कुछ दिन टेनिस से रहेंगी दूर

लंदन, एजेंसी। पिछली बार की यूएस ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका टेनिस से ब्रेक लेने पर विचार कर रही हैं। उन्होंने यह ऐलान यूएस ओपन के तीसरे दौर में कनाडा की 18 साल की लीला फर्नांडिज से हारने के बाद लिया है। मैच हारने के बाद नाओमी अपने गुस्से पर काबू नहीं रख सकी और उन्होंने जमीन पर पटककर अपना रैकेट तोड़ दिया। मैच में प्वाइंट के बीच काफी समय लेने के लिए दर्शकों ने ओसाका की काफी हूटिंग भी की थी। ओसाका आखिर में 5-7, 6-7, 6- 4 से मुकाबला हार गईं। दुनिया की 73वें नंबर की खिलाड़ी लीला पहली बार ग्रैंडस्लैम के चौथे दौर में पहुंची है। ओसाका ने टेनिस से ब्रेक लेने का ऐलान करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि मुझे कुछ समय के लिए टेनिस से ब्रेक लेना चाहिए। आंसू पोछते हुए 4 ग्रैंड स्लैम विजेता ओसाका ने कहा कि वह अनिश्चितकाल के लिए टेनिस से ब्रेक लेंगी। ग्रैंडस्लैम में लगातार 16 मैच और 4 खिताब जीतकर आई ओसाका का फ्रेंच ओपन के बाद यह दूसरा ग्रैंडस्लैम टूनार्मेंट था। फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जीतने के बाद उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के कारण नाम वापिस ले लिया था।

पैरालंपिक खेलों में बैडमिंटन के गोल्ड मेडल से एक कदम दूर आईएएस सुहास यथिराज

नोएडा, एजेंसी। टोक्यो पैरालंपिक खेलों के बैडमिंटन स्पर्धा के फाइनल में पहुंच कर ऐतिहासिक कारनामा करने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी सुहास एल यथिराज रविवार को जब इन खेलों के अपने आखिरी मुकाबले में उतरेंगे तो उनके पास इस उपलब्धि को स्वर्णिम बनाने का मौका होगा। फाइनल में अगर वह हार भी जाते है तो रजत पदक के साथ गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) के 38 वर्षीय जिलाधिकारी (डीएम) पैरालम्पिक में पदक जीतने वाले पहले आईएएस अधिकारी के रूप में इतिहास बनायेंगे। सुहास एसएल4 श्रेणी में फिलहाल विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है। ग्रुप चरण के एक मुकाबले को छोड़कर अब तक खेले तीनों मैचों में उनका प्रदर्शन दबदबा वाला रहा है। पहले दो मैचों को 20 मिनट से भी कम समय में अपने नाम करने वाले सुहास ने सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को 31 मिनट में 21 ।9, 21 ।15 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त फ्रांस के लुकास माजूर से होगा। कर्नाटक के 38 वर्ष के सुहास के टखनों में विकार है। कोर्ट के भीतर और बाहर कई उपलब्धियां हासिल कर चुके सुहास कम्प्यूटर इंजीनियर है और 2007 बैच के आईएसएस अधिकारी भी। वह 2020 से नोएडा के जिलाधिकारी हैं और कोरोना महामारी के खिलाफ जंग में मोर्चे से अगुवाई कर चुके हैं। सेवारत और सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों के समूह आईएएस संघ ने ट्वीट किया, ह्यह्यइतिहास बन रहा है। सुहास एल वाई पुरुष एकल पैरा-बैडमिंटन एसएल4 वर्ग के फाइनल में। उन्होंने सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के एस फ्रेडी को 2-0 से हराया। अब पांच सितंबर को स्वर्ण के लिए खेलेंगे।' उनके फाइनल में पहुंचने के साथ ही सोशल मीडिया पर #चीयर4सुहास 'ट्रेंड' करने लगा।

VESTEL
7
18
2
AKÖZ
4
99
ÖZBAY
3

सर्बिया में एक वॉलीबॉल प्रतियोगिता के दौरान अंक लेने के बाद खुशी जाहिर करते तुर्की के खिलाड़ी।

टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता मनीष नरवाल को 6 और सिंहराज को मिलेंगे 4 करोड़

-हरियाणा सरकार ने किया बड़ा ऐलान

फरीदाबाद, एजेंसी। प्रतिष्ठित टोक्यो पैरालंपिक स्पर्धा में शूटिंग पी4 मिक्स्ड 50 मीटर पिस्टल एसएच1 में स्वर्ण पदक हासिल करने वाले भारतीय खिलाड़ी मनीष नरवाल को हरियाणा सरकार ने को 6 करोड़ और रजत पदक विजेता सिंहराज अधाना को 4 करोड़ रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। इसके साथ हरियाणा सरकार ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई भी दी है। बता दें कि 19 साल के नरवाल ने पैरालंपिक का रिकॉर्ड बनाते हुए 218.2 स्कोर किया। वहीं अधाना ने 216.7 अंक बनाकर रजत पदक अपने नाम किया है। यह दोनों निशानेबाज हरियाणा के फरीदाबाद के रहने वाले हैं।

इसके साथ ही टोक्यो ओलंपिक में भारत की पदकों की संख्या 15 हो गई है। भारत ने अब तक तीन स्वर्ण, सात रजत और पांच कांस्य पदक जीते हैं। जबकि निशानेबाजी में भारत 5 पदक जीत चुका है। सिंहराज का टोक्यो पैरालंपिक में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने पैरालंपिक खेलों में 31 अगस्त को पी1 पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में कांस्य पदक जीता था। स्वर्ण जीतने के बाद मनीष नरवाल ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। जबकि नरवाल का परिवार 2016 में उन्हें पास की एक निशानेबाजी रेंज में ले गया और वह तुरंत इस खेल की ओर आकृष्ट हुए। वह नियमित अभ्यास करते रहे लेकिन उस समय उन्हें पैरालम्पिक खेलों के बारे में नहीं पता था। कोच जयप्रकाश नौटियाल ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्होंने 2017 बैंकाक विश्व कप में पी1 एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण जीता।

जबकि अधाना ने जीत के बाद कहा कि आज फाइनल बहुत कठिन था। जब मैं तीसरे स्थान पर था तो मैंने खुद से कहा कि सिंहराज अच्छा प्रदर्शन, रूको, सांस लो, रूको, ओके। एक शॉट, बस एक शॉट। कोई और बात मेरे दिमाग में चल ही नहीं रही थी। इसके अलावा फाइनल मैच में पहनी हैट के बारे में उन्होंने कहा कि यह मेरी पत्नी ने मुझे तोहफे में दी थी और मेरे लिए लकी है।

इस बीच हरियाणा के बल्लभगढ़ के रहने वाले सिंहराज की मां वेदवत्ती ने टोक्यो पैरालंपिक शूटिंग में रजत पदक जीतने पर कहा कि मैं बहुत-बहुत खुश हूं। मेरे बेटे सिंहराज ने पूरे देश में नाम रोशन कर दिया, ऐसा शेर है मेरा। वहीं, सिहंराज के घर जीत का जमकर जश्न हुआ। बहरहाल, एसएच1 वर्ग में निशानेबाज एक ही हाथ से पिस्टल पकड़ते हैं क्योंकि उनके एक हाथ या पैर में विकार होता है जो रीढ़ की में चोट या अंग कटने की वजह से होता है। कुछ निशानेबाज खड़े होकर तो कुछ बैठकर निशाना लगाते हैं।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोक्यो पैरालंपिक में भारत को पदक दिलाने वाले मनीष नरवाल और मधाना को बधाई दी है। उन्होंने टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर मनीष नरवाल को बधाई देते हुए ट्वीट में कहा, ह्यमनीष नरवाल की शानदार उपलब्धि। उनका स्वर्ण पदक जीतना भारतीय खेलों के लिए एक विशेष क्षण है। उन्हें बधाई और आने वाले समय के लिए शुभकामनाएं।ह्ण इसके अलावा पीएम ने रजत पदक जीतने पर सिंहराज अधाना देते हुए लिखा, ह्यउनके इस करतब से भारत खुश है। उन्हें बधाई और भविष्य के प्रयासों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।'

भारत को चौथा टेस्ट जीतने के लिए दूसरी पारी में बनाने होंगे कम से कम 350 रन

INDIA
INDIA

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच ओवल के मैदान पर खेला जा रहा चौथा टेस्ट मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। दूसरे दिन इंग्लैंड की टीम को भारतीय गेंदबाजों ने 290 रन पर समेट दिया। हालांकि मेजबान टीम 99 रनों की बढ़त लेने में कामयाब रही। पहली पारी में सिर्फ 191 रन पर सिमटने वाली टीम इंडिया ने दूसरी पारी में अच्छी शुरूआत की है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने बिना विकेट खोए 43 रन बना लिए हैं। केएल राहुल 22 और रोहित शर्मा 20 रन बनाकर खेल रहे हैं। इंग्लैंड के पास अभी 56 रनों की बढ़त है। भारत को अगर यह टेस्ट मैच जीतना है तो कम से कम 250 रनों की लीड लेने होगी। चौथी पारी में इस मैदान पर सबसे रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के नाम ही दर्ज है। 1979 में इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम ने इस मैदान पर 8 विकेट के नुकसान पर 429 बनाकर मैच ड्रॉ कराया था।

सुनील गावस्कर ने इस मैच में चौथी इनिंग में 221 रन की मैराथन पारी खेली थी। इसके अलावा 1947 में दक्षिण अफ्रीका भी इस मैदान पर सात विकेट के नुकसान पर 423 रन बनाकर मैच ड्रॉ करा चुका है। ओवल के मैदान पर इंग्लैंड की टीम 263 रन बनाकर मैच जीत चुकी हैं। हालांकि यह 1902 की बात है। इसके अलावा इस मैदान पर इंग्लैंड की टीम दो बार चौथी पारी में 300 से ज्यादा स्कोर कर मैच बचाने में सफल रही है। साल 2007 में राहुल द्रविड़ की अगुवाई वाली टीम इंडिया के खिलाफ इंग्लैंड ने चौथी पारी में छह विकेट के नुकसान पर 369 रन बनाकर मैच ड्रॉ करा लिया था। इसके अलावा 1965 में इंग्लैंड की टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथी इनिंग में चार विकेट खोकर 308 रन बनाए थे। अगर भारत को इस टेस्ट मैच को जीतना है तो दूसरी पारी में उसे कम से कम 350 रन बनाने होंगे। इससे इंग्लैंड को चौथी पारी में जीत के लिए 250 रनों का लक्ष्य मिलेगा।

खिलाड़ियों की मदद करने के लिए टार्गेट ओलंपिक पोडियम योजना को आगे बढ़ाया जाएगा: अनुराग

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय युवा मामले और खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने पैरालंपिक खेलों के पदक विजेताओं सुमित अंतिल (भाला फेंक एफ64 स्वर्ण पदक), देवेंद्र झाझरिया (भाला फेंक एफ46 रजत पदक), योगेश कथूनिया (चक्का फेंक एफ56 रजत पदक) और शरद कुमार (ऊंची कूद टी63 कांस्य पदक) को आज नई दिल्ली में सम्मानित किया। इस अवसर पर युवा मामले और खेल राज्य मंत्री निसिथ प्रामाणिक, युवा मामले और खेल मंत्रालय के खेल विभाग के सचिव रवि मित्तल और मंत्रालय के अधिकारी भी उपस्थित थे। ठाकुर ने कहा, 'भारत हमारे पैरालंपिक खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से खुश है; हमने पिछले सभी पैरालंपिक खेलों की तुलना में पहले ही पैरालंपिक पदक तालिका की बराबरी कर ली है ! पैरालंपिक खिलाड़ी भारत का गौरव हैं। भारतीय पैरा-एथलीटों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल देश को गौरवान्वित किया है, बल्कि यह साहस भी दिया है कि हर सपना हासिल किया जा सकता है। टोक्यो पैरालिंपिक में भारत ने अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा था और यह टीम अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पदकों की संख्या को दोहरे अंकों में ले गयी है।

बैडमिंटन में प्रमोद भगत को गोल्ड मेडल से भारत को मिला चौथा स्वर्ण पदक

चार गोल्ड के साथ भारत ने पैरालंपिक के 11वें दिन अब तक 16 मेडल जीत लिए हैं

टोक्यो, एजेंसी। पैरालंपिक के 11वें दिन भारत का गोल्ड सफर जारी रहा। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी और मौजूदा विश्व चैम्पियन प्रमोद भगत ने एसएल3 वर्ग के पुरुष एकल फाइनल में बेथेल डेनियल को 2-0 से हराया और गोल्ड पर कब्जा जमाया। भगत ने पहले ही सेट से अपना दबदबा बनाये रखा और आखिर तक जारी रखा। उन्होंने पहला सेट 21-14 से जीता। हालांकि दूसरे सेट में उन्हें ग्रेट ब्रिटेन के खिलाड़ी से जबरदस्त चुनौती का सामना करना पड़ा। हालांकि भगत दूसरा सेट भी 21-17 से जीत लिया। भारत ने पैरालंपिक में इतिहास रचते हुए अबतक का सबसे शानदार प्रदर्शन दिखाया है। चार गोल्ड के साथ भारत ने अब तक 16 मेडल जीत लिया है। भारत के खाते में 4 गोल्ड के साथ-साथ 7 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल भी आया है।

भगत ने सेमीफाइनल में जापान के फुजीहारा डाइसुके को 2-0 से हराया था और फाइनल में जगह बनाया। भगत ने पहला सेट 21-11 से जबकि दूसरा सेट 21-16 से जीता। इस क्लासीफिकेशन में आधा कोर्ट की इस्तेमाल होता है तो भगत और फुजीहारा डाइसुके ने लंबी रेलियां लगाई। शुरूआत में भगत 2-4 से पीछे थे, लेकिन ब्रेक तक 11-8 से बढ़त बना ली। उसके बाद इस लय को कायम रखते हुए लगातार छह अंक के साथ पहला गेम जीता। दूसरे गेम में उन्होंने विरोधी को कोई मौका ही नहीं दिया। मैच के बाद भगत ने कहा , यह शानदार मैच था। उसने मुझे कुछ अच्छे शॉट्स लगाने के लिये प्रेरित किया। बैडमिंटन में गोल्ड मेडल जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रमोदी भगत को ट्वीट कर बधाई दी। भगत को बधाई देते हुए मोदी ने लिखा, प्रमोद भगत ने पूरे देश का दिल जीत लिया है। वह एक चैंपियन हैं, जिनकी सफलता लाखों लोगों को प्रेरित करेगी। उन्होंने दृढ़ संकल्प दिखाया। उन्हें बैडमिंटन में गोल्ड जीतने के लिए बधाई। उन्हें उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

कृष्णा, सुहास और प्रमोद के पास स्वर्ण पदक जीतने का मौका, भारत का 18वां पदक पक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शटलर कृष्णा नागर ने टोक्यो पैरालंपिक बैडमिंटन मेन्स सिंगल्स क्लास एसएच6 फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इसके साथ ही भारत का 18वां पदक पक्का हो गया है। मौजूदा विश्व चैम्पियन प्रमोद भगत और सुहास यतिराज भी शनिवार को टोक्यो पैरालंपिक मेन्स सिंगल्स बैडमिंटन में अपने-अपने वर्ग के फाइनल में पहुंच गए हैं, लेकिन मनोज सरकार और तरूण ढिल्लों को सेमीफाइनल मुकाबलों में पराजय का सामना करना पड़ा है। हालांकि मनोज और तरुण के पास अब भी कांस्य पदक जीतने का मौका है।

फाइनल में पहुंचते ही कृष्णा ने भारत का 18वां पदक पक्का कर दिया है। भारत टोक्यो पैरालंपिक में अब तक तीन गोल्ड, सात सिल्वर और पांच ब्रॉन्ज मेडल जीत चुका है। बैडमिंटन में लंदन ओलंपिक 2012 में साइना नेहवाल ने कांस्य, रियो 2016 में पीवी सिंधु ने सिल्वर और टोक्यो 2020 में सिंधु ने कांस्य पदक जीता था। फाइनल में पहुंचते ही सुहास यतिराज और प्रमोद भगत के बाद कृष्णा नागर ओलंपिक या पैरालंपिक खेलों में बैडमिंटन में मेडल जीतने वाले तीसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। कृष्णा, सुहास और प्रमोद का कम से कम सिल्वर मेडल पक्का हो चुका है। फाइनल में उनके पास मेडल का रंग बदलने का मौका है। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और एशियाई चैम्पियन 33 वर्ष के प्रमोद भगत ने एसएल3 क्लास में जापान के दाइसुके फुजीहारा को 36 मिनट में 21-11, 21-16 से हराया। इस साल पैरालंपिक में पहली बार बैडमिंटन खेला जा रहा है लिहाजा स्वर्ण पदक के मुकाबले में पहुंचने वाले भगत पहले भारतीय हो गए। उनका सामना ब्रिटेन के डेनियल बेथेल से होगा। एसएल4 क्लास में नोएडा के जिलाधिकारी सुहास ने इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को 31 मिनट में 2- 9, 21-15 से हराया।

विश्व नंबर वन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने टोक्यो पैरालम्पिक बैडमिंटन फाइनल में पहुंचे

दूसरी वरीयता प्राप्त बेथेल ने मनोज को हराया

Photo- Twitter

टोक्यो, एजेंसी। दिव्यांगों की प्रतिष्ठित पैरालम्पिक स्पर्धा में वर्तामान विश्व चैम्पियन प्रमोद भगत शनिवार को टोक्यो पैरालम्पिक पुरुष एकल बैडमिंटन एसएल3 क्लास के फाइनल में पहुंच गए लेकिन मनोज सरकार को सेमीफाइनल में पराजय का सामना करना पड़ा। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और एशियाई चैम्पियन 33 वर्ष के भगत ने जापान के दाइसुके फुजीहारा को 36 मिनट में 21.11, 21.16 से हराया। इस साल पैरालम्पिक में पहली बार बैडमिंटन खेला जा रहा है लिहाजा स्वर्ण पदक के मुकाबले में पहुंचने वाले भगत पहले भारतीय हो गए। उनका सामना ब्रिटेन के डेनियल बेथेल से होगा। वहीं मनोज को दूसरी वरीयता प्राप्त बेथेल ने 21.8, 21.10 से हराया। मनोज अब कांस्य पदक के लिए फुजीहारा से खेलेंगे। इस क्लासीफिकेशन में आधा कोर्ट की इस्तेमाल होता है तो भगत और फुजीहारा ने लंबी रेलियां लगाई। शुरूआत में भगत 2.4 से पीछे थे लेकिन ब्रेक तक 11.8 से बढत बना ली। उसके बाद इस लय को कायम रखते हुए लगातार छह अंक के साथ पहला गेम जीता। दूसरे गेम में उन्होंने विरोधी को कोई मौका ही नहीं दिया।

भगत और पलक कोहली मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 सेमीफाइनल भी खेलेंगे। मैच के बाद भगत ने कहा कि यह शानदार मैच था। उसने मुझे कुछ अच्छे शॉट्स लगाने के लिए प्रेरित किया। मुझे फाइनल में पहुंचने की खुशी है लेकिन काम अभी पूरा नहीं हुआ है। पांच वर्ष की उम्र में पोलियो के कारण उनका बायां पैर विकृत हो गया था। उन्होंने विश्व चैम्पियनशिप में चार स्वर्ण समेत 45 अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं। बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप में पिछले आठ साल में उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत जीते। 2018 पैरा एशियाई खेलों में उन्होंने एक रजत और एक कांस्य जीता।